RNI : JHAHIN/2014/54374

हिन्दी दैनिक

Rashtria Mukhyadhara

# राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

https://rashtriyamukhyadhara.com/

mukhyadhara.daily@gmail.com

+91 8873 319 159

बोकारो, गुरुवार

02.7.2026

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 250

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

# कमर्शियल एलपीजी की कीमतों में 183.50 रुपये की भारी कटौती, डीजल ओर पेट्रोल भी हुआ सस्ता

## पेट्रोल 5 और डीज़ल 3 रुपये सस्ता हुआ

एजेंसी, मुम्बई

निजी क्षेत्र की तेल कंपनी नायरा एनर्जी ने 1 जुलाई से पेट्रोल की कीमत में 5 रुपये प्रति लीटर और डीज़ल की कीमत में 3 रुपये प्रति लीटर की कटौती की घोषणा की है। कंपनी का मानना है कि इससे आम लोगों को राहत मिलेगी। नायरा एनर्जी ने यह फैसला मध्य पूर्व में तनाव कम होने और कच्चे तेल की वैश्विक आपूर्ति सामान्य होने के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट को देखते हुए किया है। गौरतलब है कि देशभर में नायरा एनर्जी के 7000 से अधिक पेट्रोल पंपों पर यह नई दरें लागू हो गई हैं। हालांकि, विभिन्न स्थानों पर लगने वाले स्थानीय करों (वैट) के कारण पेट्रोल और डीज़ल की अंतिम कीमतें थोड़ी अलग हो सकती हैं। जबकि नायरा एनर्जी ने दाम घटाकर उपभोक्ताओं को राहत दी है, भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल), इंडियन ऑयल (आईओसी) और हिंदुस्तान

पेट्रोलियम (एचपीसीएल) जैसी सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने फिलहाल अपनी पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं आया है।

गौरतलब है कि नायरा ने ही कच्चे तेल की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंचने पर सबसे पहले पेट्रोल और डीज़ल के दाम बढ़ाए थे। उस समय पेट्रोल 5 रुपये प्रति लीटर और डीज़ल 3 रुपये प्रति लीटर महंगा किया गया था। कंपनी का यह कदम तब आया था जब वैश्विक तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया था। अभी अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते की खबरों के कारण वैश्विक कच्चे तेल बाजार में नरमी देखी जा रही है। आज 1 जुलाई को कच्चा तेल मामूली 0.33 फीसदी की उछाल के साथ 73 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है, जो उच्च स्तरों से काफी कम है। इससे तेल कंपनियों पर कच्चे तेल की खरीद का दबाव काफी हद तक कम हो गया है।

गौरतलब है कि सरकारी तेल कंपनियों ने आखिरी बार 25 मई को कीमतों में बढ़ोतरी की थी, जिसमें पेट्रोल के दाम कुल 7.50 रुपये प्रति लीटर और डीज़ल के दाम 7.60 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ाए गए थे। इन बढ़ोतरी के बाद से आम जनता लगातार कीमतों में कटौती का इंतजार कर रही थी।

देश के विभिन्न शहरों में पेट्रोल और डीज़ल के दाम अलग-अलग हैं। चंडीगढ़ में पेट्रोल सबसे सस्ता 101.54 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है, जबकि हैदराबाद में यह 115.69 रुपये प्रति लीटर के साथ सबसे महंगा है। वहीं राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और नोएडा में पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर पर उपलब्ध है। दूसरी ओर डीज़ल की बात करें तो चंडीगढ़ में इसकी कीमत 89.47 रुपये प्रति लीटर है, वहीं हैदराबाद में यह 103.82 रुपये प्रति लीटर के साथ सबसे महंगा है। नायरा एनर्जी द्वारा की गई यह कटौती उन क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होगी जहां कंपनी के पेट्रोल पंप मौजूद हैं।

### कमर्शियल एलपीजी की कीमतों में 183.50 रुपये की भारी कटौती

**एजेंसी। नई दिल्ली :** जुलाई महीने की शुरुआत देश के आम नागरिकों और व्यापार जगत के लिए राहत और बदलाव की मिली-जुली खबरें लेकर आई है। सरकारी तेल कंपनियों ने आम जनता और दुकानदारों को बड़ी राहत देते हुए 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलिंडर की कीमतों में 183.50 रुपये की भारी कटौती कर दी है। इस कटौती के बाद देश की राजधानी दिल्ली में कमर्शियल सिलिंडर के दाम 3,113.50 रुपये से घटकर 2,930 रुपये पर आ गए हैं। हालांकि, घरों में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी गैस सिलिंडर की कीमतों में इस बार कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिससे घरेलू रसोई का बजट पहले जैसा ही बना रहेगा। डीजल बिक्री पर लगी सीमा हटी, ईंधन और गैस में राहत : ईंधन के मोर्चे पर सरकार ने एक और बड़ा फैसला लेते हुए डीजल की बिक्री पर लगी सीमा को पूरी तरह से हटा दिया है। सरकार के इस कदम से देश के वाहन चालकों, किसानों और ट्रांसपोर्ट सेक्टर को बहुत बड़ी राहत मिलेगी।

## हमारा सबसे बड़ा मकसद स्वदेशी तरीकों का इस्तेमाल करके युद्ध जीतना होगा : आर्मी चीफ

### ▪ नए सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने कार्यभार संभालने के बाद पिता और छोटे भाई को किया सैल्यूट

एजेंसी, नई दिल्ली

नए सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ को कार्यभार संभालने के बाद बुधवार को पहला गार्ड ऑफ ऑनर साउथ ब्लॉक लॉन्स में दिया गया। इसके बाद उन्होंने अपने पिता लेफ्टिनेंट जनरल केएम सेठ (सेवानिवृत्त) और छोटे भाई रियर एडमिरल रविनीश सेठ को सैल्यूट किया। अपने पहले भाषण में उन्होंने कहा कि हमारा सबसे बड़ा मकसद स्वदेशी तरीकों का इस्तेमाल करके युद्ध जीतना होगा। हम अपनी सीमाओं और उभरते खतरों के बारे में लगातार विजिलेंस बनाए रखेंगे और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए किसी भी चुनौती का असरदार तरीके से मुकाबला करने के लिए ऑपरेशनल रेडीनेस का हाई लेवल बनाए रखेंगे। नेशनल डिफेंस एकेडमी, खड़कवासला के पुराने स्टूडेंट जनरल सेठ आर्म्ड कोर के पहले ऑफिसर हैं, जो 1997 में 20 लांसर्स के जनरल शंकर रॉय चौधरी के रिटायरमेंट के बाद आर्मी चीफ बने हैं। वे एक जाने-माने सैन्य परिवार से आते हैं। उनके पिता लेफ्टिनेंट जनरल केएम सेठ 1997 में आर्मी के एडजुटेंट जनरल के पद से रिटायर हुए थे, जब नए आर्मी चीफ खुद कैप्टन थे। उनके भाई रियर एडमिरल रविनीश सेठ भारतीय नौसेना में फ्लैग ऑफिसर के तौर पर कार्यरत हैं। जनरल सेठ को सैन्य क्षेत्र में जमीनी और ऑपरेशन पर फोकस करने वाले कमांडर के तौर पर जाना जाता है। उन्होंने उसी भोपाल-बेस्ड 21 स्ट्राइक कोर को कमांड किया है, जिसे कभी उनके पिता लीड करते थे। पदभार संभालने के बाद आर्मी चीफ जनरल धीरज सेठ ने कहा कि आज जब मैं भारतीय सेना के 31वें चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ का पद संभाल रहा हूं, तो यह मेरे लिए गर्व और विनम्रता का पल है। ड्यूटी, ऑनर और नेशन फर्स्ट के आदर्शों के प्रति पक्के कमिटमेंट के साथ मैं यह जिम्मेदारी स्वीकार करता हूं। मैं उन बहादुर सैनिकों को भी अपनी विनम्र श्रद्धांजलि देता हूं, जिन्होंने देश की सेवा में सर्वोच्च बलिदान दिया। उनकी हिम्मत, ड्यूटी के प्रति समर्पण और निःस्वार्थ समर्पण आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। जनरल धीरज सेठ ने भारतीय सेना को तकनीक से चलने वाली भविष्य के लिए तैयार फोर्स बनाने का वादा किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना का नेतृत्व करना और 'ड्यूटी, ऑनर और नेशन फर्स्ट' के आइडियल्स के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराना 'गर्व और विनम्रता' की बात है। आर्मी चीफ ने कहा कि इस बदलते सुरक्षा माहौल की चुनौतियों से निपटने के लिए हमें नए जोश और पक्के इरादे के साथ सेना की आधुनिकता को आगे बढ़ाना होगा। हमारा मकसद प्रौद्योगिकी समर्थित भविष्य के लिए तैयार सेना बनाना है, जो हर तरह से सशक्त हो और कई डोमेन में काम करने में सक्षम हो। इन मकसदों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने कहा कि इनोवेशन हमारी सोच, ऑपरेशनल तरीकों और कैपेबिलिटी डेवलपमेंट का एक जरूरी हिस्सा होगा। इसके अलावा हम बदलते युद्ध क्षेत्र के हिसाब से ढलने के लिए जरूरी बदलाव लागू करेंगे।

# डॉक्टरों की कड़ी मेहनत, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ : मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रीय चिकित्सक (डॉक्टर) दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को देशभर के चिकित्सकों को शुभकामनाएं देते हुए उनके समर्पण, करुणा और सेवा भावना की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉक्टरों की कड़ी मेहनत, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी डॉक्टरों की अथक सेवा ने करोड़ों लोगों का विश्वास और आभार अर्जित किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत बनाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या

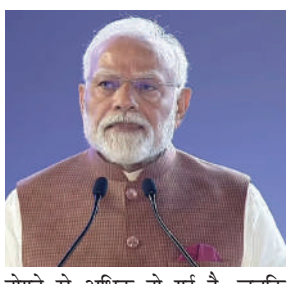

दोगुने से अधिक हो गई है, जबकि स्नातक और स्नातकोत्तर मेडिकल सीटों में भी व्यापक वृद्धि हुई है। उनके अनुसार, इससे भावी डॉक्टरों के लिए नए अवसर पैदा हुए हैं, स्वास्थ्य क्षेत्र को अधिक सशक्त बनाने में मदद मिली है और देश के हर हिस्से तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण की दिशा में डॉक्टरों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि चिकित्सक निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने, चिकित्सा अनुसंधान को आगे बढ़ाने, नवाचार को अपनाने और सभी नागरिकों तक सस्ती एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में अहम योगदान देते रहेंगे। केंद्रीय स्वास्थ्यमंत्री जेपी नड्डा ने भी देशभर के चिकित्सकों को शुभकामनाएं देते हुए चिकित्सा समुदाय की राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पण के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों ने अपनी अटूट निष्ठा, उत्कृष्ट पेशेवर क्षमता और मानवता के प्रति करुणामय सेवा भाव से समाज की अमूल्य सेवा की है। नड्डा ने एक्स पर कहा कि राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस के अवसर पर वह चिकित्सा समुदाय के प्रति अपनी हार्दिक सराहना और कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

### राष्ट्र निर्माण में चार्टर्ड अकाउंटेंट की भूमिका अहम : पीएम

**एजेंसी, नई दिल्ली ।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे के अवसर पर देशभर के चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) समुदाय को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट भारत की आर्थिक यात्रा के लंबे समय से भरोसेमंद साझेदार रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता देश के आर्थिक विकास तथा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

# अयोध्या प्रकरण में एसआईटी जांच की समय-सीमा बढ़ाई गई

एजेंसी, लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या तीर्थ क्षेत्र में दान प्रकरण की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) की समय-सीमा 15 जुलाई तक बढ़ा दी है। मामले के विभिन्न पहलुओं की गहन छानबीन के लिए एसआईटी ने मुख्यमंत्री से अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया था, जिसे स्वीकार करते हुए उन्होंने एसआईटी को आगामी 15 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। यह जानकारी मुख्यमंत्री कार्यालय से दी गयी है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर एसआईटी का गठन करने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि एसआईटी इस प्रकरण में हर पहलू की सघनता और निष्पक्षता से जांच करते हुए दूध का दूध और पानी का पानी करेगी। दोषियों को किसी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

गत 23 जून को एसआईटी के प्रमुख सदस्य लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने अपना प्रारंभिक प्रतिवेदन गृह विभाग को सौंपा था, जिसमें कठोर संस्तुतियां की गई थीं। इन संस्तुतियों के आधार पर गत 25 जून को ट्रस्ट के सदस्य कृष्णमोहन की लिखित शिकायत पर श्रीराम जन्मभूमि थाने में पहली एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसमें आठ नामजद व अन्य अज्ञात व्यक्तियों को अभियुक्त बनाया गया था। सभी नामजद अभियुक्त गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

# संगठित गिरोह का भंडाफोड़: 9 किलो सोना और 42 किलो चांदी जब्त, 8 गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने सोने की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली, चेन्नई, कोलकाता और बेंगलुरु में एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में विदेशी मूल का लगभग 9 किलो सोना, 42 किलो चांदी, 700 ग्राम सोने के गहने, 8.15 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा और 26.67 लाख रुपये भारतीय मुद्रा बरामद की गई है। कुल आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। डीआरआई ने बुधवार को बताया कि गिरोह पूर्वोत्तर राज्यों से दिल्ली तक अलग-अलग ट्रेनों से तस्करी कर सोना लाता था। तस्करों ने दिल्ली के घनी आबादी वाले इलाके में सोना गलाने की अवैध इकाई भी चला रखी थी। 26 जून को डीआरआई अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल के न्यू कूचबिहार रेलवे स्टेशन और बिहार के मंसी जंक्शन पर दो तस्करों को पकड़ा, जिनके पास से करीब 2 किलो सोना मिला। इसी दिन दिल्ली में भी दो लोगों को 1.2 किलो सोने के साथ पकड़ा गया। इन गिरफ्तारियों के बाद दिल्ली में अवैध सोना गलाने की इकाई का पता चला। उसी दिन एक अन्य कार्रवाई में डीआरआई ने एक महिला तस्कर को पकड़ा, जो मिजोरम के सैरांग से कोलकाता जा रही थी। उसके पास से कमरबंद में छिपाकर रखी गई सोने की 20 ईंटें मिलीं, जिनका वजन 3.3 किलो था। चेन्नई में डीआरआई ने घरेलू हवाई मालवाहक सेवा के जरिए विदेशी मुद्रा की तस्करी का बड़ा रैकेट पकड़ा। यहां से 7,58,500 अमेरिकी डॉलर और 35 लाख थाई बाहट बरामद किए गए, जिनकी कीमत लगभग 8.15 करोड़ रुपये है। जांच में पता चला कि यह विदेशी मुद्रा भारत से बाहर भेजी जा रही थी और इसका इस्तेमाल सोना-चांदी की तस्करी के लिए किया जा रहा था। बेंगलुरु हवाई अड्डे पर डीआरआई ने एक व्यक्ति को दुबई से लौटते समय पकड़ा, जिसके पास से 1.8 किलो सोना मिला। उसके घर से 42 किलो चांदी, 700 ग्राम सोने के गहने और 26.67 लाख रुपये नकद भी बरामद किए गए। डीआरआई ने कहा कि यह कार्रवाई साबित करती है कि विदेशी मुद्रा की अवैध खरीद-फरोख्त और उसका बाहर भेजा जाना सीधे तौर पर सोना-चांदी की तस्करी से जुड़ा हुआ है।

# तृणमूल के नाम और चुनाव चिन्ह विवाद पर गुरुवार को आयोग में सुनवाई

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल की सियासत में तृणमूल कांग्रेस को लेकर नया विवाद सामने आया है। खुद को असली तृणमूल बताने वाले ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा गुट ने पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह पर दावा करते हुए केंद्रीय निर्वाचन आयोग का दरवाजा खटखटाया है। इसी मामले में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने गुरुवार को इस गुट को चर्चा के लिए बुलाया है। जानकारी के अनुसार, ऋतब्रत गुट का दावा है कि तृणमूल कांग्रेस के अधिकतर विधायक और नेता उनके साथ हैं। इसी आधार पर उन्होंने हाल ही में दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात कर पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह पर अधिकार की मांग

की थी। उस समय आयोग ने मामले की समीक्षा करने की बात कही थी। सूत्रों के मुताबिक, समीक्षा के बाद अब चुनाव आयोग ने गुरुवार दोपहर 12 बजे ऋतब्रत गुट को फिर से बुलाया है। इस दौरान आयोग की फुल बेंच के साथ बैठक होगी। राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि तृणमूल कांग्रेस पर नियंत्रण को लेकर स्थिति जल्द साफ हो सकती है। कुछ दिन पहले कोलकाता के एक पांच सितारा होटल में ऋतब्रत गुट की बैठक हुई थी।

# राजस्थान के दौसा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर ट्रक से टकराई बस, आठ की मौत

एजेंसी, दौसा

राजस्थान के दौसा जिले के कोलवा थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर बुधवार तड़के खाली ट्रेलर से भीषण टक्कर के बाद स्लीपर यात्री बस में आग लग गई। इस हादसे में आठ यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 28 यात्री घायल हो गए। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। दौसा पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित के अनुसार हादसा मंगलवार-बुधवार दरमियान रात करीब 2:38 बजे कोलवा थाना क्षेत्र में हुआ। हंस ट्रेवल्स की स्लीपर बस (आरजे 11 डी 6565) और ट्रेलर (आरजे 01 जीई 0164) के बीच टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। बस में आग लगने से छह यात्री बुरी तरह जल गए, जबकि दो अन्य की दुर्घटना में लगी चोटों के

कारण मौत हुई। पुलिस के अनुसार हादसे के बाद मृत यात्रियों की शिनाख्त की गई, जिसमें इंदौर के बजरंग नगर निवासी भूमि भौर पुत्री भारत भौर (20), खरगोन जिले के बड़वाह निवासी प्रियंका पांडे पत्नी जितेन्द्र पांडे (35), दीपक पुत्र नन्नूसिंह तंवर (29), सीहोर जिले के रामपुरा कला निवासी दीपु पुत्र नरबत सिंह (60), इंदौर के अन्नपूर्णा नगर निवासी निर्मला पत्नी चंद्रप्रकाश गुप्ता, झाबुआ जिले के भूतखेड़ी निवासी धर्मसिंह पुत्र गुलसिंह (31), बस चालक तथा बस परिचालक कुलदीप हैं। घायलों में मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले के मौजीवाड़ा निवासी कालू पुत्र बिजिया सिंहाड़ (39), इंदौर के सुदामा नगर निवासी स्वानंद गिररे पुत्र राजेश गिररे (25), बर्फानी धाम निवासी लीजा पुत्री महेश (22), बाणगंगा क्षेत्र निवासी प्रिंस सरोज पुत्र सुनील सरोज (22), खरगोन जिले के बड़वाह स्थित कस्तूरबा मार्ग निवासी नेहा पत्नी सन्नी (26) तथा उनकी पुत्री याशिका (3), आगर निवासी अनीता पत्नी सी.एम. सोनी (56), कुक्षी निवासी योगिनी पुत्री शैलेन्द्र पाटीदार (21), सीहोर जिले के भीलखेड़ी निवासी घीसूलाल पुत्र बलवंत सिंह (65), इंदौर निवासी माहिर मोटीने पुत्री मनीष (18) तथा प्रदीप पुत्र नरेन्द्र (26) हैं।

## ईरान का कड़ा रुख

# लेबनान पर हमला बंद होगा तब होगी अमेरिका से अंतिम समझौते पर सीधी वार्ता

एजेंसी, दोहा/वाशिंगटन

कतर की राजधानी दोहा में अमेरिकी और ईरानी वार्ताकार मौजूद हैं। दोनों पक्षों के बीच अब तक सीधी वार्ता शुरू नहीं हो सकी है। ईरान ने अंतिम समझौते पर बातचीत शुरू करने के लिए कड़ी शर्त रखी है। ईरान का कहना है कि अगर लेबनान में इजराइली हमले रुक जाएं (युद्ध खत्म हो जाए) तो उसे वार्ता शुरू करने पर कोई परहेज नहीं है। इस बीच अमेरिकी वार्ताकारों ने कतर के प्रधानमंत्री और विदेशमंत्री से मुलाकात की है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बागेर घालीबाफ ने कहा

कि तेहरान अंतिम समझौते पर बातचीत तब तक शुरू नहीं करेगा जब तक लेबनान में लड़ाई खत्म नहीं हो जाती। साथ ही वार्ता शुरू करने से पहले वाशिंगटन को तेल पर लगे प्रतिबंध हटाते हुए ईरान के फ्रीज किए गए फंड को जारी करना होगा। ईरान के इस रुख की वजह से दोहा में अमेरिकी वार्ताकारों से सीधी बातचीत संभव नहीं हो पा रही है। अलबत्ता कतर के प्रधानमंत्री और विदेशमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जसीम अल थानी ने दोहा में अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर से मुलाकात की है। ईरानी वार्ताकार भी दोहा में मौजूद हैं, लेकिन दोनों पक्षों के बीच आमने-सामने की बातचीत शुरू होने के कोई संकेत नहीं हैं। ईरान ने यह भी कहा है कि वह अमेरिका के साथ हुए एमओयू को लागू करने और फ्रीज की गई ईरानी संपत्ति को जारी करने के मुद्दे पर मध्यस्थ कतर के जरिए अप्रत्यक्ष बातचीत करेगा।

# ईरान, हमास, हिजबुल्लाह से लड़ाई कभी खत्म नहीं होगी : नेतन्याहू

एजेंसी, तेल अवीव

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को कहा कि ईरान और उसके सहयोगियों (हमास और हिजबुल्लाह) के खिलाफ "पूरी जीत" हासिल करने की उनकी कोशिश "कभी खत्म नहीं होगी"। उन्होंने पिछले तीन साल में इजराइल की सैन्य उपलब्धियों का जिक्र किया और साथ ही यह भी कहा कि अभी और काम करना बाकी है। द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने 'चैनल 14' को दिए साक्षात्कार में यह दावा किया। नेतन्याहू से पूछा गया कि क्या गाजा युद्ध के दौरान "पूरी जीत" हासिल करने का उनका वादा अभी भी कायम है। नेतन्याहू ने कहा, "यह कभी खत्म नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इजराइल पहले से कहीं ज्यादा मजबूत है। उसने अपने दुश्मनों को काफी कमजोर किया है। प्रधानमंत्री ने हमास, हिजबुल्लाह और ईरान के ज्यादातर

नेताओं को मारने और गाजा, लेबनान व सीरिया में बफर जोन बनाने के अपने कदमों की तारीफ की। उन्होंने यह माना कि ईरान के साथ युद्ध के नतीजे उन पक्के लक्ष्यों से कमतर रहे जो उन्होंने शुरू में तय किए थे। नी ईरान के न्यूक्लियर और मिसाइल प्रोग्राम को खत्म करना और वहां सत्ता परिवर्तन में मदद करना। नेतन्याहू से पूछा गया कि वे किन देशों के साथ शांति समझौते करने की उम्मीद करते हैं और क्या उनमें सऊदी अरब भी शामिल है? प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने देशों के नाम बताने से इनकार कर दिया, लेकिन जोर देकर कहा कि कई देश इस दौड़ में शामिल हैं। इनमें लेबनान भी है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159



## संक्षिप्त समाचार

### जमीन में जबरन कब्जा करने को लेकर डीसी को दिया आवेदन

**गोलाः** थाना क्षेत्र के पुराना सिरका गांव के खाता नंबर 22,प्लॉट नंबर 69 कुल रकवा 1.05 एकड़ भूमि में कुछ दबंगों द्वारा जबरन कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है।इसे लेकर बुधवार को उमेश महतो,सियाराम महतो ओर सुकर महतो ने संयुक्त हस्ताक्षर युक्त आवेदन डीसी को सौंपा है।जिसमें कहा गया है कि उक्त जमीन हमारे पूर्वज गाजी महतो वगैरह को ग्राम के जमींदार से बंदोबस्ती प्राप्त है।जिसमे वर्षो से हमलोगों का दखल कब्जा चला आ रहा है।तथा जमाबंदी पंजी 2 के पेज संख्या 188/1 में भी दर्ज है।लेकिन पिछले दिनों गांव के ही बिंदेश्वर महतो ओर कैलाश महतो अपने साथ 15 से 20 व्यक्तियों को लेकर हमारे जमीन पर आकर जबरन निर्माण कार्य शुरू करते हुए जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। मना करने पर उन लोगों द्वारा धमकी दिया जाता हैं कि उक्त जमीन को छोड़ दो नहीं तो मारकर इसी जमीन में गाड़ देंगे।इससे हमारे परिवार के सभी लोग दहशत में जी रहे हैं। वही पूर्व में भी न्यायालय में 144 ओर 145 का मामला चल चुका हैं।जिसमे न्यायालय द्वारा हमारे पक्ष में ही फैसला दिया गया है।साथ ही कहा है कि इससे पूर्व भी हमारे द्वारा सीओ ओर थाना प्रभारी को आवेदन दिया गया था।लेकिन अभी तक उसपर कोई कारवाई नहीं होने से हमलोग काफी चिंतित है।ओर कभी भी कोई अप्रिय घटना घट सकती हैं।इससे इनकार नहीं किया जा सकता है।इस संबंध में पूछे जाने पर सीओ सीताराम महतो ने दूरभाष पर बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है।जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कारवाई की जाएगी।पत्र की प्रतिलिपि एसपी ओर एसडीएम

### बनवार के अवैध खनन मुहानों पर चला बुलडोजर

**कुजू।** सीसीएल तोपा परियोजना से सटे बनवार के पास बुधवार को एक अभियान चलाकर अवैध कोयला खनन स्थलों के मुहानों को बंद कराया गया। इस दौरान कुजू क्षेत्रीय सुरक्षा विभाग के गस्ती दल, तोपा परियोजना सुरक्षा विभाग के साथ माइनिंग विभाग के लोग अभियान में शामिल हुए। अभियान के दौरान सीसीएल तोपा के ओपेनकास्ट खान से सटे इलाके के में अवैध कोयला खनन के लिए बनाए गए विशालकाय मुहानों को बुलडोजर की मदद से मिट्टी पत्थर डालकर बंद कराया गया। साथ ही दोबारा अवैध खनन शुरू करने पर सख्त कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

### सगे भाई बहन दो दिनों से लापता,थाना में आवेदन

**गोलाः** गोला थाना क्षेत्र के कामता गांव से 29 जून से दो सगे भाई बहन लापता हैं।जिसे लेकर परिजनों ने 1 जुलाई को थाना में आवेदन दिया है।जिसमे कहा गया है कि मेरी पुत्री जमुना कुमारी ओर पुत्र सुमित कुमार दोनों के पिता दिलीप करमाली ग्राम कामता पोस्ट बरियातू थाना गोला के निवासी है ।जो पिछले दो दिनों से लापता है।इस संबंध में परिजनों ने थाना में आवेदन देकर उसके दोनों बच्चों को सकुशल बरामद करने की गुहार लगाई है।इधर थाना प्रभारी अभिषेक कुमार ने पूछे जाने पर बताया कि उक्त दोनों भाई बहन अपने पड़ोसी एक लड़के के साथ रोजाना की तरह उक्त दिन भी ट्रेन में भिक्षाटन करने के लिए निकला था।लेकिन उन दोनों के साथ गया लड़का वापस घर लौट आया।लेकिन दोनों भाई बहन वापस नहीं लौटा।पुलिस आवेदन पर जांच कर रही है।सगे भाई बहन के अबतक गायब रहने से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

# सीए दिवस पर बोकारो में राष्ट्र-निर्माण के सारथियों का हुआ जुटान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**रक्तदान और नए सनदी लेखाकारों के सम्मान समारोह के साथ मना उत्सव**

**बोकारो :** देश की अर्थव्यवस्था और वित्तीय पारदर्शिता के मुख्य स्तंभ माने जाने वाले चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की प्रतिष्ठित संस्था बोकारो स्टील सिटी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स स्टडी चैप्टर की ओर से बुधवार को 78वां राष्ट्रीय सीए दिवस अत्यंत उत्साह, उमंग और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ मनाया गया। शहर के नया मोड़ में आयोजित इस गरिमापूर्ण उत्सव में बोकारो के तमाम चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और उनके परिवारजनों ने बढ़-चढ़कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। शुभारंभ स्वैच्छिक रक्तदान शिविर के साथ हुआ, जिसमें 27 प्रबुद्ध नागरिकों और सीए सदस्यों ने स्वैच्छिक रक्तदान किए। इमें रक्तदान करने वाले महादाताओं में मुख्य रूप से सीए आयुष केडिया, सीए गौरव मुरारका, पंकज कुमार गोस्वामी, सीए निशांत कुमार, सीए राजीव गुप्ता, सीए सिद्धार्थ जैन, सीए अवधेश कुमार, विबोर प्रसाद, जन्मजय कुमार, तौसीफ राजा, बिपिन कुमार साव, आशराज वक्ष, सीए वीरेंद्र कुमार, सौरव कुमार अग्रवाल, सीए आकाश कुमार, विनीत गोयल, राजेश सिंघल, हिमांशु मंडल, सुनील कुमार, सौरव मंडल, अमित कुमार माझी, सीए बी. के. सिंह, सुमित कुमार डे, मृत्युञ्जय राय, सीए राहुल कुमार भगत, ज्ञान प्रकाश तथा सीए पंकज कुमार शामिल रहे

**कठिन परीक्षा पास करने वालों का बढ़ाया हौसला-** सायंकालीन सत्र में देश की सबसे कठिनतम परीक्षाओं में से एक चार्टर्ड अकाउंटेंसी परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त करने वाले बोकारो के नव-योग्य (नवनियुक्त) चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के लिए एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस गौरवमयी पल के दौरान मंच पर तन्वी बुधिया, आदित्य अग्रवाल, प्रियंका कुमारी, सुधांशु कुमार, प्रतीक छाबड़ा, सुजल के. आर. अग्रवाल तथा आयुष वर्धा को उनकी इस अभूतपूर्व शैक्षणिक व व्यावसायिक सफलता के लिए चैप्टर की ओर से विशेष रूप से सम्मानित किया गया। बोकारो चैप्टर के सभी उपस्थित सदस्यों और वरिष्ठों ने इन युवा कंधों पर देश की वित्तीय साख का जिम्मा सौंपते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल, ईमानदार एवं सफल व्यावसायिक जीवन की उज्ज्वल कामनाएं कीं।

**उत्कृष्ट योगदान के लिए भी कई सम्मानित-** युवाओं के प्रोत्साहन के बाद समारोह का सबसे भावुक और सम्मानीय क्षण वह आया, जब चार्टर्ड अकाउंटेंसी के व्यवसाय में अपना पूरा जीवन समर्पित करने वाले और समाज को नई दिशा देने वाले कद्दावर वरिष्ठ सदस्यों का अभिनंदन किया गया। इन वरिष्ठ मनीषियों को उनके उत्कृष्ट व्यावसायिक योगदान, संस्थान के प्रति अटूट निष्ठा तथा युवा सीए सदस्यों के निरंतर मार्गदर्शन के लिए स्मृति चिन्ह एवं सम्मान-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इनमें मुख्य रूप से सीए आर. एस. पी. गुप्ता, सीए आर. पी. गोयनका, सीए शांतनु सेनगुप्ता तथा सीए निर्मल कुमार सिंह शामिल रहे, जिनके दशकों के लंबे अनुभव और उत्कृष्ट सेवाओं की सभागार में मौजूद हर एक सदस्य ने खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ सराहना की।

**वित्तीय पारदर्शिता और कॉर्पोरेट गवर्नेंस में सीए की भूमिका पर मंथन-** समारोह के दौरान वक्ताओं ने राष्ट्र निर्माण, वित्तीय पारदर्शिता, सुदृढ़ कर प्रशासन, कॉर्पोरेट गवर्नेंस तथा देश के आर्थिक विकास की गति को तेज करने में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की अपरिहार्य और महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अभूतपूर्व सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए चैप्टर के संयोजक सीए आयुष केडिया एवं उप-संयोजक सीए गौरव मुरारका ने संयुक्त रूप से रक्तदाताओं सहित सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। गौरव ने कहा कि बोकारो स्टील सिटी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स स्टडी चैप्टर भविष्य में भी समाज सेवा, राष्ट्र हित और व्यावसायिक उत्कृष्टता से जुड़े ऐसे जनहितैषी कार्यक्रमों का आयोजन पूरी निरंतरता के साथ करता रहेगा।

## रतवे में शहीद जलेश्वर महतो की 33 वें शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**कुजू।** झारखंड अलग राज्य के आंदोलनकारी शहीद जलेश्वर महतो की 33वीं पुण्यतिथि बुधवार को क्षेत्र के रतवे नाबाटांड़ में स्मारक स्थल पर मनाई गई। झामुमो परिवार की ओर से आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बतौर मुख्य अतिथि झामुमो केंद्रीय सदस्य राजकुमार महतो उपस्थित हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व अन्य गणमान्य लोगों का स्वागत आयोजन समिति ने फूलमाला पहनाकर किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शहीद जलेश्वर महतो की पत्नी सुशीला देवी, पुत्री ममता कुमारी, भाई रामेश्वर महतो व परिवार के अन्य सदस्यों ने शहीद वेदी व प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान परिजनों के क्रंदन से माहौल गमगीन हो गया। बाद में मुख्य अतिथि समेत अन्य लोगों ने शहीद वेदी व प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए नारेबाजी किया। इस दौरान आयोजित सभा में कई गणमान्य लोगों ने अपने विचार को रखा।

मुख्य अतिथि राजकुमार महतो ने अपने संबोधन में कहा कि जलेश्वर बाबू जैसे अमर सेनानी के बदौलत ही झारखंड अलग राज्य के आंदोलन को मुकाम तक पहुंचाया गया। वे ताउम्र क्षेत्र के लोगों को संगठित करने के साथ ही अपने अधिकार के लिए संघर्ष का रास्ता तय करने को प्रेरित किया। उनकी कुर्बानी बेकार नहीं जाएगी। आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष अकल उरांव व संचालन कोषाध्यक्ष राजनाथ महतो ने किया।

मौके पर झामुमो नेता मोहरलाल महतो, मुखिया खागेश्वर महतो, सुखदेव राम मुंडा, तिलेश्वर महतो, भुनेश्वर महतो, एतो वास्के, महेंद्र यादव, खुशीलाल महतो, शोभनाथ महतो, हरिहर महतो, लालजी महतो, सुमन कुमार, घनश्याम महतो, रामजी मुंडा, पुसन महतो, आरती देवी, रेशमी देवी, फुलेश्वरी देवी, शिवम पटेल, लक्ष्मी कुमारी समेत अन्य कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

## पिकअप वैन के नीचे 5 किलोमीटर तक घिसटता रहा 9 साल का मासूम, तड़प-तड़पकर हुई मौत

**बोकारो में हरला थाना पुलिस पर सीमा विवाद में उलझने का गंभीर आरोप**

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो :** बोकारो के सेक्टर-4 स्थित प्रतिष्ठित जगन्नाथ मंदिर के समीप से एक दिल दहला देने वाली और बेहद अमानवीय घटना सामने आई है, जहां एक शादी समारोह में शामिल होने आए नौ वर्षीय मासूम बच्चे अंकुर कुमार को एक अनियंत्रित पिकअप वैन ने अपनी चपेट में ले लिया। मंगलवार की देर रात घटी इस दर्दनाक घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मासूम अंकुर जब सड़क पार कर रहा था, तभी तेज रफ्तार पिकअप वैन (संख्या- ओडी05डीजी-2864) ने उसे सीधी टक्कर मार दी। इस खौफनाक हादसे के बाद मानवता को शर्मसार करते हुए वैन चालक ने वाहन रोकने या बच्चे को बचाने के बजाय गाड़ी की रफ्तार और बढ़ा दी और वहां से भाग निकला। इस दौरान मासूम बच्चा वैन के निचले हिस्से में ही फंसा रहा और बेरहमी से करीब पांच किलोमीटर तक सड़क पर घिसटता हुआ हरला थाना क्षेत्र के सेक्टर-8 स्थित सिवान मोड़ तक पहुंच गया, जिससे उसके शरीर के परखच्चे उड़ गए।

इस रोंगटे खड़े कर देने वाली दुर्घटना को देखते ही शादी समारोह में मौजूद परिजनों और स्थानीय बहादुर युवाओं ने अपनी गाड़ियों से पिकअप वैन का पीछा करना शुरू किया। आखिरकार करीब पांच किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद लोगों ने सिवान मोड़ के पास वैन को घेरकर रोका और वैन चला रहे धनबाद के धनसार (कुम्हार पट्टी) निवासी आरोपी चालक बलराम महतो को मौके पर ही दबोच लिया। आक्रोशित लोगों ने आरोपी चालक को तत्काल हरला थाना पुलिस के हवाले कर दिया। लेकिन इस त्रासदी के बाद हरला थाने में परिजनों और स्थानीय लोगों को भारी प्रशासनिक उदासीनता का सामना करना पड़ा, जिसके कारण वहां जमकर हंगामा हुआ। परिजनों का सीधा और गंभीर आरोप है कि हरला थाना पुलिस ने मामला सेक्टर-4 थाना क्षेत्र का बताते हुए और अपनी सीमा से बाहर का हवाला देकर न्यायोचित आवेदन लेने से साफ इंकार कर दिया, जबकि दुर्घटना में प्रयुक्त वाहन और आरोपी चालक दोनों ही उस वक्त हरला थाना पुलिस के ही प्रत्यक्ष कब्जे में थे।

वैन के नीचे घिसटने से अत्यंत गंभीर रूप से घायल और लहूलुहान हो चुके अंकुर कुमार को परिजनों ने तुरंत बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) में भर्ती कराया, जहां उसकी नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर रेफर कर दिया, बीच रास्ते ही मासूम की सांसें थम गईं। घटना के दूसरे दिन बुधवार को चौतरफा दबाव और आक्रोश को देखते हुए सेक्टर-4 थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और आरोपी चालक बलराम महतो के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

**रिश्तेदार की शादी में शामिल होने गिरिडीह से आया था परिवार-** इस भीषण सड़क हादसे में अपने इकलौते चिराग को खोने वाले अभागे पिता रितेश कुमार ने रोते हुए बताया कि वे मूल रूप से गिरिडीह जिले के राजधनवार के रहने वाले हैं और बोकारो में अपने एक करीबी रिश्तेदार की शादी के उत्सव में सपरिवार शामिल होने आए थे, लेकिन उन्हें क्या पता था कि यह शादी उनके जीवन का सबसे बड़ा मातम बन जाएगी। भरे गले से पिता ने कहा कि हादसे के तुरंत बाद यदि वैन चालक के भीतर थोड़ी भी इंसानियत होती और वह वाहन को वहीं रोक देता, तो उनके बच्चे की हालत इतनी भयावह नहीं होती और समय पर इलाज मिलने से उसकी जान निश्चित रूप से बच सकती थी। इस घटना ने पूरे बोकारो शहर को मर्माहत कर दिया है और लोग आरोपी के लिए फांसी की सजा की मांग कर रहे हैं।

## चितरपुर में चल रहा था सरसों तेल की रिपैकेजिंग का खेल, तभी दुकान पर पड़ गया छापा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**चितरपुरः** रामगढ़ जिले के रजरप्पा थाना क्षेत्र स्थित चितरपुर गांगी जमुनी में सरसों तेल की संदिग्ध रिपैकेजिंग के मामले का खुलासा हुआ है. फूड सेफ्टी विभाग ने बुधवार को एक जनरल स्टोर पर छापेमारी कर बड़ी मात्रा में रखे सरसों तेल और रिपैकेजिंग से जुड़े सामान की जांच की. कार्रवाई के दौरान दुकान में अफरा-तफरी मच गई. अधिकारियों ने मौके से सरसों तेल का नमूना संग्रहित कर प्रयोगशाला जांच के लिए भेज दिया है. रिपोर्ट आने के बाद विभाग नियमानुसार आगे की कार्रवाई करेगा.

**सूचना मिलने पर की गई संयुक्त कार्रवाई-** फूड सेफ्टी विभाग को सूचना मिली थी कि गांगी जमुनी स्थित आदर्श राज जनरल स्टोर में बड़े पैमाने पर सरसों तेल की रिपैकेजिंग की जा रही है. सूचना के आधार पर फूड सेफ्टी ऑफिसर डेरिक तिग्गा और लुकेश रब्बानी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे. कार्रवाई के दौरान रजरप्पा थाना के एसआई रंजीत महतो, अनिल सिंह और अशोक कुमार भी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे. अधिकारियों को दुकान पर पहुंचते देख वहां हड़कंप मच गया. इसके बाद टीम ने दुकान और गोदाम में रखे तेल के कार्टून, पैकेट और अन्य खाद्य सामग्री की गहन जांच की.

**बड़े पैक से छोटे पैकेटों में भरा जा रहा था तेल-** फूड सेफ्टी ऑफिसर डेरिक तिग्गा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में ऐसा प्रतीत हुआ कि बड़े पैक में मौजूद सरसों तेल को निकालकर दूसरे पैकेटों में भरने का काम किया जा रहा था. हालांकि, पूरे मामले की पुष्टि प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी. उन्होंने बताया कि मौके से सरसों तेल का नमूना लेकर लैब भेजा गया है. यदि जांच में खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन या किसी प्रकार की मिलावट सामने आती है तो संबंधित प्रतिष्ठान के खिलाफ खाद्य सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी.

**फूड सेफ्टी लाइसेंस नहीं मिलने पर जारी किया नोटिस-** निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि संबंधित प्रतिष्ठान के पास फूड सेफ्टी विभाग का वैध लाइसेंस भी नहीं है. इस पर विभाग ने दुकानदार को नोटिस जारी करते हुए 30 दिनों के भीतर लाइसेंस बनवाने का निर्देश दिया है. अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर लाइसेंस नहीं लेने पर जुर्माना लगाने के साथ अन्य कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी. छापेमारी के दौरान दुकान में रिपैकेजिंग मशीन और बड़ी मात्रा में तेल सहित अन्य खाद्य सामग्री के पैकेट भी मिले, जिनकी जांच जारी है.

**पलामू की घटना के बाद बढ़ी सतर्कता-** फूड सेफ्टी विभाग की यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब हाल ही में पलामू जिले में कथित तौर पर मिलावटी तेल के सेवन से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत का मामला सामने आया था. इस घटना के बाद खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर विभाग ने निगरानी बढ़ा दी है. इसी कड़ी में संदिग्ध रिपैकेजिंग और खाद्य सामग्री की बिक्री से जुड़ी सूचनाओं पर लगातार कार्रवाई की जा रही है, ताकि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ किसी प्रकार का खिलवाड़ न हो.

**बिचौलियों से सावधान रहने की अपील-** फूड सेफ्टी ऑफिसर डेरिक तिग्गा ने दुकानदारों से फूड लाइसेंस बनवाने के नाम पर सक्रिय बिचौलियों से सावधान रहने की अपील की. उन्होंने बताया कि विभाग को जानकारी मिली है कि कुछ लोग प्रशिक्षण (ट्रेनिंग) का प्रमाणपत्र दिखाकर उसे ही फूड लाइसेंस बताकर दुकानदारों से पैसे वसूल रहे हैं. उन्होंने स्पष्ट किया कि फूड सेफ्टी लाइसेंस केवल रामगढ़ सदर अस्पताल परिसर स्थित फूड एंड ड्रग भवन से ही जारी किया जाता है. दुकानदार किसी भी एजेंट या बिचौलिये के माध्यम से आवेदन करने के बजाय सीधे विभाग से संपर्क करें.

## मेहनत के बल पर सुप्रिया देवी बनी आत्मनिर्भर, बकरी पालन कर परिवार का चला रही हैं जीविकापार्जन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः जितेंद्र कुमार

**गोलाः** रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड के अंतर्गत चोकाद पंचायत के चोपदारू गांव की निवासी सुप्रिया देवी (पति प्रकाश महतो) अपने पति और बच्चों के साथ रहती हैं। भले ही सुप्रिया देवी के चेहरे पर एक आत्मविश्वास भरी मुस्कान दिखाई देती है, लेकिन कुछ साल पहले तक उनका जीवन ऐसा बिल्कुल नहीं था। समूह से जुड़ने से पहले उनके घर की आर्थिक स्थिति बेहद दयनीय और चिंताजनक थी। परिवार की आय का कोई निश्चित साधन नहीं था, जिसके कारण रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना भी एक बड़ी चुनौती बन गया था। इन आर्थिक तंगियों के बीच सुप्रिया देवी का जीवन घर की चारदीवारी तक ही सीमित था। उन्हें समाज में बाहर निकलने, लोगों से बात करने या किसी सामाजिक गतिविधि में भाग लेने का कोई अवसर नहीं मिलता था। एक घनी निराशा ने उनके पूरे परिवार को घेर रखा था।

सुप्रिया देवी के गांव चोपदारू में साल 2007 से ही स्वयं सहायता समूहों की शुरुआत हो चुकी थी, लेकिन उनके जीवन में असली बदलाव का मोड़ साल 2016 में आया। उस समय 'झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के तहत एक विशेष अभियान (ड्राइव) चलाया जा रहा था, जिसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना था। इसी अभियान से प्रेरित होकर सुप्रिया देवी ने भी कदम आगे बढ़ाया और दिनांक 07-02-2016 को गठित 'राधा महिला मंडल' से जुडी। इस समूह में कुल 13 सक्रिय सदस्य शामिल है। सुप्रिया देवी ने तय किया कि वह हर सप्ताह 10 रुपये की छोटी सी बचत करेंगी। यह 10 रुपये की साप्ताहिक बचत केवल पैसों का संचय नहीं था, बल्कि सुप्रिया देवी और उनके जैसी कई महिलाओं के सुनहरे भविष्य की मजबूत नींव थी।

समूह में जुड़ने के बाद सुप्रिया देवी ने धीरे-धीरे बैंकिंग और पैसों के लेन-देन को समझना शुरू किया। जब उनका आत्मविश्वास बढ़ा, तो उन्होंने अपने परिवार को गरीबी के दलदल से बाहर निकालने के लिए एक व्यवसाय शुरू करने की योजना बनाई। उन्होंने इसके लिए अपने समूह में 20,000 रुपये के ऋण का प्रस्ताव रखा। समूह के नियमों और आपसी सहमति के आधार पर उन्हें पहली बार में 10,000 रुपये का ऋण मंजूर हुआ। सुप्रिया देवी ने इस राशि को व्यर्थ नहीं जाने दिया। उन्होंने इस पैसे से बकरी पालन का काम शुरू किया जिसमे एक बकरा और दो बकरियां खरीदी और साथ ही कृषि कार्यों में भी हाथ बंटाना शुरु किया। जेएसएलपीएस के मार्गदर्शन में उन्होंने इस व्यवसाय को सही तरीके से संभालना सीखा।

बकरी पालन और खेती के क्षेत्र में सुप्रिया देवी की कड़ी मेहनत रंग लाने लगी। उनके द्वारा पाले गए बकरों और बकरियों की बाजार में अच्छी मांग होने लगी, जिससे उन्हें नियमित रूप से आमदनी होने लगी। आज सुप्रिया देवी के पास वर्तमान में 16 बकरियां है। अब वह हर महीने बकरी पालन और सब्जी खेती (बोदी, मिर्चा, आलू, बैंगन) से 5,000 से 7,000 रुपये तक की शुद्ध कमाई आसानी से कर लेती हैं। अगर सालाना मुनाफे की बात की जाए, तो वह हर साल कम से कम 80,000 रुपये तक की आय हो रही हैं। इस अच्छी आमदनी ने उनके घर की तस्वीर को पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने धीरे-धीरे अपने व्यवसाय की पूँजी को बढ़ाया और घर की तमाम आर्थिक समस्याओं को दूर किया। इस वित्तीय स्वतंत्रता का सबसे बड़ा लाभउनके बच्चों को मिला; अब उनके बच्चों का पालन-पोषण अच्छे से हो रहा है और वे एक अच्छे स्कूल में

गुणवतापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इसके साथ ही, सुप्रिया देवी अब अपने भविष्य के लिए बचत भी कर पा रही हैं।

सुप्रिया देवी की यह यात्रा केवल आर्थिक सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनके मानसिक और सामाजिक सशक्तिकरण की भी कहानी है। जो महिला कभी घर से बाहर निकलने में झिझकती थी, आज वह अपने परिवार की मुख्य आर्थिक रीढ़ बन चुकी है। आगे के रास्ते के लिए उनकी योजनाएं और भी बड़ी हैं। उनका सपना है कि वे आने वाले समय में अपने इस बकरी पालन और कृषि के व्यवसाय को और बड़े पैमाने पर (लार्ज स्केल) ले जाएँ, ताकि वे अपने परिवार को एक बेहद सुरक्षित और समृद्ध जीवन दे सकें। अपनी इस अद्भुत और प्रेरणादायक सफलता के लिए सुप्रिया देवी जेएसएलपीएस को दिल से धन्यवाद देती हैं, जिसने उन्हें और उनके जैसे लाखों ग्रामीण महिलाओं को अंधेरे से निकालकर आत्मनिर्भर पर खड़ा किया है।

## 11 डिसमिल जमीन के ल'फड़े में मा'रे गये सब-रजिस्ट्रार, 24 घंटे में सात गि'रफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**मांडूः** 11 डिसमिल जमीन के लफड़े ने एक परिवार का सहारा छीन लिया। गिरिडीह में पोस्टेड सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की पीट-पीटकर हत्या मामले का मांडू पुलिस ने 24 घंटे के अंदर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल में भेज दिया है। हत्या में इस्तेमाल किए गए खून लगे ईंट के टुकड़े और बांस के डंडे को भी पुलिस ने बरामद किया है। रामगढ़ एसपी मुकेश लुनायत ने मीडिया को बताया कि 30 जून की सुबह करीब 8:40 बजे मांडू थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि जमीन विवाद को लेकर कुछ लोग एक व्यक्ति के साथ मारपीट कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल बालेश्वर पटेल को इलाज के लिए रामगढ़ स्थित दी होप हॉस्पिटल पहुंचाया गया। लेकिन इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया

**पत्नी के आवेदन पर दर्ज हुई प्राथमिकी-** मृतक बालेश्वर पटेल की पत्नी के आवेदन पर मांडू थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी मुकेश लुनायत के निर्देश पर रामगढ़ एसडीपीओ के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई। टीम ने घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, स्थानीय लोगों से पूछताछ और घटना से जुड़े वीडियो फुटेज की जांच शुरू की। पुलिस की लगातार छापेमारी और जांच के बाद घटना में शामिल सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, इस मामले में कुल 10 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इनमें सात लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। एक आरोपी अभी फरार है, जबकि दो लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की कार्रवाई जारी है। पुलिस जांच में सामने आया है कि हत्या के पीछे 11 डिसमिल जमीन का विवाद मुख्य वजह थी। इसी विवाद को लेकर आरोपियों ने बालेश्वर पटेल के साथ मारपीट की, जिसमें उनकी मौत हो गई। मामले की जांच में रांची से एफएसएल टीम को बुलाया गया था। एफएसएल टीम ने घटनास्थल से कई महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। इसके अलावा पुलिस ने घटना से जुड़े वीडियो फुटेज को भी खंगाला, जिससे आरोपियों की पहचान करने में मदद मिली।

**गिरफ्तार आरोपियों में परिवार के कई सदस्य शामिल-** पुलिस ने जिन सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उनमें संतोष कुमार साव उर्फ पम्पम (35 वर्ष), पिता रामू साव, रामू साव उर्फ ज्ञानी (72 वर्ष), पिता स्वर्गीय चंदन साव, शकुंतला देवी (60 वर्ष), पति रामू साव और रूबी कुमारी, पति संतोष कुमार साव शामिल हैं। ये सभी हुवाग गांव, थाना मांडू, जिला रामगढ़ के रहने वाले हैं। इसके अलावा विनय कुमार (24 वर्ष), पिता नंदू प्रसाद, ग्राम पत्थरा, थाना मयूरहंड, जिला चतरा, पूजा कुमारी (36 वर्ष), पति संदीप कुमार, सुभाष कॉलोनी मानगो, जमशेदपुर और लक्ष्मी देवी उर्फ डोली कुमारी (25 वर्ष), पति बसंत अग्रवाल, बगदारा कानाटॉड़, थाना राजगंज, धनबाद को भी गिरफ्तार किया गया है।

**इन पुलिस अधिकारियों की टीम ने किया खुलासा-** मामले के उद्भेदन में मांडू के सर्किल इंस्पेक्टर रजत कुमार, मांडू थानेदार सदानंद कुमार, वेस्ट बोकारो ओपी प्रभारी दीपक कुमार, कुजू ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह, मांडू थाना के एएसआई राम महली, दामोदर राम सहित अन्य पुलिस जवानों की भूमिका रही। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159



## संक्षिप्त समाचार

### बीमा कर्मचारी संघ की बोकारो इकाई ने मनाया संघ का 76वां स्थापना दिवस

**बोकारो :** बीमा कर्मचारी संघ हजारीबाग मंडल की बोकारो इकाई द्वारा भारतीय बीमा कर्मचारी संघ (एआईआईईए) का 76वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ऑल इंडिया इंश्योरेंस एम्प्लॉईज एसोसिएशन के गौरवशाली इतिहास और उसकी गौरवमयी यात्रा को रेखांकित किया गया।

समारोह की शुरुआत करते हुए अध्यक्ष तरुण कुमार ने सांगठनिक एकजुटता के प्रतीक एआईआईईए के ध्वज का ध्वजारोहण किया। इस ऐतिहासिक दिन को यादगार बनाने के उद्देश्य से मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल परिसर में विभिन्न प्रकार के फलदार पौधों का वृक्षारोपण भी किया गया।

स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए संयुक्त सचिव दिलीप कुमार झा ने कहा कि एआईआईईए ने अपने शानदार सफर के 75 वर्ष पूरे कर 76वें वर्ष में कदम रख दिया है। उन्होंने गुजरे समय को याद करते हुए कहा कि कठिन और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी संगठन ने जो सफलताएं हासिल की हैं, उस पर हर बीमा कर्मचारी को गर्व है। उन्होंने संगठन की सतत सफलताओं का श्रेय कर्मचारियों की अटूट एकता, संघर्षों के बीच विकसित हुई वैचारिक समझ और एआईआईईए के प्रति उनकी निष्ठा को दिया। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक अमित ठाकुर, विकास अधिकारी बबलू झा और लियाफी के सचिव नवल किशोर राय ने भी अपने विचार साझा किए और संगठन की मजबूती पर बल दिया।

इस पूरे आयोजन को सफल और उद्देश्यपूर्ण बनाने में संयुक्त सचिव सुशील कुमार सिंह, सांगठनिक सचिव राकेश चंद्र शर्मा, संत प्रकाश मेहता, अजय कुमार, राजेश कुमार सिंह, विनोद कुमार, राज कुमार, गोविंद मांझी, निताई बनर्जी, राजेश कुमार चौधरी, संजीव मोहन, शांता सिंह, विचित्रा, मोहन कुमार, संजय कुमार और नवीन कुमार सिंह सहित शाखा के कई अधिकारियों, विकास अधिकारियों और बीमा कर्मियों ने सक्रिय योगदान दिया।

### वेदांता आयरन एंड स्टील लिमिटेड का प्रोजेक्ट आरोग्य स्वास्थ्य सेवाओं को बना रहा सुलभ, 2.3 लाख से अधिक लोगों को मिला लाभ

**बोकारो :** राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर डॉक्टरों और अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मियों के असाधारण समर्पण को नमन करते हुए वेदांता आयरन एंड स्टील लिमिटेड (वीआईएसएल) ने ग्रामीण व वंचित समुदायों के स्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। कंपनी अपने प्रोजेक्ट आरोग्य के माध्यम से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं किफायती प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। वित्त वर्ष 2024 से अब तक इस परियोजना के माध्यम से झारखंड, गोवा, कर्नाटक, ओडिशा, महाराष्ट्र और गुजरात में कंपनी के परिचालन क्षेत्रों के 2.3 लाख से अधिक लोगों को लाभ मिला है। साथ ही कंपनी के कर्मचारियों और व्यावसायिक साझेदारों ने स्वेच्छा से 3,500 से अधिक यूनिट रक्तदान कर जीवनरक्षक सेवाओं में योगदान दिया है।

ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक रवीश शर्मा ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक लोगों की पहुंच सुनिश्चित करना स्वस्थ और सशक्त समुदायों के निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है। प्रोजेक्ट आरोग्य के तहत संचालित मोबाइल हेल्थ यूनिट, स्वास्थ्य शिविर और निवारक पहल ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा की उपलब्धता बढ़ाने के साथ-साथ जागरूकता भी सशक्त कर रही हैं। उन्होंने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्य कर्मियों की निस्वार्थ सेवा के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

परियोजना के लाभार्थी अलकुशा (कासी टोला) निवासी अजय कुमार महतो ने गांव में ही निःशुल्क जांच और दवाइयां मिलने पर वेदांता की इस पहल की सराहना की। इस अभियान की मुख्य कड़ी मोबाइल हेल्थ यूनिट प्रशिक्षित डॉक्टरों और जांच सुविधाओं से लैस है, जो बोकारो में ईएसएल स्टील लिमिटेड के संयंत्र के आसपास के 27 गांवों में नियमित सेवाएं दे रही है। इसके अलावा कंपनी मेगा हेल्थ कैंप, विशेष स्त्री रोग शिविर और मासिक धर्म स्वच्छता कार्यक्रमों का भी संचालन कर रही है।

### मुकेश अग्रवाल बने चास रोटरी के अध्यक्ष व विनोद चोपड़ा सचिव

**बोकारो :** रोटरी क्लब ऑफ चास के आगामी सत्र (2026-27) के लिए नए पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया है, जिसमें मुकेश अग्रवाल को अध्यक्ष और विनोद चोपड़ा को सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही नरेंद्र सिंह को क्लब का अगला कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। नए पदाधिकारियों ने 1 जुलाई 2026 से अपना कार्यभार संभाल लिया है। क्लब के सदस्यों ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए विश्वास जताया कि उनके कुशल नेतृत्व में क्लब सामाजिक सेवा और जनहित के कार्यों को एक नई दिशा प्रदान करेगा।

अपनी नियुक्ति पर नवनियुक्त अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए कहा कि आगामी सत्र में क्लब शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और विभिन्न सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों को प्रमुखता देगा। वहीं नए सचिव विनोद चोपड़ा ने सभी सदस्यों के सक्रिय सहयोग से क्लब की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी व कल्याणकारी बनाने की बात कही। इस अवसर पर क्लब के वरिष्ठ सदस्यों ने तीनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए आगामी सत्र के सफल संचालन के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

# डीपीएस चास में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की एक दिवसीय मोबाइल पुस्तक प्रदर्शनी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो :** विद्यार्थियों में पुस्तकों के प्रति रुचि जागृत करने, नियमित अध्ययन की आदत विकसित करने तथा ज्ञान के व्यापक संसार से परिचित कराने के उद्देश्य से दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), चास में बुधवार को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) द्वारा एक दिवसीय मोबाइल पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस प्रदर्शनी में बच्चों, किशोरों एवं शिक्षकों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए हिंदी, अंग्रेज़ी तथा अन्य भारतीय भाषाओं की सैकड़ों उत्कृष्ट पुस्तकें उपलब्ध थीं। इनमें बाल साहित्य, प्रेरक जीवनियां, विज्ञान, पर्यावरण, इतिहास, भारतीय संस्कृति, साहित्य, सामान्य ज्ञान, व्यक्तित्व विकास, नैतिक शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें शामिल थीं।

विशेष आकर्षण के रूप में प्रदर्शनी में उपलब्ध सभी पुस्तकों पर 10 प्रतिशत की विशेष छूट भी प्रदान की गई थी। विद्यालय की निदेशिका सह प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी ने कहा कि आज के डिजिटल युग में भी पुस्तकों का महत्व कभी कम नहीं हो सकता। पुस्तकें विद्यार्थियों में कल्पनाशीलता, रचनात्मक सोच, भाषा दक्षता तथा तार्किक दृष्टिकोण का विकास करती हैं। यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों के ज्ञान-विस्तार तथा साहित्यिक अभिरुचि को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। इस अवसर पर अपने संदेश में विद्यालय के प्रो वाइस चेयरमैन राजेश अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय पुस्तक न्यास जैसी प्रतिष्ठित संस्था द्वारा आयोजित यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों से आगे बढ़कर विविध विषयों का अध्ययन करने के लिए प्रेरित करेगी। वहीं डीपीएस मेमोरियल सोसायटी के सचिव सुरेश अग्रवाल ने सभी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से इस अवसर का लाभ उठाने का आग्रह करते हुए कहा कि एक अच्छी पुस्तक जीवन की दिशा बदलने की क्षमता रखती है और पढ़ने की आदत ही बच्चों को जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देती है।

# बोकारोः छह घंटे की तलाश के बाद सकुशल मिली लापता छह वर्षीय बच्ची

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो।** चास के आजाद नगर (माराफारी/बांसगोड़ा क्षेत्र) से लापता हुई छह वर्षीय बच्ची राधा उर्फ आराध्या को बोकारो पुलिस ने करीब छह घंटे की तलाश के बाद सकुशल बरामद कर लिया। बच्ची के मिलने से परिजनों ने राहत की सांस ली।

पुलिस के अनुसार, बच्ची के लापता होने की सूचना मिलते ही छह विशेष टीमें गठित कर सीसीटीवी फुटेज की जांच, तकनीकी विश्लेषण और जिले के विभिन्न मार्गों पर सघन जांच अभियान चलाया गया।

प्रारंभिक जांच में पता चला कि बच्ची अपने ही घर में एक बक्से के पीछे रजाई से ढंककर छिपी हुई थी। पुलिस ने उसे सुरक्षित बरामद कर लिया है। मामले की पूरी जानकारी के लिए बच्ची से अलग से पूछताछ की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि बच्ची बुधवार सुबह अपने घर के पास खेलते समय लापता हो गई थी, जिसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से बच्ची सुरक्षित मिल गई।

# सोशल मीडिया पर मिली सूचना पर तत्काल सक्रिय हुआ जिला प्रशासन, बुजुर्ग लोबिन हेंब्रम के घर पहुंचीं बीडीओ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देश पर कसमार बीडीओ श्रीमती नम्रता जोशी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तेलमुंगा गांव निवासी बुजुर्ग लोबिन हेंब्रम के घर जाकर जांच की। सोशल मीडिया (एक्स) पर लोबिन हेंब्रम एवं उनके दिव्यांग पुत्र कालिदास हेंब्रम को पेंशन नहीं मिलने की जानकारी सामने आते ही उपायुक्त ने मामले को गंभीरता से लिया था। बीडीओ ने पंचायत के मुखिया, पंचायत सचिव एवं वार्ड सदस्य के साथ लोबिन हेंब्रम के आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की, समस्याएं सुनीं और उपलब्ध दस्तावेजों का सत्यापन किया।

जांच के दौरान पाया गया कि लोबिन हेंब्रम की आयु मतदाता पहचान पत्र के अनुसार 52 वर्ष है और जाति प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं होने के कारण उनकी पेंशन की प्रक्रिया लंबित थी। मौके पर ही पंचायत सचिव के माध्यम से उनका जाति प्रमाण पत्र ऑनलाइन आवेदन कराया गया, ताकि पेंशन स्वीकृति की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके। इसके साथ ही सुकुरमनी देवी के दस्तावेजों का भी सत्यापन किया गया, जिनकी आयु मतदाता पहचान पत्र के अनुसार 49 वर्ष पाई गई। नियमानुसार उनकी पात्रता के अनुरूप आगे की कार्रवाई की जा रही है।

लाभुकों की मदद के लिए लोबिन हेंब्रम के दिव्यांग पुत्र कालिदास हेंब्रम के लिए बैटरी चालित ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने हेतु भी आवेदन प्राप्त कर लिया गया है, जिसे आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को भेज दिया गया है। मामले पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहे। सोशल मीडिया सहित किसी भी माध्यम से सूचना प्राप्त होने पर प्रशासन पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जाए।

# डॉक्टर्स डे पर रोटरी क्लब चास ने 22 चिकित्सकों को किया सम्मानित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो :** राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर बुधवार को रोटरी क्लब चास द्वारा मेडिकेंट हॉस्पिटल परिसर में एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं समर्पित सेवाएं प्रदान करने वाले 22 चिकित्सकों को प्रशस्ति पत्र एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने चिकित्सकों को समाज के लिए भगवान का दूसरा रूप बताते हुए कहा कि वे अपने ज्ञान, सेवा और समर्पण से लोगों को नया जीवन देते हैं। विशिष्ट अतिथि नीना नारायण ने डॉक्टरों के कार्य की तुलना सैनिकों से की, जो सदैव हमारी रक्षा में लगे रहते हैं।

रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने डॉक्टरों की निस्वार्थ सेवा और मानवीय संवेदनाओं को स्वस्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण बताया, जबकि सचिव विनोद चोपड़ा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम जारी रखने की बात कही। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. श्रवण कुमार के अनुसार यह दिवस चिकित्सकों के योगदान को सम्मान देने का एक बड़ा अवसर है।

इस अवसर पर आयुर्वेदिक डॉक्टर यशस्विनी के साथ-साथ मेडिकेंट के डॉ. पीके नायक, डॉ. पी पुष्कर, डॉ. राहुल राज, डॉ. अमित कुमार, डॉ. जी शाहा, डॉ. शिव शंकर, डॉ. जफर इकबाल, डॉ. फरहान रोजाना, डॉ. पी वर्धन, डॉ. आलोक कुमार, डॉ. अमित कुमार, डॉ. विवेक कुमार, डॉ. विशाल मिश्रा, डॉ. चंदन सेठ, डॉ. रवि रंजन, डॉ. नम्रता सिंह, डॉ. श्रवण कुमार, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. सुमन कुमार और डॉ. पुष्पा कुमारी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संजय बैद, कुमार अमरदीप, विपिन अग्रवाल, विनय सिंह, पूजा बैद, ललिता चोपड़ा, संजय रस्तोगी और चिकित्सा जगत से जुड़े अनेक लोग उपस्थित रहे।

# ओएनजीसी बोकारो में स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ, नुक्कड़ नाटक और सफाई अभियान से दिया जागरूकता का संदेश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो :** ओएनजीसी सीबीएम परिसंपत्ति बोकारो में 1 जुलाई से 15 जुलाई 2026 तक चलने वाले स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। इस विशेष अभियान का उद्घाटन परिसंपत्ति प्रबंधक राजीव कुमार सिन्हा द्वारा किया गया, जिन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मौजूद सभी कार्मिकों ने उनके पीछे शपथ को दोहराते हुए अपने दैनिक जीवन और कार्यस्थल पर स्वच्छता बनाए रखने का दृढ़ संकल्प लिया।

उद्घाटन समारोह के बाद पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए परिसंपत्ति प्रबंधक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा परिसर में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया गया। इस दौरान अधिकारियों ने पौधे लगाकर समाज को पर्यावरण के प्रति जागरूक होने का संदेश दिया। आम जनमानस और कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से कार्यालय परिसर में कई रचनात्मक गतिविधियां भी आयोजित की गईं, जिनमें स्वच्छता आधारित नुक्कड़ नाटक की जीवंत प्रस्तुति मुख्य आकर्षण रही। इसके साथ ही अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलकर सफाई अभियान चलाया तथा इस अभियान को यादगार बनाने के लिए विशेष सेल्फी और हस्ताक्षर अभियान में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत ओएनजीसी सीबीएम परिसंपत्ति बोकारो द्वारा 1 जुलाई से 15 जुलाई तक यह अभियान केवल कार्यालय परिसर तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ओएनजीसी के परिचालन क्षेत्र में आने वाले विभिन्न ग्रामीण और सार्वजनिक क्षेत्रों में भी अनवरत चलाया जाएगा। इसके अंतर्गत क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों, गांवों, स्थानीय बाजारों और अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता आधारित जागरूकता कार्यक्रम और सफाई अभियान आयोजित किए जाएंगे।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में ओएनजीसी के वरिष्ठ नेतृत्व और कर्मचारियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रमुख-अभियांत्रिक सेवाएं एम के राय, प्रमुख-मानव संसाधन दयानंद कालुंदिया, सरफेस प्रबंधक बिपिन प्रसाद, असेट सपोर्ट मैनेजर सुश्री अनिता यादव, प्रमुख वित्त सेवाएं अक्षय कुमार और प्रभारी सीएसआर सुश्री डॉली कुमारी सहित सभी प्रभागों के विभाग प्रमुख, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

# कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए 32 छात्राओं ने दिया साक्षात्कार

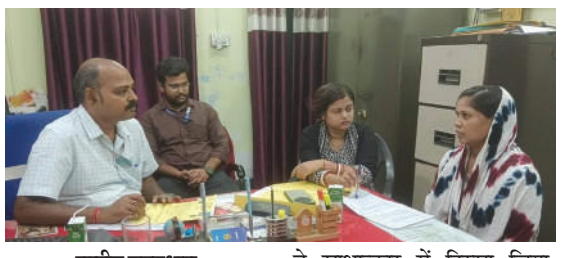

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो थर्मल :** बोकारो थर्मल डीवीसी सीएसआर द्वारा संचालित कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र के 22वें बैच में प्रवेश के लिए बुधवार को छात्राओं का साक्षात्कार आयोजित किया गया। सीएसआर के वरीय प्रबंधक मनीष कुमार चौधरी के नेतृत्व में आयोजित इस प्रक्रिया में सीएसआर टीम के अंकित राज, सुष्मिता बरनवाल और भैरव महतो भी शामिल रहे।

प्रशिक्षण के लिए प्राप्त कुल 40 आवेदनों में से 32 छात्राओं ने साक्षात्कार में हिस्सा लिया, जिनका चयन मैट्रिक की शैक्षणिक योग्यता, प्रमाण-पत्रों और निर्धारित मानदंडों के आधार पर किया गया। इस चयन प्रक्रिया में केंद्र से 10 किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों की युवतियों को प्राथमिकता दी गई। गौरतलब है कि केंद्र अब तक सफलतापूर्वक 21 बैच संचालित कर चुका है और इसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय युवतियों को कंप्यूटर शिक्षा के जरिए डिजिटल रूप से सशक्त बनाकर रोजगार व स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करना है।

# चिन्मय विद्यालय में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस और सीए दिवस पर भव्य कार्यक्रम, दिग्गज हस्तियों ने विद्यार्थियों को दी सफलता की सीख

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो :** चिन्मय विद्यालय बोकारो में बुधवार को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस और चार्टर्ड एकाउंटेंट्स दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चिकित्सा और वित्त जगत के दिग्गज व्यक्तित्वों ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए उनके भविष्य के आयामों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि वेलमार्क अस्पताल के चेयरमैन डॉ. सतीश कुमार, बीजीएच बोकारो के सीएमओ डॉ. अनिंदा मंडल, दंता अस्पताल की निदेशक डॉ. मनीषा सिन्हा, डॉ. अभय कुमार सिन्हा और लाइफ लाइन अस्पताल के निदेशक डॉ. राकेश कुमार उपस्थित रहे। वहीं फाइनेंस सेक्टर से बोकारो स्टील प्लांट के सीजीएम (फाइनेंस) निर्मल कुमार और सीए आरपी गोयनका ने शिरकत की। विद्यालय प्रबंधन की ओर से सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा, वरीय उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार और उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के चिकित्सा विभाग की श्रीमती रागिनी कुमारी ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को दोनों दिवसों के महत्व और अतिथियों के योगदान से परिचित कराया। प्राचार्य श्री शर्मा ने अतिथियों का आभार जताते हुए विद्यार्थियों को सफल व्यक्तित्वों के कठिन परिश्रम से प्रेरणा लेकर उसे जीवन में आत्मसात करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि चिकित्सा और वित्त क्षेत्र के योगदान से ही देश विकास के पथ पर अग्रसर है।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. सतीश कुमार ने कहा कि किसी भी प्रतियोगिता की तैयारी से पहले अपनी जड़ें मजबूत करें, जिसका आधार विद्यालय की शिक्षा है। उन्होंने विद्यार्थियों में हमदर्दी और सहानुभूति की भावना होने पर जोर दिया। डॉ. अनिंदा मंडल, डॉ. मनीषा सिन्हा और डॉ. अभय कुमार सिन्हा ने अपने अनुभव साझा करते हुए चिकित्सा को समाज की सबसे बड़ी सेवा बताया, जिससे दूसरों के चेहरे पर खुशी आती है। डॉ. राकेश कुमार ने विद्यार्थियों को चिकित्सा के क्षेत्र में भविष्य संवारने के लिए प्रेरित करते हुए डॉ. बिधान चंद्र रॉय के आदर्श जीवन को याद किया।

वित्त के विषय पर चर्चा करते हुए बीएसएल के सीजीएम निर्मल कुमार ने विद्यार्थियों के सवालों के जवाब दिए और कहा कि हर कार्यक्षेत्र में वित्त की आवश्यकता होती है, जिससे इस सेक्टर में असीम संभावनाएं हैं। सीए आरपी गोयनका ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि विद्यालय जीवन में की गई कड़ी मेहनत का फल भविष्य में अवश्य मिलता है। कार्यक्रम के अंत में वरीय उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

# बोकारो थर्मल स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का घोर अभाव, अंधेरा ढलते ही प्लेटफार्म नंबर दो बनता है नशेड़ियों का अड्डा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो थर्मल :** धनबाद रेल मंडल अंतर्गत बोकारो थर्मल रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव बना हुआ है, जिससे यहां आने-जाने वाले रेल यात्रियों, खासकर महिलाओं और बुजुर्गों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। स्थानीय स्टेशन पर महिला यात्रियों के लिए सुचारू शौचालय की व्यवस्था न होने से स्थिति बेहद चिंताजनक है। स्टेशन परिसर स्थित बुकिंग काउंटर के समीप बना शौचालय हमेशा बंद रहता है, जबकि प्लेटफार्म पर बने महिला एवं पुरुष शौचालय के दरवाजे असामाजिक तत्वों द्वारा तोड़ दिए गए हैं। स्थिति यह है कि पुरुष शौचालय में हर तरफ गंदगी का अंबार लगा हुआ है, जिससे स्टेशन पर दुर्गंध फैली रहती है।

इसके साथ ही, पूरे प्लेटफार्म पर आवागमन के लिए एकमात्र ओवरब्रिज उपलब्ध है, जिसमें रैंप की सुविधा नहीं होने के कारण वरिष्ठ नागरिकों, मरीजों और महिला यात्रियों को एक से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने में भारी मशक्कत करनी पड़ती है। यात्री सुविधाओं के नाम पर स्टेशन पर लगाए गए आधुनिक उपकरण भी रखरखाव के अभाव में बेकार साबित हो रहे हैं। प्लेटफार्म पर ट्रेनों के ठहराव और उनके डिब्बों की सही स्थिति बताने के लिए लगाया गया कोच इंडिकेटर सिस्टम काम नहीं कर रहा है, जो यात्रियों के लिए महज हाथी का दांत बनकर रह गया है।

इसके अलावा, स्टेशन के दो नंबर प्लेटफार्म की लंबाई कम होने के कारण एक बड़ी तकनीकी समस्या खड़ी हो गई है। जब भी कोई एक्सप्रेस ट्रेन यहां रुकती है, तो उसके चार से पांच कोच प्लेटफार्म से बाहर अंधेरे में खड़े रह जाते हैं, जिससे यात्रियों को नीचे उतरने और चढ़ने में अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ती है। इसी प्लेटफार्म पर पर्याप्त लाइट की व्यवस्था न होने के कारण शाम ढलते ही प्लेटफार्म अंधेरे में डूब जाता है। इस व्यवस्थागत खामी का फायदा उठाकर असामाजिक तत्व, शराबी और नशेड़ी रात के समय यहां बेखौफ होकर शराब, गांजा और सिगरेट का सेवन करते हैं, जिससे आम यात्रियों की सुरक्षा पूरी तरह भगवान भरोसे नजर आती है। मामले को लेकर स्टेशन मैनेजर शैलेश कुमार का कहना था कि असामाजिक तत्वों के द्वारा प्लेटफार्म का दोनों शौचालय क्षतिग्रस्त कर दिया जाता है। जरूरत पड़ने पर महिलाएं वेटिंग रूम के शौचालय का उपयोग करती हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159



## रोटरी क्लब ऑफ धनबाद ने सेवा और जनकल्याण के कार्यक्रमों के साथ मनाया 80वां स्थापना वर्ष

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

**धनबादः** रोटरी क्लब ऑफ धनबाद ने अपने 80वें स्थापना वर्ष एवं रोटरी वर्ष 2026-27 का शुभारंभ सेवा, स्वास्थ्य और जनजागरूकता को समर्पित विभिन्न कार्यक्रमों के साथ उत्साहपूर्वक किया। इस अवसर पर रोटरी क्लब (बिहार-झारखंड) की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर 2026-27 अनु नारंग ने औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण किया।

कार्यक्रम के तहत रोटरी क्लब ऑफ धनबाद ने आईसीएआई, धनबाद के सहयोग से विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इसके साथ ही आम लोगों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया, जिसमें ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, वजन, ईसीजी, स्पाइरोमेट्री (फेफड़ों की जांच) तथा बॉडी कंपोजिशन स्कैनिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

डॉक्टर्स डे के अवसर पर चिकित्सकों तथा सीए डे के उपलक्ष्य में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

सामाजिक सरोकारों के तहत अन्नपूर्णा कार्यक्रम के माध्यम से जरूरतमंद लोगों के बीच भोजन वितरित किया गया। वहीं, दिव्यांगजनों को दो व्हीलचेयर प्रदान की गईं। कार्यक्रम में जीवनरक्षक तकनीक सीपीआर (CPR) का प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया तथा नेत्रदान जागरूकता अभियान के माध्यम से लोगों को नेत्रदान के महत्व की जानकारी दी गई।

रोटरी क्लब ऑफ धनबाद के नए सत्र के पदाधिकारियों में अध्यक्ष कनव बाली, सचिव राघव आर्या तथा कोषाध्यक्ष हरमनदीप चोपड़ा ने कार्यभार संभाला। सभी पदाधिकारियों ने समाज सेवा, स्वास्थ्य, शिक्षा और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए रोटरी की सेवा परंपरा को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में क्लब के सदस्यों, गणमान्य नागरिकों तथा विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी रही। रोटरी क्लब ऑफ धनबाद ने नए रोटरी वर्ष की शुरुआत समाजहित में सेवा और समर्पण के संकल्प के साथ की।

# धनबाद सदर अस्पताल के एमएनसीयू ने सीवियर नियोनेटल सेप्सिस से पीड़ित नवजात को दिया नया जीवन

» एमएनसीयू के चिकित्सक मेरे लिए भगवान हैः अन्नु कुमारी

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

**धनबादः** धनबाद सदर अस्पताल के मदर न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एमएनसीयू) के चिकित्सक एवं सभी कर्मी मेरे लिए भगवान के समान है। इन्होंने इलाज कर मेरे जीगर के टुकड़े को नया जीवन दिया है। यह भावुक उद्गार देवघर से धनबाद के एमएनसीयू में अपने नवजात बच्चे का इलाज कराने आईं अन्नु कुमारी ने व्यक्त किए।

दरअसल, अन्नु कुमारी और किशोर कुमार साव के नवजात शिशु, सीवियर नियोनेटल सेप्सिस नामक गंभीर बीमारी से पीड़ित था। परिजनों ने इलाज के लिए 16 जून को जमुई से देवघर आकर अपने नवजात शिशु को एक अस्पताल में भर्ती कराया था।

22 जून की रात देवघर के अस्पताल के डॉक्टरों ने जवाब दे दिया। उन्होंने बच्चे को किसी बेहतर अस्पताल में ले जाने की सलाह दी। अन्नु कुमारी ने कहा कि उन्होंने धनबाद के सदर अस्पताल में बेहतरीन इलाज के बारे में बहुत कुछ सुना था। इसलिए बिना कोई देरी किए और समय गंवाए, पूरी आशा और विश्वास के साथ वह अपने बच्चे को लेकर धनबाद सदर अस्पताल के एमएनसीयू पहुंची।

यहां जांचोपरांत बच्चे के रक्त में इंफेक्शन बताया गया। सारी जांच कराने के बाद रिपोर्ट आ गई और डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया। मुझे विश्वास ही नहीं था कि मेरा नवजात बच पाएगा। तीन चार दिन के इलाज के बाद मेरे बच्चे की स्थिति में सुधार होते नजर आया। इससे उम्मीद की एक किरण जागी।

अन्नु कुमारी ने बताया कि एक सप्ताह के इलाज के बाद मेरे बच्चे की स्थिति पहले से बहुत बेहतर है। यहां के डॉक्टर और नर्स मेरे लिए भगवान के समान है। इन्होंने मेरे बच्चे को नया जीवन दिया है। इसके लिए

मैं झारखंड के माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन, धनबाद के उपायुक्त श्री आदित्य रंजन और अस्पताल के सभी डॉक्टर एवं कर्मियों को धन्यवाद करती हूं।

वहीं एमएनसीयू के प्रभारी डॉ.जितेंद्र कुमार ने बताया कि शिशु सीवियर नियोनेटल सेप्सिस से पीड़ित था। यह नवजात शिशुओं में होने वाला एक जानलेवा रक्त संक्रमण है। यह स्थिति 28 दिन या उससे कम उम्र के बच्चों में होती है, जो मुख्य रूप से बैक्टीरिया के कारण फैलती है। यह एक मेडिकल इमरजेंसी है। इसमें तुरंत अस्पताल में भर्ती करके एंटीबायोटिक थेरेपी और गहन चिकित्सा की आवश्यकता होती है।

बताया कि शिशु जब 22 जून को एमएनसीयू में आया तब उसे तेज बुखार और सांस लेने में दिक्कत थी। उसके हाथ और पैरों में स्किन डिसऑर्डर शुरू हो गया था। यह रक्त कोषिकाओं में खून का थक्का जमने से होता है। इसके कारण शिशु के हाथ-पैर नीले पड़ रहे थे। जांच करने के बाद शिशु की ट्रीटमेंट शुरू की गई। धीरे-धीरे बच्चे में सुधार नजर आने लगा। वर्तमान में उसकी स्थिति पहले से बहुत बेहतर है। शिशु की बीमारी लगभग 90% समाप्त हो चुकी है। बुखार आना भी बंद हो गया है। सांस की दिक्कत भी नहीं है। आगामी तीन-चार दिनों के बाद शिशु को यहां से स्वस्थ करके डिस्चार्ज कर दिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि धनबाद सदर अस्पताल का एमएनसीयू विभाग लगातार अत्यंत गंभीर स्थिति वाले नवजात शिशुओं के लिए जीवन रक्षक साबित हो रहा है, जो जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की तत्परता को दर्शाता है। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की दृढ़ इच्छाशक्ति के फलस्वरूप विगत एक वर्ष में इस अस्पताल की सूरत और सीरत दोनों में अभूतपूर्व बदलाव आया है। पिछले एक वर्ष में चिकित्सा सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता और पारदर्शी प्रबंधन के कारण न केवल अस्पताल की साख मजबूत हुई है, बल्कि आम जनमानस का भरोसा भी सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर तेजी से बढ़ा है। केवल जिले के मरीजों के लिए नहीं बल्कि पड़ोसी जिले और पड़ोसी राज्य के आमजनों की पहली और विश्वसनीय पसंद बनकर उभरा है।

## हिल कॉलोनी मजार शरीफ की नई वक्फ समिति के पदभार ग्रहण पर विवाद, प्रशासन की मौजूदगी में स्थिति नियंत्रित

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

**धनबादः** रेलवे रोड स्थित हिल कॉलोनी मजार शरीफ में बुधवार को नई वक्फ प्रबंधन समिति के पदभार ग्रहण को लेकर विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई। नई समिति के सदस्य पदभार ग्रहण करने पहुंचे तो पुरानी समिति ने इसका विरोध किया। विवाद बढ़ने की आशंका को देखते हुए धनबाद थाना और बैंक मोड़ थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। प्रशासन की मौजूदगी में स्थिति को नियंत्रित किया गया।

नई समिति के अध्यक्ष कमल अशरफ ने बताया कि झारखंड वक्फ बोर्ड के निर्देश और न्यायालय के आदेश के अनुपालन में नई समिति का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन के समन्वय से एसडीएम, जिला कल्याण विभाग और पुलिस की मौजूदगी में नई समिति को पदभार ग्रहण कराया जाना है, लेकिन पुरानी समिति सहयोग नहीं कर रही है। उनका कहना था कि यदि पुरानी समिति को किसी प्रकार की आपत्ति है तो वह अपनी शिकायत वक्फ बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत कर सकती है।

वहीं, पुरानी समिति के सचिव वाजिद खान ने नई समिति के गठन की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि समिति का गठन पारदर्शी तरीके से नहीं किया गया। उनका दावा है कि नियमों के अनुसार स्थानीय लोगों की भागीदारी और मतदान के माध्यम से समिति का गठन होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि उनके कार्यकाल में मजार के विकास कार्यों पर लगभग 1.80 लाख रुपये खर्च किए गए हैं, जिसका भुगतान पहले किया जाए। उनका कहना था कि इन मुद्दों का समाधान होने तक नई समिति को पदभार नहीं सौंपा जाएगा।

मौके पर मौजूद सहकारिता पदाधिकारी सह दंडाधिकारी घनश्याम मंडल ने बताया कि उपायुक्त और एसडीएम के निर्देश पर उन्हें नई समिति को पदभार ग्रहण कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि प्रशासन दोनों पक्षों के बीच शांतिपूर्ण समाधान का प्रयास कर रहा है। यदि सहमति नहीं बनती है तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## धनबाद के होटल में साइबर गैंग का भंडाफोड़, 9 आरोपी गिरफ्तार

» 12 मोबाइल, 17 एटीएम कार्ड, सिम, क्यूआर कोड, चेकबुक और 50 हजार रुपये नकद बरामद, ऑनलाइन गेमिंग के जरिए विदेश भेजी जा रही थी रकम

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

**धनबादः** वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर धनबाद पुलिस की साइबर अपराध रोकथाम टीम ने सरायढेला थाना क्षेत्र स्थित होटल न्यू हरि-इन में छापेमारी कर अंतरराज्यीय साइबर अपराध गिरोह का भंडाफोड़ किया। कार्रवाई के दौरान होटल के कमरा संख्या 103 और 108 से नौ साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपियों के खिलाफ साइबर अपराध थाना कांड संख्या 36/26, दिनांक 30 जून 2026 दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों के पास से 12 एंड्रॉयड मोबाइल फोन, 17 सिम कार्ड, 17 एटीएम कार्ड, चार यूपीआई क्यूआर कोड, दो चेकबुक, बैंक पासबुक तथा 50 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि मोबाइल फोन में कई बैंक खातों और गेमिंग एप से जुड़े महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य मौजूद हैं।

प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि यह गिरोह विभिन्न लोगों के नाम पर खुले बैंक खातों (म्यूल अकाउंट) को इकट्ठा कर ऑनलाइन गेमिंग एप संचालकों को उपलब्ध कराता था। इन्हीं खातों के माध्यम से साइबर ठगी की रकम का लेन-देन किया जाता था। पुलिस को आशंका है कि ऑनलाइन गेमिंग के जरिए भारतीय मुद्रा विदेशों में भेजी जा रही थी, जिससे देश की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार गिरोह अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय था। मामले में ऑनलाइन गेमिंग के मुख्य सरगना और अन्य सहयोगियों की तलाश की जा रही है। डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पूरे नेटवर्क की जांच जारी है।

गिरफ्तार आरोपियों में धनबाद, बिहार, ओडिशा और गोड्डा (झारखंड) के निवासी शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

## डीडीसी ने डिजीटल 'बिरसा कृषि रथ' को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

» किसानों को मिलेगी नई तकनीक की जानकारी

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

**धनबादः** कृषि के आधुनिकीकरण और किसानों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से बुधवार को उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने समाहरणालय परिसर से डिजीटल 'बिरसा कृषि रथ' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ अगले 15 दिनों तक सभी प्रखंडों के सभी पंचायतों में भ्रमण करेगा।

इस अवसर पर डीडीसी ने कहा कि इस वर्ष सुपर अल-नीनो के प्रभाव के कारण कम वर्षा की समस्या से जूझना पड़ रहा है। इस स्थिति में सही फसल का चुनाव और वैज्ञानिक सुझावों को गांव गांव तक पहुंचाना ही बिरसा कृषि रथ का मुख्य उद्देश्य है। साथ में रथ के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की टीम ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर किसानों को मिट्टी की जांच, जैविक खेती, फसल विविधीकरण और आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग की जानकारी देगी।

रथ के माध्यम से किसानों को बिरसा हरित ग्राम योजना सहित सरकार की अन्य कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। भ्रमण के दौरान रथ के साथ चल रहे कृषि विशेषज्ञ किसानों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करेंगे और उन्हें कृषि संबंधित तकनीकी सलाह उपलब्ध कराएंगे।

रथ के माध्यम से मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री का कृषकों के नाम संदेश प्रसारित किया जाएगा। अभियान एक उद्देश्य यह भी है कि प्रत्येक किसान तक योजनाओं की सही एवं समय पर जानकारी पहुंचे ताकि कृषक विपरीत मौसम के प्रति सजग रहें एवं अधिकतम लाभ ले सकें।

उन्होंने कहा कि बिरसा कृषि रथ का उद्देश्य जिले के अंतिम छोर पर बैठे किसानों तक पहुंचना है। उन्नत कृषि पद्धतियों को अपनाकर किसान अपनी आय को दोगुना कर सकते हैं। यह रथ न केवल सूचना का माध्यम है, बल्कि यह किसानों और कृषि विभाग के बीच एक सीधा सेतु है। जिले के सभी प्रखंडों में यह रथ भ्रमण करेगा, ताकि अधिक से अधिक किसान इससे लाभान्वित हो सकेंगे।

मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी अभिषेक मिश्रा, कृषि विज्ञान केन्द्र के वरीय वैज्ञानिक डॉ.अनिल कुमार, जिला उद्यान पदाधिकारी जनार्दन शर्मा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह, उप परियोजना निदेशक मोतीलाल, सहायक तकनीकी प्रबंधक संतोष कुमार आदि उपस्थित रहे।

## राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर 65 होम्योपैथिक चिकित्सकों का सम्मान, एसएसपी प्रभात कुमार ने किया सम्मानित

» डॉक्टर भगवान का दूसरा रूपः एसएसपी

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

**धनबादः** राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर बुधवार को धनबाद होमियोपैथिक डॉक्टर्स एसोसिएशन की ओर से होटल रेडिसन में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 65 होम्योपैथिक चिकित्सकों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रभात कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा चिकित्सकों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

अपने संबोधन में एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि चिकित्सक समाज के सबसे भरोसेमंद वर्गों में शामिल हैं। जब कोई व्यक्ति बीमारी, दुर्घटना या किसी अन्य संकट का सामना करता है, तब डॉक्टर ही सबसे पहले उसकी जान बचाने के लिए आगे आते हैं। इसी कारण उन्हें भगवान का दूसरा रूप कहा जाता है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानव सेवा का सर्वोच्च माध्यम है।

उन्होंने कहा कि डॉक्टर दिन-रात, मौसम और परिस्थितियों की परवाह किए बिना मरीजों की सेवा में जुटे रहते हैं। कई बार उन्हें अपने परिवार से दूर रहकर भी लोगों की जान बचाने का दायित्व निभाना पड़ता है। यह उनकी सेवा भावना, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का परिचायक है।

एसएसपी ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के तेजी से विकास के बावजूद होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति आज भी अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। प्राचीन चिकित्सा पद्धति को आधुनिक समय में प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाना आसान नहीं है, लेकिन होम्योपैथिक चिकित्सक पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। यह समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी और सेवा भावना का प्रमाण है।

उन्होंने चिकित्सकों से गरीब, जरूरतमंद और असहाय लोगों की सेवा के लिए निरंतर कार्य करते रहने का आह्वान करते हुए विश्वास जताया कि भविष्य में भी होम्योपैथिक चिकित्सकों का योगदान समाज को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम में धनबाद होमियोपैथिक डॉक्टर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने भी चिकित्सकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के प्रति लोगों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। संगठन भविष्य में भी चिकित्सकों के हितों के साथ-साथ जनस्वास्थ्य के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करता रहेगा।

इस अवसर पर डॉ.काजल सरकार, डॉ.विजय कुमार, डॉ.सीबी मेहता, डॉ.रानी साजश्री सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए सैकड़ों होम्योपैथिक चिकित्सक उपस्थित रहे। समारोह में चिकित्सकों ने अपने अनुभव साझा किए और समाज के प्रति सेवा के संकल्प को दोहराया।

## डीडीसी ने आंगनवाड़ी केंद्रों को स्कूलों के समीप स्थानांतरित करने के लिए की समीक्षा बैठक

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

**धनबादः** उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने बुधवार को बच्चों को बेहतर शैक्षणिक माहौल देने और आंगनवाड़ी केंद्रों की बुनियादी स्थिति में सुधार करने के उद्देश्य से आंगनवाड़ी केंद्रों को नजदीकी सरकारी विद्यालयों के परिसरों में स्थानांतरित करने की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में उन्होंने सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करने, जिन केंद्रों में अब तक बिजली कनेक्शन नहीं है, वहाँ तत्काल कनेक्शन लेने की प्रक्रिया शुरू करने तथा प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों के विकास की पहली सीढ़ी हैं। बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, जेबीवीएनएल के कार्यकारी विद्युत अभियंता शिवेंद्र कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

## गोविंदपुर की ब्लैक ब्रियू बिवरेजेस में देर रात छापेमारी, स्टॉक सत्यापन में नहीं मिली कोई अनियमितता

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

**धनबादः** उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर मंगलवार देर रात करीब 1:30 बजे जिला प्रशासन और उत्पाद विभाग की संयुक्त टीम ने गोविंदपुर के देवली स्थित मेसर्स ब्लैक ब्रियू बिवरेजेस प्राइवेट लिमिटेड में औचक छापेमारी कर शराब के स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया। जांच के दौरान किसी भी प्रकार की अवैध शराब या स्टॉक में गड़बड़ी नहीं पाई गई।

उपायुक्त ने बताया कि छापेमारी टीम ने प्रतिष्ठान का मुख्य गेट खुलवाकर परिसर में प्रवेश किया। प्रारंभिक पूछताछ में सुरक्षा गार्ड ने बताया कि कंपनी के कर्मचारी शाम के बाद अपने आवास चले जाते हैं। इसके बाद अवर निरीक्षक उत्पाद-सह-प्रभारी उत्पाद पदाधिकारी ने कंपनी के प्रबंधक को मौके पर बुलाया और उनकी उपस्थिति में नियमानुसार स्टॉक का भौतिक सत्यापन शुरू किया गया।

जांच के दौरान विदेशी शराब के गोदाम में ओल्ड हैबिट प्रीमियम व्हिस्की (180 एमएल) की 3 पेटियां, बॉटम्स अप व्हिस्की (180 एमएल) की 3 पेटियां, ओल्ड हैबिट रम (750 एमएल) की 852 पेटियां, 375 एमएल की 364 पेटियां तथा 180 एमएल की 1171 पेटियां मिलीं।

वहीं देशी शराब के गोदाम में धनबाद नंबर-01 (300 एमएल) की 458 पेटियां, झारखंड नंबर-01 (600 एमएल) की 106 पेटियां तथा 200 एमएल की 255 पेटियां पाई गईं।

उपायुक्त ने बताया कि भौतिक सत्यापन के दौरान कोई भी अवैध उत्पाद बरामद नहीं हुआ। गोदाम और फैक्ट्री में मौजूद सभी ब्रांडों का कंपनी के अभिलेखों से मिलान किया गया, जो पूरी तरह सही पाया गया।

उन्होंने कहा कि जिले में वित्तीय अथवा आबकारी संबंधी किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ आगे भी इसी प्रकार की औचक कार्रवाई जारी रहेगी।

इस छापेमारी अभियान में गोविंदपुर थाना प्रभारी विष्णु प्रसाद राउत, निरीक्षक उत्पाद (सदर प्रक्षेत्र) देवीलाल सोरेन, अवर निरीक्षक उत्पाद जॉय हेंब्रम, अवर निरीक्षक उत्पाद जितेंद्र कुमार, गोविंदपुर थाना पुलिस बल तथा गृह रक्षकों की संयुक्त टीम शामिल रही।

## आईआईटी-आईएसएम का STEM कार्यक्रम दे रहा विज्ञान शिक्षा को नई उड़ान, बीसीसीएल के सीएसआर से विद्यार्थियों को मिल रहा लाभ

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

**धनबादः** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी-आईएसएम) धनबाद, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) कार्यक्रम के तहत परियोजना प्रभावित (पीएपी) एवं वंचित वर्ग के विद्यार्थियों के बीच विज्ञान शिक्षा को नई दिशा दे रहा है। STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित) कार्यक्रम के माध्यम से प्रयोगों, डिजिटल टूल्स, तार्किक सोच और गतिविधि आधारित शिक्षण के जरिए विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि विकसित की जा रही है।

यह कार्यक्रम फिलहाल हाई स्कूल भूलीनगर, डीपीएलएमए प्लस-टू हाई स्कूल, नावागढ़ तथा केजीबीवी, झरिया में कक्षा 9 एवं 10 के विद्यार्थियों के लिए संचालित किया जा रहा है। आईआईटी (आईएसएम) के मैनेजमेंट स्टडीज एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित इस पहल का नेतृत्व प्रो. रश्मि सिंह (प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर) और प्रो. नीलाद्रि दास (प्रोग्राम को-कोऑर्डिनेटर) कर रहे हैं।

कार्यक्रम के तहत आईआईटी (आईएसएम) के विशेषज्ञ नियमित रूप से स्कूलों का दौरा कर इंटरैक्टिव कक्षाओं, वैज्ञानिक प्रयोगों, डिजिटल माध्यमों और गतिविधि आधारित शिक्षण के जरिए विज्ञान एवं गणित की अवधारणाओं को सरल और रोचक ढंग से समझा रहे हैं। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में तार्किक सोच, विश्लेषण क्षमता, रचनात्मकता और समस्या समाधान कौशल विकसित करना है, ताकि वे भविष्य में विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हों।

हाई स्कूल भूलीनगर की प्राचार्या अर्चना कुमारी ने कहा कि गतिविधि आधारित शिक्षण पद्धति से बच्चों में विज्ञान के प्रति उत्साह बढ़ा है और वे विषयों को पहले की अपेक्षा बेहतर ढंग से समझ पा रहे हैं।

डीपीएलएमए प्लस-टू हाई स्कूल, नावागढ़ के प्राचार्य प्रेम रंजन ने कहा कि इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के साथ-साथ उच्च शिक्षा के प्रति नई प्रेरणा भी जगाई है।

केजीबीवी, झरिया की प्राचार्या सुनीता शॉ ने कहा कि यह पहल विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो रही है। इससे उन्हें सीखने का नया अनुभव मिल रहा है और उनका आत्मविश्वास भी बढ़ रहा है।

शिक्षकों और विद्यार्थियों ने भी कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि नियमित STEM कक्षाओं से विज्ञान और गणित जैसे कठिन विषयों को समझना आसान हो रहा है तथा विज्ञान के प्रति उनकी रुचि लगातार बढ़ रही है। कार्यक्रम निर्धारित अवधि तक जारी रहेगा, जिससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सहयोग निरंतर मिलता रहेगा।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159



## संक्षिप्त समाचार

### पाकुड़ में नाबालिग बहन से दुष्कर्म के आरोप में भाई गिरफ्तार, ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले किया

**पाकुड़।** पाकुड़ जिले के नगर थाना क्षेत्र में अपनी ही नाबालिग बहन के साथ दुष्कर्म के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बताया गया कि पीड़िता ने आरोप लगाया है कि उसका भाई लंबे समय से उसका यौन शोषण कर रहा था। बुधवार को विरोध करने पर कथित रूप से आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और घर से बाहर निकाल दिया। इसके बाद पीड़िता ने पड़ोसियों को घटना की जानकारी दी।

सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़ लिया। बाद में पंचायत प्रतिनिधियों की सूचना पर नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को अपने कब्जे में लेकर थाने ले गई।

एसडीपीओ कुमार गौरव ने बताया कि पीड़िता के बयान के आधार पर संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस पीड़िता का मेडिकल परीक्षण, न्यायालय में बयान दर्ज कराने तथा मामले की अन्य कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कर रही है। मामले की जांच जारी है।

### डुमरी अनुमंडल कार्यालय में पेयजल संकट, किसान यूनियन ने उपायुक्त से की व्यवस्था की मांग

**डुमरी:** झारखंड एकता किसान मजदूर यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो ने डुमरी अनुमंडल कार्यालय परिसर में पेयजल की गंभीर समस्या पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यहां प्रतिदिन सैकड़ों लोग विभिन्न कार्यों के लिए आते हैं, लेकिन पेयजल की व्यवस्था न होने से उन्हें भारी परेशानी होती है। अनुमंडल कार्यालय परिसर में एसडीपीओ कार्यालय, निबंधन कार्यालय, डुमरी पैक्स, अधिवक्ता भवन और सिलाई प्रशिक्षण केंद्र अवस्थित हैं। भीषण गर्मी में पेयजल न मिलने से लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। महतो ने बताया कि वे इस संबंध में उपायुक्त एवं नवपदस्थापित एसडीएम को पत्र सौंपकर पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यालयों में आम नागरिकों के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है, इसलिए समस्या का त्वरित समाधान जरूरी है। इस दौरान यूनियन के केंद्रीय उपाध्यक्ष सुभाष पंडित व भगतु रविदास रवि, केंद्रीय कोषाध्यक्ष नुनूचंद महतो, केंद्रीय महासचिव रवींद्र कुमार व मदन मोहली, सौरभ विश्वकर्मा, घनश्याम महतो, भाकपा माले नेता नागेश्वर महतो आदि उपस्थित थे।

### जामताड़ा में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान शुरू, 29 जुलाई तक घर-घर पहुंचेंगे बीएलओ

**जामताड़ा।** जिले सहित पूरे झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम-2026 की शुरुआत हो गई है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 30 जून से 29 जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को आंशिक रूप से भरे हुए गणना प्रपत्र उपलब्ध करा रहे हैं तथा भरे हुए प्रपत्रों का संग्रह भी करेंगे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आलोक कुमार ने मतदाताओं से अपील की है कि वे बीएलओ को आवश्यक सहयोग दें, गणना प्रपत्र में सही जानकारी भरकर एक प्रति बीएलओ को सौंपें तथा दूसरी प्रति पर पावती अवश्य प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने के लिए अभियान की नियमित निगरानी की जा रही है और सभी अधिकारियों व बीएलओ को पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 5 अगस्त 2026 को प्रारूप (ड्राफ्ट) मतदाता सूची प्रकाशित होगी। इसके बाद 5 अगस्त से 4 सितंबर तक दावा एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी, जबकि 5 अगस्त से 3 अक्टूबर तक उनका निस्तारण होगा। अंतिम मतदाता सूची 7 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

### पाकुड़ कुटुंब न्यायालय की पहल से सुलझा दांपत्य विवाद, साथ रहने को राजी हुआ दंपति

**पाकुड़।** व्यवहार न्यायालय स्थित कुटुंब न्यायालय में लंबित एक दांपत्य विवाद का समाधान आपसी सुलह और मध्यस्थता के जरिए हो गया। प्रधान न्यायाधीश रजनीकांत पाठक की पहल पर दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ और पति-पत्नी साथ रहने के लिए सहमत हो गए।

मूल भरण-पोषण वाद संख्या 112/2026 की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने दोनों पक्षों की काउंसलिंग कराई। बातचीत और समझाइश के बाद दोनों के बीच मतभेद दूर हुए और सुलहनामे पर सहमति बनी। न्यायाधीश ने दंपति को भविष्य में आपसी विश्वास, प्रेम और सामंजस्य के साथ वैवाहिक जीवन बिताने की सलाह दी।

समझौते के बाद दोनों पक्षों के अधिवक्ता, न्यायालय कर्मी, परिजन तथा पीएलवी नीरज कुमार राउत की मौजूदगी में दंपति ने एक-दूसरे के साथ नई शुरुआत करने का निर्णय लिया। उपस्थित लोगों ने उन्हें सुखद वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

# लॉ कॉलेज पहुंचे 'जस्टिस रूट' न्याय रथ ने विद्यार्थियों को किया विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक

राष्ट्रीय मुख्यधारा: राजीव रंजन

**धनबाद:** राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के जन-जागरूकता अभियान के तहत संचालित 'जस्टिस रूट' (न्याय रथ) बुधवार को लॉ कॉलेज, धनबाद पहुंचा। इस अवसर पर विधि के छात्र-छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों, विभिन्न सरकारी योजनाओं, मध्यस्थता, लोक अदालत, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा नशा नियंत्रण संबंधी कानूनों की विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सह अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने विद्यार्थियों को एनडीपीएस अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों, नशे के दुष्परिणामों तथा कानून के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि युवा स्वयं नशे से दूर रहें और समाज में विधिक जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के डेप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट ने मध्यस्थता, लोक अदालत एवं भारतीय न्याय संहिता के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी देते हुए वैकल्पिक विवाद समाधान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता और लोक अदालत के माध्यम से कम समय और कम खर्च में विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान संभव है।

सहायक लीगल एड डिफेंस काउंसिल शैलेंद्र कुमार झा ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली, निःशुल्क विधिक सहायता, पात्रता तथा आम नागरिकों को उपलब्ध कराई जाने वाली विभिन्न कानूनी सेवाओं की विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विधि के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से विभिन्न कानूनी विषयों पर प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सह अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि प्राधिकरण के तत्वावधान में संचालित 'जस्टिस रूट' न्याय रथ आगामी दिनों में शहर के विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों का भ्रमण करेगा। इसके माध्यम से विद्यार्थियों और आम लोगों को उनके कानूनी अधिकारों, सरकारी योजनाओं तथा न्याय तक सहज पहुंच के संबंध में जागरूक किया जाएगा।

## पाकुड़ में विशेष कैंप के पहले दिन 32 लोगों को मिला लर्निंग लाइसेंस

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़। झारखंड सरकार के निर्देश पर जिले में ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने के विशेष अभियान की शुरुआत बुधवार को प्रखंड मुख्यालय पाकुड़ से हुई। मुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री के निर्देश तथा उपायुक्त मेघा भारद्वाज के मार्गदर्शन में आयोजित दो दिवसीय शिविर के पहले दिन बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

जिला परिवहन कार्यालय के अनुसार पहले दिन करीब 60 लोगों ने लर्निंग लाइसेंस के लिए आवेदन किया। दस्तावेजों के सत्यापन और ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी होने के बाद 32 पात्र आवेदकों को उसी दिन लर्निंग लाइसेंस जारी कर दिया गया।

शिविर के उद्घाटन अवसर पर जिला परिवहन पदाधिकारी मो. मोजाहिद अंसारी, उप प्रमुख हैदर अहमद, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी समेत अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिला परिवहन पदाधिकारी मो. मोजाहिद अंसारी ने बताया कि यह विशेष अभियान जिले के सभी प्रखंडों और पंचायतों में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित किया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर में पहुंचकर सुविधा का लाभ उठाएं तथा हमेशा वैध ड्राइविंग लाइसेंस के साथ ही वाहन चलाएं।

## जून बीता, जुलाई शुरू; बारिश के इंतजार में पाकुड़ के किसान, धान की रोपनी ठप

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़। जून माह समाप्त होने और जुलाई की शुरुआत के बावजूद पाकुड़ समेत पूरे संथाल परगना प्रमंडल में पर्याप्त बारिश नहीं होने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। वर्षा आधारित खेती पर निर्भर अधिकांश किसानों के खेतों में धान का बिचड़ा तैयार है, लेकिन पानी के अभाव में रोपनी का कार्य पूरी तरह ठप पड़ा है।

किसानों का कहना है कि बिचड़ा समय पर नहीं रोपे जाने से उसकी गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। वहीं तालाब, कुएं और अन्य पारंपरिक जलस्रोत भी सूखने की कगार पर हैं, जिससे सिंचाई के विकल्प सीमित हो गए हैं।

स्थानीय किसानों और सामाजिक लोगों ने मांग की है कि यदि जुलाई के शुरुआती दिनों में भी पर्याप्त बारिश नहीं होती है तो प्रशासन सर्वे कराकर प्रभावित क्षेत्रों को सूखाग्रस्त घोषित करे और किसानों के लिए राहत पैकेज या मुआवजे की घोषणा करे।

कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि देर से बारिश होने पर भी धान की रोपाई विलंबित होगी, जिससे उत्पादन में कमी आने की आशंका है। हालांकि मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है, लेकिन किसानों का कहना है कि

खेती बचाने के लिए जल्द अच्छी बारिश जरूरी है।

## 65वें सुब्रतो कप अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल संपन्न, पीएम श्री उच्च विद्यालय पतकी बना चैंपियन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**पेटरवार।** प्लस टू उच्च विद्यालय पेटरवार के मैदान में आयोजित 65वें सुब्रतो कप अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता एवं सेकेंड लिटिल चैंप 2026-27 के अंतर्गत अंडर-17 बालक एवं बालिका वर्ग के मुकाबले उत्साहपूर्ण माहौल में खेले गए। अंडर-17 बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले में उत्क्रमित +2 उच्च विद्यालय काटमकुल्ही और पीएम श्री राजकीयकृत उच्च विद्यालय पतकी की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः पीएम श्री राजकीयकृत उच्च विद्यालय पतकी ने पेनल्टी शूटआउट के रोमांचक मुकाबले में 1-0 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम कर लिया।समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक प्रतिनिधि मुकेश कुमार महतो, सुधीर सिन्हा, सदमा पंचायत की मुखिया सावित्री देवी, बीपीओ सुशीला टोप्पो तथा एकाउंटेंट फिरोज आलम उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने अनुशासन, टीम भावना और उत्कृष्ट खेल कौशल का परिचय दिया। दर्शकों ने भी पूरे उत्साह के साथ खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया, जिससे मैदान में खेल का रोमांच चरम पर रहा।

## गेहूं कालाबाजारी की शिकायत पर डीएसओ का जवाब संदिग्ध, झापीपा नेता ने उठाए सवाल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**डुमरी:** झारखंड पीपुल्स पार्टी के केंद्रीय सचिव अशोक अग्रवाल 'आजाद' ने खाद्यान्न कालाबाजारी को लेकर डीएसओ गिरिडीह के जवाब को संदिग्ध बताया है। उन्होंने 7 जून 2026 को शिकायत की थी कि एसएफसी गोदाम सरिया के एजीएम मदन मोहन की अनुपस्थिति में रात के अंधेरे में 800 बोरे गेहूं की ढुलाई की गई। इस पर डीएसओ ने पत्रांक 1391/15 जून 2026 से जवाब दिया। अशोक अग्रवाल ने कहा कि डीएसओ ने माना कि एजीएम ने अवकाश हेतु पत्र लिखने के बाद भी छुट्टी नहीं ली। सवाल है कि मजबूरी में आवेदन देने के बाद वह अवकाश पर क्यों नहीं गए? रात में बीडीओ द्वारा पकड़े गए गेहूं लदे वाहनों को थाना के हवाले करने के बाद सुबह छोड़ने पर भी सवाल उठे। डीएसओ ने जवाब में लिखा कि अराजकतत्वों से खाद्यान्न बचाने के लिए वाहन थाने में रखे गए थे। अशोक ने कहा कि इसका मतलब पकड़ने वाले लोग अराजकतत्व हैं, जिसकी जांच होनी चाहिए।आरसी फेल वाहनों NL 01K 4661 और NL 01K 1581 के इस्तेमाल पर डीएसओ ने कहा कि उन्हें पहले जानकारी नहीं थी और अभिकर्ता पर कार्रवाई होगी। झापीपा नेता ने आरोप लगाया कि डीएसओ के पत्र से स्पष्ट है कि नमक घोटाला मामले में पत्रांक 777/मार्च 2024 के बाद दो साल से एजीएम और एमओ ने जांच रिपोर्ट नहीं दी। रात में आरसी फेल ट्रकों से गेहूं ढुलाई और बीडीओ की सक्रियता के बाद वाहनों को छोड़ना भ्रष्टाचार का संकेत है। सामाजिक कार्यकर्ताओं को अराजकतत्व बताना निंदनीय है। उन्होंने उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

## सेवानिवृत्त जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. संजीव कुमार को दी गई भावभीनी विदाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**जामताड़ा।** जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. संजीव कुमार के 30 जून 2026 को सेवानिवृत्त होने के उपरांत बुधवार को जिला पशुपालन कार्यालय के सभागार में सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर अधिकारियों और कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ, शॉल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर उनके योगदान को सराहा।

समारोह में क्षेत्रीय निदेशक, संताल परगना क्षेत्र, दुमका सहित देवघर, गोड्डा, धनबाद और जामताड़ा के पशुपालन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। विभाग की ओर से डॉ. संजीव कुमार की निष्कलंक एवं संतोषजनक सेवाओं की सराहना करते हुए उन्हें प्रशस्ति-पत्र भी प्रदान किया गया।

विभाग ने बताया कि नए जिला पशुपालन पदाधिकारी की पदस्थापना होने तक पशु शल्य चिकित्सक डॉ. शालेंद्र प्रसाद अपने नियमित दायित्वों के साथ जिला पशुपालन कार्यालय, जामताड़ा के दैनिक कार्यों का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे।

कार्यक्रम में जिले के पशु चिकित्सकों एवं कार्यालय के सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

## पाकुड़ में भाजपा शक्ति केंद्र की बैठक, बूथ सशक्तिकरण पर दिया गया जोर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**पाकुड़।** भाजपा पाकुड़ नगर मंडल के सेठ हिरदुमल पब्लिक स्कूल शक्ति केंद्र की बैठक रेलवे कॉलोनी स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में आयोजित हुई। शक्ति केंद्र संयोजक सुशील साहा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में बूथ सशक्तिकरण, संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने कहा कि पार्टी की मजबूती बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं पर निर्भर करती है। उन्होंने प्रत्येक बूथ समिति की नियमित बैठक आयोजित करने तथा संगठन के दिशा-निर्देशों का अनुशासनपूर्वक पालन करने पर जोर दिया।

अमर बाउरी ने कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री के एक पेड़ मां के नाम' अभियान को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की। साथ ही 'मन की बात' कार्यक्रम नियमित रूप से सुनने और 'सरल ऐप' पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का भी आग्रह किया।

बैठक में जिला प्रभारी निवास मंडल, मंडल अध्यक्ष सोहन मंडल, महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष सम्पा साहा, जिला उपाध्यक्ष हिसाबी राय, पूर्व जिला अध्यक्ष अमृत पांडेय समेत पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## 65वें सुब्रतो कप अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल संपन्न, पीएम श्री उच्च विद्यालय पतकी बना चैंपियन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**पेटरवार।** प्लस टू उच्च विद्यालय पेटरवार के मैदान में आयोजित 65वें सुब्रतो कप अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता एवं सेकेंड लिटिल चैंप 2026-27 के अंतर्गत अंडर-17 बालक एवं बालिका वर्ग के मुकाबले उत्साहपूर्ण माहौल में खेले गए। अंडर-17 बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले में उत्क्रमित +2 उच्च विद्यालय काटमकुल्ही और पीएम श्री राजकीयकृत उच्च विद्यालय पतकी की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ।

दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः पीएम श्री राजकीयकृत उच्च विद्यालय पतकी ने पेनल्टी शूटआउट के रोमांचक मुकाबले में 1-0 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम कर लिया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक प्रतिनिधि मुकेश कुमार महतो, सुधीर सिन्हा, सदमा पंचायत की मुखिया सावित्री देवी, बीपीओ सुशीला टोप्पो तथा एकाउंटेंट फिरोज आलम उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने अनुशासन, टीम भावना और उत्कृष्ट खेल कौशल का परिचय दिया। दर्शकों ने भी पूरे उत्साह के साथ खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया, जिससे मैदान में खेल का रोमांच चरम पर रहा।

## पाकुड़ में महिला और युवक के साथ मारपीट व सार्वजनिक अपमान का आरोप, पति समेत कई पर एफआईआर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**पाकुड़।** पाकुड़ जिले के अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र में एक महिला और एक युवक के साथ कथित मारपीट तथा सार्वजनिक रूप से अपमानित किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने उसके पति समेत पांच नामजद और 30–40 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, घटना 26 जून की बताई जा रही है। आरोप है कि महिला के पति ने प्रेम प्रसंग के संदेह में ग्रामीणों के साथ मिलकर महिला और एक युवक के साथ मारपीट की तथा उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित किया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले में कार्रवाई तेज की।

पुलिस ने दोनों पीड़ितों को भीड़ से सुरक्षित निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है। जांच पूरी होने तक दोनों को सुरक्षा भी उपलब्ध कराई गई है।

अमड़ापाड़ा थाना में दर्ज कांड संख्या 49/26 के तहत पति सहित पांच नामजद और 30–40 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। अधिकारियों ने कहा है कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# उसका अभिमान नाश कर के छोड़ता है

जब व्यक्ति अपार धन-दौलत और आलीशान भवनों का मालिक हो जाता है तो वह स्वयं को औरों से अलग महसूस करने लगता है। ऊंचेपन की भावना के कारण वह किसी को कुछ नहीं समझता। यही भाव अभिमान है जो उसके रोम-रोम से दिखाई देता है। इस स्थिति में शेष लोग उसके लिए अवशेष हो जाते हैं। सिक्खों के पंचम गुरु अर्जन देव जी ने अपनी रचना में ऐसे लोगों को मूर्ख, अंधा व अज्ञानी माना है। जब ऐसी स्थिति आ जाती है तो वह अराजक होकर अत्याचार पर उतारू हो जाता है। गरीब और कमजोर उसके शिकार होते हैं। गुरु अर्जन देव ने अपने समय में ऐसे अत्याचारों को देखा और सामना भी किया। उनके अनुसार व्यक्ति कितना भी ऊंचा क्यों न हो जाए, अभिमान उसका नाश करके ही छोड़ता है। हृदय में गरीबी यानी विनम्रता का वास जरूरी है। इससे सारे लोकों में सुखों की प्राप्ति होती है। उन्होंने इन पवित्र विचारों को अपनी कालजयी रचना सुखमनी साहिब में यूं लिखा है- जिस के हिरदै गरीबी बसावै। नानक ईहा मुकतु आगै सुखु पावै। वास्तव में अभिमान निर्माण का नहीं, विनाश का लक्षण है। व्यक्ति स्वयं को महत्ता देने लगता है। अपनी अराजकता से वह आस-पास के लोगों को भी संप्रमित कर देता है। इसी आग में विकास डूबकर विनाश में परिवर्तित हो जाता है। प्राचीन काल में रावण, कंस, कौरव आदि अभिमान के ही मिथ्या जाल में फंसे थे। धार्मिक हो या राजनीतिक, आज भी कई समूह इसी राह पर बढ़ रहे हैं। अभिमान इन्हें गिरावट का ही ग्राफ दिखा रहा है, बढ़ने का नहीं। गुरु अर्जन देव के अनुसार अगर ऐसे विनाशकारी भाव से बचना है तो अपने आचार-व्यवहार में नम्रता को प्रथम स्थान देना होगा। उन्होंने आगे नम्रता को लाने का उपाय भी बताया है। अमीरी हो या गरीबी, हर हाल में व्यक्ति उस अकाल शक्ति के निकट स्वयं को महसूस करना चाहिए-सदा निकटि निकटि हरि जानु। हर मनुष्य का कर्तव्य बनता है कि जिस अकाल शक्ति से उसकी उत्पत्ति हुई है वह स्वयं को उसके साथ जुड़ा रखे। यह भाव व्यक्ति को ईश्वर के प्रति कृतज्ञ होना सिखाता है, जिससे विनम्रता का जन्म होता है। इस भाव के आ जाने से व्यक्ति जितनी भी सुख-सुविधाओं से घिरा रहे, अभिमान उसे छू नहीं सकता। इस विनम्रता का अर्थ यह कदापि नहीं कि हम अत्याचार और शोषण सहते जाएं। अर्जन देव के अनुसार उस परमशक्ति से स्वयं को एकाकार करने से निरभउ व निरवैर अर्थात् निडरता व अशत्रुता का भाव पैदा होता है जो किसी भी गलत शक्ति के आगे झुकने से बचाती है। इसलिए अभिमान छोड़, विनम्रता की राह चलें। इससे हमारे विकास और बने रहने की संभावनाएं प्रबल रहती हैं। अभिमान हमारी मूर्खता को ही व्यक्त करता है।

# गुजरात पुलिस की बड़ी कामयाबी अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी पर करारा प्रहार युवाओं के भविष्य को बचाने का मजबूत संकल्प

कांतिलाल मांडोत

नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र को भीतर से खोखला कर देता है। जब किसी देश का युवा वर्ग मादक पदार्थों की गिरफ्त में आने लगता है तो उसका प्रभाव केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता बल्कि शिक्षा, परिवार, सामाजिक व्यवस्था, कानून व्यवस्था और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था तक पहुंचता है। यही कारण है कि पूरी दुनिया में मादक पदार्थों की तस्करी को सबसे गंभीर संगठित अपराधों में गिना जाता है। भारत भी लंबे समय से इस चुनौती का सामना कर रहा है। ऐसे समय में गुजरात पुलिस, डीआरआई और आरपीएफ द्वारा संयुक्त अभियान चलाकर करोड़ों रुपए की कोकीन और प्रतिबंधित ट्रामाडोल टैबलेट की खेप पकड़ना केवल एक पुलिस कार्रवाई नहीं बल्कि देश के युवाओं और समाज को सुरक्षित रखने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। सूरत रेलवे स्टेशन पर राजधानी एक्सप्रेस से लगभग दो किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन बरामद होना इस बात का संकेत है कि अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट लगातार नए रास्तों और नए माध्यमों से भारत में अपनी जड़ें मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं। यह कोकीन मुंबई के हाई प्रोफाइल क्लबों और रेव पार्टियों तक पहुंचाई जानी थी जहां इसका इस्तेमाल युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेलने के लिए किया जाता। यदि यह खेप अपने गंतव्य तक पहुंच जाती तो न केवल करोड़ों रुपए का अवैध कारोबार होता बल्कि अनेक युवाओं का जीवन भी बर्बाद हो सकता था। समय रहते की गई कार्रवाई ने इस पूरे नेटवर्क की एक महत्वपूर्ण कड़ी को तोड़ दिया। इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि डीआरआई और आरपीएफ ने पूरी गोपनीयता और सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर संयुक्त ऑपरेशन को सफल बनाया। ट्रेन के सूरत पहुंचते ही टीम ने बिना किसी हड़बड़ी के आरोपी को हिरासत में लिया और उसके ट्रॉली बैग से छिपाकर रखे गए कोकीन के पैकेट बरामद किए। यह दर्शाता है कि सुरक्षा एजेंसियां केवल सतर्क ही नहीं बल्कि आधुनिक तकनीक और खुफिया तंत्र के माध्यम से संगठित अपराधों पर प्रभावी निगरानी भी रख रही हैं।

पूछताछ में सामने आया कि इस तस्करी के तार विदेशी ड्रग्स सिंडिकेट से जुड़े हुए हैं और एक नाइजीरियाई नागरिक के माध्यम से पूरे नेटवर्क का संचालन किया जा रहा था। इससे स्पष्ट होता है कि मादक पदार्थों की तस्करी अब केवल स्थानीय अपराध नहीं रह गई है बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट का हिस्सा बन चुकी है। ऐसे गिरोह युवाओं की कमजोरी और नशे की बढ़ती मांग का फायदा उठाकर करोड़ों रुपए का अवैध कारोबार करते हैं। इनका उद्देश्य केवल पैसा कमाना नहीं बल्कि समाज में अपराध और अस्थिरता फैलाना भी होता है। इसी प्रकार गुजरात एटीएस द्वारा आठ करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की प्रतिबंधित ट्रामाडोल टैबलेट जब्त करना भी अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ट्रामाडोल एक नियंत्रित दवा है जिसका उपयोग चिकित्सकीय आवश्यकता में सीमित मात्रा में किया जाता है लेकिन इसकी अवैध तस्करी इसे नशे के रूप में इस्तेमाल करने वालों तक पहुंचाती है। लाखों प्रतिबंधित गोलियों की बरामदगी से यह स्पष्ट हो गया है कि अपराधी प्रतिबंधित दवाओं की आड़ लेकर बड़े पैमाने पर अवैध कारोबार चला रहे थे। यदि यह खेप बाजार तक पहुंच जाती तो हजारों युवाओं के जीवन पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ सकते थे। गुजरात पुलिस और एटीएस ने जिस प्रकार सूचना एकत्र की आरोपी पर लगातार नजर रखी बस को ट्रैक किया और दूसरे राज्य तक पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार किया वह पेशेवर जांच और मजबूत समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। इससे यह संदेश भी गया है कि अपराधी चाहे किसी भी राज्य में छिप जाएं कानून की पहुंच से बच नहीं सकते।

आज ड्रग्स की तस्करी केवल कानून व्यवस्था की समस्या नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौती भी बन चुकी है। अनेक अंतरराष्ट्रीय अपराधी संगठन नशे के कारोबार से प्राप्त धन का उपयोग अन्य गैरकानूनी गतिविधियों में भी करते हैं। इसलिए जब सुरक्षा एजेंसियां ऐसी खेप पकड़ती हैं तो वे केवल नशीले पदार्थ जब्त नहीं करतीं बल्कि अपराध की पूरी आर्थिक श्रृंखला को भी कमजोर करती हैं। यह देश की सुरक्षा और स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है।

युवाओं को नशे की ओर धकेलने की सबसे बड़ी कोशिश आधुनिक जीवन शैली के नाम पर आयोजित होने वाली कुछ रेव पार्टियों और हाई प्रोफाइल क्लबों के माध्यम से भी होती है जहां नशे को फैशन और स्टेटस सिंबल के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। धीरे धीरे यह आदत लत में बदल जाती है और फिर व्यक्ति अपराध आर्थिक बर्बादी मानसिक तनाव और पारिवारिक विघटन का शिकार हो जाता है। इसलिए ऐसी पार्टियों और इनके पीछे सक्रिय ड्रग्स नेटवर्क पर कठोर कार्रवाई समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

सरकार द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान को तभी वास्तविक सफलता मिलेगी जब पुलिस प्रशासन समाज शिक्षण संस्थानों अभिभावकों और युवाओं के बीच मजबूत साझेदारी बने। केवल गिरफ्तारी से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है बल्कि जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। युवाओं को यह समझाना होगा कि नशा किसी भी समस्या का समाधान नहीं बल्कि जीवन की सबसे बड़ी बर्बादी का रास्ता है।

गुजरात लंबे समय से तटीय राज्य होने के कारण तस्करों के निशाने पर रहा है लेकिन राज्य की सुरक्षा एजेंसियों ने लगातार बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त कर यह साबित किया है कि उनके सामने अपराधियों की कोई चाल सफल नहीं होगी। हाल के वर्षों में करोड़ों रुपए के नशीले पदार्थों की बरामदगी यह दर्शाती है कि पुलिस का खुफिया तंत्र लगातार मजबूत हुआ है और अंतरराज्यीय तथा अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क पर भी प्रभावी निगरानी रखी जा रही है।

यह सफलता उन सभी अधिकारियों और जवानों के समर्पण का परिणाम है जिन्होंने दिन रात मेहनत कर इस पूरे अभियान को अंजाम दिया। उनकी सतर्कता और साहस ने न केवल करोड़ों रुपए के अवैध कारोबार को रोका बल्कि हजारों युवाओं को नशे के दलदल में फंसने से भी बचाया। समाज को भी ऐसे अभियानों में पुलिस का सहयोग करना चाहिए और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को देनी चाहिए। नशे के खिलाफ यह लड़ाई केवल सरकार या पुलिस की नहीं बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। जब तक युवा जागरूक नहीं होंगे परिवार सतर्क नहीं होंगे और समाज नशे के प्रति शून्य सहिष्णुता का दृष्टिकोण नहीं अपनाएगा तब तक इस समस्या का पूर्ण समाधान संभव नहीं होगा। गुजरात पुलिस डीआरआई आरपीएफ और एटीएस की यह बड़ी सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि मजबूत इच्छाशक्ति आधुनिक जांच प्रणाली और प्रभावी समन्वय के साथ कार्रवाई की जाए तो अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट के सबसे बड़े षड्यंत्र भी विफल किए जा सकते हैं। यह अभियान केवल करोड़ों रुपए की कोकीन और प्रतिबंधित दवाओं की बरामदगी की कहानी नहीं बल्कि भारत के युवाओं के भविष्य को सुरक्षित रखने राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की रक्षा करने और अपराधियों को स्पष्ट संदेश देने वाली ऐतिहासिक सफलता है।

## सूक्ति

जिसके पास उम्मीद है, वह हार कर भी नहीं हारता।
- अज्ञात

मैं हर कदम पर हारा हूँ, पर जन्मा केवल जीत के लिए हूँ।
- एमर्सन

## आज का राशिफल



शुभ संवत 2083, शाके 1948, माहः आषाढ़ महीने के कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि (शाम 04:08 बजे तक, इसके बाद तृतीया तिथि शुरू होगी) उत्तराषाढ़ा नक्षत्र (शाम 03:57 बजे तक, इसके बाद श्रवण नक्षत्र) चंद्रमा मकर राशि में संचरण करेंगे। स दिन वैधृति योग रहेगा (सुबह 11:09 बजे तक, उसके बाद विष्कंभ योग)।

**आज जन्म लिए बालक का फल...**

बच्चे के जन्म के समय चंद्रमा जिस नक्षत्र (जैसे- पूर्वाषाढ़ा आदि) और राशि में होता है, उससे बच्चे का स्वभाव, स्वास्थ्य और भविष्य की दिशा तय होती है। कुंडली में ग्रहों की युति (मिलन) और दृष्टि बच्चे की शिक्षा, करियर और आर्थिक स्थिति का सटीक अनुमान देती है।

मेष राशि : आज ऑफिस में आप किसी कलीग के काम में मदद करेंगे।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है।

मिथुन राशि : लवमेट आज कहीं घूमने की योजना बना सकते हैं।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है।

कुंभ राशि : आपके किसी काम में कलीग की सहायता मिलेगी, काम समय से पूरा हो जायेगा।

मीन राशि : आज ऑफिस में काम को लेकर आपकी अहमियत बढ़ेगी।

# अमानत में खयानत ! आगे की राह क्या हो ?

-गिरीश्वर मिश्र

पुण्य नगरी अयोध्या में प्रभु श्रीराम के नवनिर्मित भव्य मंदिर में चढ़ावे और दान के हिसाब-किताब की व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं और व्यवस्था में कई खामियाँ नजर आ रही हैं। पवित्र सरयू नदी के तट स्थित यह अवधपुरी विगत दिनों से कई तरह के आरोप-प्रत्यारोप के बीच चर्चा में बनी हुई है। हम सबको याद है कि लंबी कानूनी लड़ाई के बाद मंदिर निर्माण का रास्ता साफ हुआ था। विगत वर्षों में अयोध्या धाम के जीर्णोद्धार के बाद वहाँ देश के विभिन्न भागों से अपार संख्या में श्रद्धालुओं और भक्तों का आना-जाना शुरू हुआ और वहाँ लोगों का जमावड़ा लगातार बना रहता है। विश्व के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की इतनी संख्या में आना कीर्तिमान बना रहा है। इन सबके बीच अयोध्या का परिवेश निश्चित ही बदल रहा है और वहाँ की व्यवस्था में सुधार भी हो रहा है। आज पर्यटन और धार्मिक स्थलों पर आयोजनों के साथ अयोध्या के पूरे क्षेत्र की भौगोलिक और सामाजिक पारिस्थितिकी नया रूप ले रही है। ऐसे में पौराणिक नगरी अयोध्या राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर नई पहचान बनाने को उद्यत है। यह क्षेत्र निश्चित ही अब देश में आर्थिक, आध्यात्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व के कार्यकलापों के अभिनव केंद्र के रूप में उभर रहा है। ऐसे में यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है कि राममंदिर की देखरेख की प्रबंध व्यवस्था संतोषजनक नहीं है। उसे लेकर ताजा घटनाक्रम रामभक्तों के लिए चिंताजनक हो रहे हैं। साथ ही उसे लेकर सियासी पारा भी गर्म हो रहा है। राममंदिर की व्यवस्था को लेकर लगा आरोप न केवल बेहद संगीन है बल्कि सबके लिए शर्मनाक भी। आरोप में कहा गया है कि मंदिर में आने वाले भक्तों द्वारा जो चढ़ावा प्रभु के श्रीचरणों में श्रद्धा भाव से अर्पित होता रहा है, उसे संभालने वाले ट्रस्ट द्वारा नियुक्त कर्मी आवश्यक ईमानदारी से अपना काम नहीं कर रहे थे। वे चढ़ावे को न सुरक्षित रख पा रहे थे बल्कि उसमें अपनी मर्जी से लगातार हेराफेरी भी करते आ रहे थे। इन लोगों पर चढ़ावे में आने वाली एकत्रित धनराशि को व्यवस्थित करने यानी गिनने, रखने आदि के बीच मौजूद राशि में से कुछ राशि गायब कर देने का आरोप भी लगा है। चढ़ावे में मिली नगदी की गिनती और उसकी निगरानी व्यवस्था बहुत लचर थी और उसमें खामियां पाई गईं। दान आने के बाद जो धनराशि की गिनती करते थे उनके मंदिर प्रवेश और मंदिर से बाहर जाने पर कोई सघन निगरानी की व्यवस्था नहीं थी। इन लोगों के इस काम के लिए पात्रता और चयन प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। साथ ही भक्तों द्वारा भगवान की सेवा में अर्पित सोने-चाँदी के आभूषण आदि तथा अन्य बहुमूल्य भेंट को भी गायब करने के आरोप लग रहे हैं। बेईमानी और घूसखोरी के किस्से कई पुलिस और कोर्ट-कचहरी जैसे सरकारी जगहों और महकमों में चलते आ रहे हैं। आम आदमी उनसे सुपरिचित हैं। परंतु देवस्थान बड़े पवित्र होते हैं, उनकी मर्यादा होती है और बहुत से लोग लाचार होकर ईश्वर की शरण में आते हैं। वे अपना प्रणाम निवेदित कराते हैं और यथाशक्ति दान-दक्षिणा अर्पित करते हैं। उनकी आस्था और श्रद्धा के साथ इस तरह से खिलवाड़ अमानवीय अपराध है। राममंदिर के बही-खाते और लेनदेन की पारदर्शिता मंदिर ट्रस्ट की व्यवस्था और सरकार दोनों की साख को सुरक्षित रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है। आश्चर्य की बात यह है कि अयोध्या के राममंदिर परिसर से जुड़ी इस तरह की खबर पहले भी यदाकदा आती थी परंतु उस पर किसी ने कभी कोई ध्यान नहीं दिया और सारी व्यवस्था ज्यों-कि-त्यों चलती रही। ट्रस्ट के प्रबंधन पर सबका भरोसा था पर वास्तविकता कुछ और थी। जो मानक पद्धति या एसओपी तय थी, उसका पालन नहीं हो रहा था, न ही उसकी उपयुक्तता सुनिश्चित की गई थी। जो लोग काम पर लगे थे वे प्रशिक्षित न होकर कुछ लोगों की संस्तुति पर लगे थे। वहाँ प्रचलित व्यवस्था में कोई सुधार नहीं किया गया और सबकुछ ज्यों-का-त्यों पूर्ववत चलता रहा। तूल पड़ने पर इस मामले में करोड़ों का घोटाला करने के आरोपों में प्रथम दृष्टया सच्चाई भांप कर तत्काल कानूनी कारवाई करने और अपराधियों को दंडित करने के लिए राज्य सरकार ने जाँच बिठाने का निर्णय लिया। इस सिलसिले में उच्चस्तरीय एसआईटी गठित की गई है और उसकी आरंभिक जांच रिपोर्ट अब मिल चुकी है। एसआईटी ने मंदिर से जुड़े कर्मियों से बातचीत की, जानकारी एकत्र की और अपनी प्राथमिक रिपोर्ट सरकार को दी है। रिपोर्ट लेकर सरकार ने प्राप्त तथ्यों का संज्ञान लेकर कानून के आलोक में चढ़ावे की व्यवस्था से सीधे-सीधे जुड़े आठ मन्दिर कर्मियों के ख़िलाफ़ मुक़दमा दायर कर आगे की क़ानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है। इन लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

# योगी की सच से झूठ अलग करने की कोशिश



संजय सक्सेना,लखनऊ

अयोध्या के रामलला मंदिर में चढ़ावे और दान की राशि में कथित गड़बड़ी का मामला अब केवल आस्था और आपराधिक जांच का विषय नहीं रह गया, बल्कि यह अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले सबसे बड़े राजनीतिक हथियार के रूप में उभरता दिख जरूर रहा है, लेकिन ऐसा हो पायेगा, यह समय बतायेगा। 07 जून को समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस मामले को सार्वजनिक करते हुए योगी सरकार पर सीधा हमला बोला था। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा था कि अयोध्या में मंदिर के चढ़ावे को लेकर जो जानकारी सामने आई है, वह गंभीर चिंता का विषय है। इसके साथ ही यह मामला राष्ट्रीय सुर्खियों में आ गया और सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तेजी दिखाते हुए 13 जून को राम मंदिर ट्रस्ट की सिफारिश पर तीन सदस्यों वाली एसआईटी का गठन कर दिया। जांच टीम ने मंदिर परिसर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज, बैंक रिकॉर्ड और दान गिनने वाले कर्मचारियों से पूछताछ शुरू की। शुरुआती जांच में ही चौंकाने वाले खुलासे सामने आए। करीब 2 करोड़ रुपये नकद, एक कार और तीन आईफोन बरामद होने का दावा किया गया, जबकि कुछ कर्मचारियों से पूछताछ जारी रही। बाद में एसआईटी की 20 पन्नों की रिपोर्ट में और भी गंभीर तथ्य सामने आए। रिपोर्ट के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज में चढ़ावा चोरी की 70 घटनाएं दर्ज हुईं और यह कथित रैकेट पिछले दो से तीन वर्षों से सक्रिय था। जांच में यह भी सामने आया कि मुख्य आरोपी टिन्नू यादव के पास बिना किसी आदेश के हुंडियों की चाबियां मौजूद थीं, और पूछताछ में कुछ सरकारी बैंक कर्मचारियों की संलिप्तता के संकेत भी मिले। रिपोर्ट आने के बाद योगी सरकार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 26 जून को मामले में एफआईआर दर्ज कर आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस घटनाक्रम के दबाव में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट सदस्य अनिल मिश्रा ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। मुख्यमंत्री योगी ने इस पूरे प्रकरण पर सख्त लहजे में कहा, एसआईटी रिपोर्ट आते ही कार्रवाई शुरू हो गई। हम सच्चाई और झूठ को अलग-अलग कर देंगे। सनातन धर्म के विश्वास के साथ छेड़छाड़ करने वालों को परिणाम भुगतना पड़ेगा। किसी को भी छूट नहीं दी जाएगी। कई सार्वजनिक मंचों से उन्होंने बार-बार यही संदेश दोहराया कि एसआईटी की रिपोर्ट आते ही कार्रवाई शुरू हो गई है और जन आस्था के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, दूध का दूध और पानी का पानी होगा। लेकिन सियासी पिच पर यह मामला अब सिर्फ प्रशासनिक कार्रवाई तक सीमित नहीं रहा। अखिलेश यादव के आरोपों के बाद योगी और भाजपा ने भी पलटवार में देर नहीं की। सीएम योगी ने याद दिलाया कि सपा सरकार के दौरान ही थानों और जेलों में जन्माष्टमी मनाने पर रोक लगाई गई थी और कांवड़ यात्रा प्रतिबंधित थी। साथ ही कारसेवकों पर गोली चलाने के अतीत को दोहराकर बीजेपी ने सपा को बैकफुट पर धकेलने की कोशिश की।

राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, यह त्वरित और कठोर कार्रवाई अखिलेश के उस आरोप की धार कुंद करने की रणनीति है कि सरकार भ्रष्टाचार को संरक्षण दे रही है। देवरिया की एक सभा में सीएम योगी ने और तीखा रुख अपनाते हुए कहा, अयोध्या पर आक्षेप मत करो, प्रभु श्रीराम की मर्यादा का पालन करना सीखो। इस पूरे विवाद में कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और असदुद्दीन ओवैसी सहित लगभग सभी विपक्षी दल सक्रिय हो गए हैं। आम आदमी पार्टी नेता संजय सिंह ने भी योगी सरकार को घेरते हुए कहा था कि राम मंदिर जैसे आस्था के केंद्र में दान राशि की कथित चोरी बेहद गंभीर मामला है और इसकी निष्पक्ष व पारदर्शी जांच होनी चाहिए, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दिल्ली से अरविंद केजरीवाल भी अयोध्या पहुंचे, जिस पर सीएम योगी ने तीखा तंज कसते हुए भाजपा की डबल इंजन सरकार की तुलना आम आदमी पार्टी शासन से कर डाली। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस मुद्दे पर हर दल की रणनीति अलग-अलग समीकरणों से जुड़ी है। सपा के लिए यह मामला सॉफ्ट हिन्दुत्व की छवि गढ़ने का मौका है, ताकि हिन्दू मतदाताओं के एक हिस्से को यह संदेश दिया जा सके कि पार्टी आस्था के मुद्दों पर उदासीन नहीं है। लेकिन इसका एक जोखिम भरा पहलू भी है कि अगर यह रणनीति ज्यादा आक्रामक हुई, तो पार्टी के परंपरागत मुस्लिम वोट बैंक में भ्रम की स्थिति बन सकती है, खासकर तब, जब असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी भी उत्तर प्रदेश के मुस्लिम मतदाताओं में अपनी पैठ बढ़ाने की कोशिश में जुटी है। कांग्रेस के लिए यह मामला भाजपा शासित राज्य में भ्रष्टाचार के आरोप को उठाने और राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में बने रहने का एक अवसर भर है, जिसका सीधा चुनावी आधार उत्तर प्रदेश में उतना मजबूत नहीं माना जाता। दूसरी ओर, भाजपा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की रणनीति साफ नजर आती है। जांच में तेजी दिखाकर और कड़ी कार्रवाई करके यह संदेश देना कि सरकार आस्था के मुद्दों पर किसी को बख्शने वाली नहीं है, और साथ ही विपक्षी दलों के पुराने इतिहास को उभारकर बहस की दिशा मोड़ना। मथुरा और लोहिया जैसे प्रतीकों का इस्तेमाल करके बीजेपी ने मंडल के साथ कमंडल की राजनीति को भी साधना शुरू कर दिया है। कुल मिलाकर, अयोध्या का यह प्रकरण अब केवल एक आपराधिक जांच नहीं, बल्कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले आस्था, पहचान और जातीय समीकरणों की एक बड़ी सियासी लड़ाई का केंद्र बिंदु बन चुका है, जिसका असर आने वाले महीनों में और गहराता दिख सकता है।

# ड्रग्स माफिया पर त्री-स्तरीय वार : पहचान, प्रहार और पूर्ण सफाया

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना तभी साकार हो सकता है, जब देश की युवा शक्ति सुरक्षित, स्वस्थ और उत्पादक बनी रहे। यही कारण है कि केंद्र सरकार ने अब नशे के खिलाफ लड़ाई को केवल कानून-व्यवस्था का विषय न मानकर राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता और भविष्य की पीढ़ियों की रक्षा का अभियान बना दिया है। इसी सोच के साथ जारी "मादक पदार्थ नियंत्रण विज़न डॉक्यूमेंट 2026-2029" यह संकेत देता है कि अब कार्रवाई का लक्ष्य पूरे नार्को इकोसिस्टम को जड़ से खत्म करना है। पिछले कुछ वर्षों में यह साफ हुआ है कि ड्रग्स कारोबार के तार आतंकवाद, हवाला, संगठित अपराध, सीमा पार तस्करी और डिजिटल अपराधों से जुड़ चुके हैं। ऐसे में यदि कार्रवाई केवल छोटे तस्करों तक सीमित रहे तो समस्या का समाधान संभव नहीं है। सरकार ने इसी कमजोरी को पहचानते हुए अब "डिटेक्ट, डिसरप्ट और डिस्ट्रॉय" का नया मंत्र दिया है। मोदी सरकार की यह कार्यप्रणाली बताती है कि पहले पूरे नेटवर्क की पहचान होगी, फिर उसकी सप्लाई चेन और वित्तीय तंत्र को तोड़ा जाएगा और अंततः पूरे कार्टेल का स्थायी खात्मा किया जाएगा। इस नई नीति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें अपराधियों के साथ-साथ उनके आर्थिक ढांचे को भी निशाना बनाया गया है। वस्तुतः अब केवल मादक पदार्थ जब्त कर लेना पर्याप्त नहीं माना जाएगा। हवाला नेटवर्क, क्रिप्टो करेंसी के जरिए होने वाले लेन-देन, डार्कनेट पर संचालित कारोबार, बैंक खातों और अवैध संपत्तियों तक कार्रवाई का दायरा बढ़ाया गया है। स्पष्ट है कि सरकार ड्रग्स माफिया की आर्थिक रीढ़ तोड़कर इस कारोबार को असंभव बनाना चाहती है। आज ड्रग्स तस्करी का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। ड्रोन के माध्यम से सीमा पार खेप पहुंचाना, समुद्री मार्गों का इस्तेमाल, कंटेनर तस्करी, ऑनलाइन नेटवर्क और डार्क वेब के जरिए अवैध व्यापार जैसी चुनौतियां पारंपरिक पुलिस व्यवस्था से नहीं सुलझ सकतीं, इसलिए विज़न डॉक्यूमेंट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रियल टाइम डेटा शेयरिंग, तकनीकी खुफिया तंत्र, अपराध मानचित्रण और आधुनिक निगरानी प्रणाली को विशेष महत्व दिया गया है। यह बदलाव बताता है कि सरकार अब अपराधियों से एक कदम आगे रहने की रणनीति पर काम कर रही है। इस अभियान की एक और उल्लेखनीय विशेषता ध्यान में आई है, वह यह है कि इसमें केवल सख्ती नहीं, संवेदनशीलता भी दिखाई देती है। फिर गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट भी कर दिया है, ड्रग्स माफिया के खिलाफ कार्रवाई पूरी तरह कठोर होगी, किंतु नशे की लत के शिकार युवाओं को अपराधी न मानकर उन्हें पीड़ित मनकर उनके पुनर्वास पर बराबर ध्यान दिया जाएगा। यह संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक भी है क्योंकि नशे के खिलाफ स्थायी सफलता गिरफ्तारी से अधिक समाज को नशामुक्त बनाने से मिलेगी। कहना होगा कि सरकार की चार स्तंभों वाली कार्ययोजना इसी व्यापक सोच को दर्शाती है। प्रभावी प्रवर्तन, सिंथेटिक ड्रग्स और रसायनों पर नियंत्रण, नशे की मांग कम करना तथा पुनर्वास और संस्थागत क्षमता निर्माण, इन सभी पहलुओं को समान महत्व दिया गया है। इससे स्पष्ट है कि सरकार समस्या के सामाजिक और मनोवैज्ञानिक पक्ष पर भी काम करना चाहती है। राज्यों की भूमिका को लेकर भी सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है। ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई केवल केंद्र सरकार नहीं जीत सकती। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स को अधिक संसाधन, एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय, मजबूत चार्जशीट और जवाबदेह व्यवस्था पर जोर बताता है कि अब परिणाम आधारित कार्य संस्कृति विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। यदि राज्यों में यह व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू होती है तो ड्रग्स नेटवर्क पर लगातार दबाव बनाए रखना संभव होगा। विशेष एनडीपीएस अदालतों के गठन पर दिया गया जोर भी स्वागतयोग्य है। अक्सर वर्षों तक मुकदमे लंबित रहने से अपराधियों का मनोबल बढ़ता है। यदि जांच के साथ त्वरित सुनवाई और शीघ्र सजा सुनिश्चित होती है तो इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी व्यापक होगा और ड्रग्स कारोबार में शामिल लोगों के लिए कानून का डर बढ़ेगा। सरकार ने सीमाओं से लेकर गांवों तक निगरानी मजबूत करने की जो योजना बनाई है, वह भी महत्वपूर्ण है। सीमावर्ती गांव, बंदरगाह, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और संवेदनशील जिलों में तकनीकी निगरानी तथा कम्युनिटी पुलिसिंग का विस्तार इस बात का संकेत है कि अब तस्करी के हर संभावित मार्ग पर नजर रखी जाएगी। साथ ही अवैध अफीम और अन्य मादक फसलों की खेती के खिलाफ बढ़ती कार्रवाई यह दर्शाती है कि सरकार उत्पादन के स्रोत पर भी समान सख्ती बरत रही है। ड्रग्स के खिलाफ समाज की भागीदारी को अभियान का आधार बनाना भी दूरदर्शी कदम है। माता-पिता, शिक्षक, शिक्षण संस्थान, युवा संगठन और सामाजिक संस्थाएं यदि इस लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभाते हैं तो नशे की मांग स्वतः घटेगी।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: राजेश मोहन सहाय; धनबाद ब्यूरोचीफ: राजीव रंजन। बिहार प्रभारी: संतोष श्रीवास्तव. Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159



## संक्षिप्त समाचार

### वेतन न मिलने से भुखमरी के कगार पर गोमिया और चास के चौकीदार-दफादार, आंदोलन की चेतावनी

**बोकारो :** झारखंड राज्य दफादार चौकीदार पंचायत के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण दयाल सिंह ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है। उन्होंने बताया कि गोमिया अंचल के चौकीदार-दफादारों को पिछले पांच महीनों से और चास अंचल के कर्मियों को चार महीनों से वेतन नहीं मिला है। इसके कारण इन कर्मचारियों के समक्ष भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है और उनके बच्चों की पढ़ाई-लिखाई भी प्रभावित हो रही है। जब भी कर्मचारी अंचल पदाधिकारी या नाजिर से मिलते हैं, तो उन्हें जल्द भुगतान का आश्वासन देकर टाल दिया जाता है।

प्रदेश अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि झारखंड सरकार के गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा 13 अप्रैल 2026 को ही उपायुक्त को वेतन भुगतान के लिए आवंटन उपलब्ध करा दिया गया है। चंदनकियारी, चंद्रपुरा, नावाडीह, पेटरवार, कसमार और जरीडीह अंचल में भुगतान हो भी चुका है, परंतु गोमिया और चास अंचल के अधिकारियों की मनमानी के कारण यहां के कर्मचारी अब भी वंचित हैं। संगठन ने बोकारो उपायुक्त से मांग की है कि जब तक चौकीदार-दफादारों का वेतन नहीं मिल जाता, तब तक दोनों अंचलों के सीओ और नाजिर के वेतन भुगतान पर रोक लगाई जाए। यदि इस सप्ताह भुगतान नहीं हुआ, तो संगठन उपायुक्त कार्यालय का घेराव करने को बाध्य होगा। इसके अतिरिक्त, उन्होंने पिछले दस वर्षों से बकाया वर्दी भत्ता देने और सेवा संपुष्टि के बाद भी लंबित एसीपी व एमएसीपी का लाभ शीघ्र प्रदान करने की भी मांग की है।

### हिमांशु हत्याकांड पर भाजपा का अल्टीमेटम, 48 घंटे में कार्रवाई नहीं तो 03 जुलाई को रहेगा जमशेदपुर बंद

**पूर्वी सिंहभूम।** बिष्टुपुर में युवा हिमांशु सिंह की हत्या के बाद राजनीतिक माहौल लगातार गरमाता जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी जमशेदपुर महानगर ने इस मामले में प्रशासन को 48 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय के भीतर सभी आरोपितों की गिरफ्तारी और दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो 03 जुलाई को जमशेदपुर बंद किया जाएगा। इसके पहले 02 जुलाई को शहर के सभी मंडल क्षेत्रों में मशाल जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। बुधवार को भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा के नेतृत्व में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में हुई हत्या ने शहर की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पार्टी का आरोप है कि जमशेदपुर में हत्या, लूट, चोरी, चाकूबाजी, अवैध नशे और अन्य आपराधिक गतिविधियों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे आम लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ी है। मीडिया से बातचीत में भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि एक ओर सरकार नशा मुक्ति अभियान की बात करती है, वहीं दूसरी ओर शराब दुकानों की संख्या बढ़ाने और देर रात तक उन्हें खुला रखने जैसे फैसले लिए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों के कारण अपराधियों और नशे के कारोबारियों का मनोबल बढ़ा है। संजीव सिन्हा ने कहा कि पुलिस की मौजूदगी में एक युवक की हत्या हो जाना प्रशासनिक विफलता का स्पष्ट उदाहरण है। उनका कहना था कि यदि अपराधियों में कानून का भय होता तो ऐसी घटना नहीं होती। उन्होंने दोहराया कि भाजपा हिमांशु सिंह को न्याय दिलाने और शहर में बेहतर कानून-व्यवस्था बहाल कराने के लिए आंदोलन जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन ने जनभावनाओं की अनदेखी की तो भाजपा जनता के सहयोग से व्यापक आंदोलन करेगी। पार्टी का दावा है कि 03 जुलाई का प्रस्तावित जमशेदपुर बंद पूरी तरह शांतिपूर्ण होगा, लेकिन इसकी जिम्मेदारी राज्य सरकार और प्रशासन की होगी।

### सफाईकर्मियों को सरकार के तय मानक के अनुसार मिले वेतन : सरयू राय

**पूर्वी सिंहभूम।** जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने सफाई व्यवस्था और सफाईकर्मियों के वेतन भुगतान को लेकर झारखंड सरकार तथा संबंधित निकायों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। बुधवार को सोनारी के कुंज नगर क्षेत्र का निरीक्षण करने पहुंचे सरयू राय ने अपने प्रतिनिधि मुकुल मिश्रा के साथ सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और सफाईकर्मियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि जहां 50 सफाईकर्मियों की तैनाती होनी चाहिए, वहां केवल 32 कर्मचारी ही कार्यरत मिले। उन्होंने कहा कि निर्धारित संख्या से कम कर्मियों के कारण क्षेत्र की साफ-सफाई प्रभावित हो रही है। सफाईकर्मियों ने उन्हें बताया कि उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित मानक के अनुरूप पूरा वेतन नहीं मिल रहा है और उनके वेतन से पीएफ तथा ईएसआई के नाम पर कितनी राशि काटी जाती है, इसकी भी जानकारी उन्हें नहीं दी जाती। सरयू राय ने कहा कि वर्षों से सफाई व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। उन्होंने जेएनएसी से सफाईकर्मियों की संख्या और व्यवस्था पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। साथ ही बताया कि जल्द ही कदमा और मानगो का भी दौरा कर वहां सफाई व्यवस्था, कर्मियों की उपस्थिति और ठेका प्रणाली की समीक्षा करेंगे, ताकि शहर में बेहतर और जवाबदेह सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

### केवल तबादलों से नहीं, जवाबदेही तय कर बहाल हो जनता का भरोसा : डॉ पवन

**पूर्वी सिंहभूम।** करणी सेना के नेता हिमांशु सिंह की हत्या को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर जारी है। इसी कड़ी में एनसीपी (नगर निकाय) के राष्ट्रीय महासचिव डॉ पवन पांडेय ने घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक व्यक्ति की हत्या नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था और पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करने वाली घटना है। उन्होंने कहा कि यदि पुलिस की मौजूदगी में और पुलिस वाहन से किसी व्यक्ति को बाहर निकालकर उस पर जानलेवा हमला कर हत्या कर दी जाती है, तो आम नागरिकों के मन में अपनी सुरक्षा को लेकर स्वाभाविक रूप से चिंता पैदा होगी। ऐसी घटनाएं कानून के शासन और प्रशासनिक व्यवस्था की विश्वसनीयता को प्रभावित करती हैं। डॉ पांडेय ने कहा कि घटना के बाद कुछ अधिकारियों का तबादला किया गया है, लेकिन केवल तबादले को पर्याप्त कार्रवाई नहीं माना जा सकता। उनका कहना है कि गंभीर मामलों में जिम्मेदारी तय करना और दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करना अधिक आवश्यक है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

### अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत

**पश्चिमी सिंहभूम।** पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात हुए सड़क हादसे में एक युवक की जान चली गई। मनोहरपुर-आनंदपुर मुख्य मार्ग पर उधंन गांव स्थित फॉरेस्ट नाका के समीप अज्ञात वाहन की टक्कर से 40 वर्षीय जगन्नाथ सिंह उर्फ झंझट की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद वाहन चालक वाहन सहित फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उधंन गांव निवासी जगन्नाथ सिंह मंगलवार रात मनोहरपुर से पैदल अपने घर लौट रहे थे। जब वह फॉरेस्ट नाका के पास पहुंचे, तभी पीछे से तेज गति से आए एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही मनोहरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने अज्ञात वाहन और उसके चालक की पहचान के लिए जांच तेज कर दी है। आसपास के लोगों से पूछताछ के साथ-साथ संभावित मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा रही है, ताकि दुर्घटना के जिम्मेदार चालक तक पहुंचा जा सके।

# विश्व एमएसएमई दिवस एवं उद्यमी सम्मान समारोह-2026 का भव्य आयोजन, कई उद्यमी हुए सम्मानित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो :** कांड्रा (चास) स्थित गुरु गोविंद सिंह एजुकेशनल सोसायटी टेक्निकल कैंपस (इंजीनियरिंग एवं मैनेजमेंट कॉलेज) में बुधवार को झारखंड स्मॉल टाइनी सर्विस बिजनेस एंटरप्राइजेज एसोसिएशन (जेएसटीएसबीईए), बोकारो द्वारा चतुर्भुज राजेश्वरी फाउंडेशन के सहयोग से विश्व एमएसएमई दिवस एवं उद्यमी सम्मान समारोह-2026 का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों के उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित करना तथा स्वरोजगार, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना था। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों के सफल उद्यमियों, उद्योग प्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही, जहां उत्कृष्ट कार्य करने वाले 17 उद्यमियों को उद्यमी सम्मान-2026 से नवाजा गया।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती वंदना के साथ हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में टाटा पावर सोलर लिमिटेड के एरिया सेल्स मैनेजर अरविंद कुमार, एमएसएमई एसोसिएशन ऑफ झारखंड के अध्यक्ष शशि भूषण, उद्यमी विकास संघ बोकारो के अध्यक्ष संजय भारती और रांची के उद्योगपति विवेक कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक सह संस्थान अध्यक्ष तरसेम सिंह और संरक्षक सह संस्थान सचिव सुरेंद्र पाल सिंह भी विशेष रूप से मौजूद रहे। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि एमएसएमई क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में इसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संस्थान के अध्यक्ष तरसेम सिंह ने युवाओं से उद्यमिता को रोजगार के सशक्त विकल्प के रूप में अपनाने का आह्वान किया, जबकि सचिव सुरेंद्र पाल सिंह ने कहा कि स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देकर ही रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं। संस्थान के निदेशक डॉ. प्रियदर्शी जरुहार ने अपने वक्तव्य में विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देते हुए निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। जेएसटीएसबीईए के प्रदेश अध्यक्ष कुंदन उपाध्याय और जीजीईएस की प्रशासनिक व कानून अधिकारी एडवोकेट पल्लवी प्रसाद ने भी सभी सम्मानित उद्यमियों को बधाई दी और कार्यक्रम की सफलता की सराहना की। इस आयोजन में कॉलेज के सभी शिक्षक और छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रो. (डॉ.) मनोजीत डे द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया, जिसके बाद राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

## बोकारोः 4-5 माह से वेतन लंबित, चौकीदार-दफादारों ने आंदोलन की चेतावनी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो।** गोमिया अंचल के चौकीदार-दफादारों का पांच माह और चास अंचल के कर्मियों का चार माह से वेतन लंबित होने का मामला सामने आया है। झारखंड राज्य दफादार चौकीदार पंचायत ने आरोप लगाया है कि वेतन नहीं मिलने से कर्मचारियों के समक्ष आर्थिक संकट गहरा गया है और बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है।

संगठन का कहना है कि राज्य सरकार ने 13 अप्रैल 2026 को वेतन भुगतान के लिए आवंटन जारी कर दिया था, लेकिन गोमिया और चास अंचल में अब तक भुगतान नहीं हुआ, जबकि जिले के अन्य अंचलों में वेतन जारी किया जा चुका है। संगठन ने इसके लिए संबंधित अंचल पदाधिकारियों और नाजिर को जिम्मेदार ठहराया है।

पंचायत ने उपायुक्त से मांग की है कि लंबित वेतन का शीघ्र भुगतान कराया जाए। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि इस सप्ताह के भीतर भुगतान नहीं हुआ तो जिला मुख्यालय पर घेराव किया जाएगा।

संगठन ने यह भी मांग की है कि चौकीदार-दफादारों को लंबित एसीपी/एमएसीपी का लाभ तथा करीब 10 वर्षों से बकाया वर्दी भत्ता भी शीघ्र उपलब्ध कराया जाए।

यह बयान झारखंड राज्य दफादार चौकीदार पंचायत के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण दयाल सिंह की ओर से जारी किया गया।

# डॉक्टर्स डे और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे पर चिकित्सक और सीए दंपत्ति सम्मानित

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

श्री राम भरत मिलाप समिति की ओर से बुधवार को डोरंडा बाजार स्थित समिति कार्यालय में डॉक्टर्स डे और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे के अवसर पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान चिकित्सक और चार्टर्ड अकाउंटेंट दंपत्ति को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही मासिक निःशुल्क एक्यूप्रेशर और नेचुरल थेरेपी शिविर का विधिवत शुभारंभ भी किया गया, जो प्रत्येक माह की एक से 15 तारीख तक संचालित होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए समिति के अध्यक्ष रोहित शारदा ने कहा कि स्वास्थ्य और आर्थिक व्यवस्था, दोनों ही समाज के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि डॉक्टर और चार्टर्ड अकाउंटेंट अपने-अपने क्षेत्र में समर्पण के साथ समाज की सेवा कर रहे हैं, इसलिए दोनों का योगदान सम्माननीय है। कार्यक्रम में नेचुरल थेरेपी विशेषज्ञ अभय बरनवाल, डॉ आनंद बर्मन और चार्टर्ड अकाउंटेंट दंपति मयूर शारदा और खुशबू शारदा को सम्मानित किया गया। अभय बरनवाल ने बताया कि शिविर में मेथी दाना, कलर थेरेपी और मैग्नेट थेरेपी के माध्यम से उपचार किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री नम्रता सोनी ने किया। इस अवसर पर बीके विजय, सरदार अशोक सिंह, हरिप्रसाद विजयवर्गीय, महेश विजय सहित समिति और विभिन्न सामाजिक संगठनों के कई पदाधिकारी मौजूद थे।

## पुलिस मुखबिरों की हत्या मामले में हाई कोर्ट ने पूर्व विधायक पॉलस सुरिन और नक्सली जेठा कच्छप को किया बरी

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

झारखंड उच्च न्यायालय ने खूंटी जिले के तोरपा थाना क्षेत्र में वर्ष 2013 में पुलिस मुखबिर होने के आरोप में भुषण कुमार सिंह और राम गोबिंद की हत्या के मामले में फैसला सुनाते हुए सजायाफ्ता पूर्व विधायक पौलूस सुरीन और नक्सली जेठा कच्छप को बरी कर दिया है। अदालत ने दोनों की ओर से निचली अदालत के फैसले के खिलाफ दायर क्रिमिनल अपील स्वीकार करते हुए आजीवन कारावास की सजा को निरस्त कर दिया। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई। दोनों पक्षों की दलीलें पूरी होने के बाद न्यायालय ने फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसे बुधवार को सुनाया गया। खंडपीठ ने साक्ष्यों और पक्षकारों की दलीलों पर विचार करने के बाद दोनों अपीलकर्ताओं को दोषमुक्त कर दिया। गौरतलब है कि इससे पहले रांची की अपर न्यायायुक्त दिनेश कुमार की अदालत ने इस दोहरे हत्याकांड में पौलूस सुरीन और जेठा कच्छप को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। अदालत ने जेठा कच्छप पर 45 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया था तथा जुर्माना अदा नहीं करने की स्थिति में एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतने का आदेश दिया था। अभियोजन के अनुसार, वर्ष 2013 में खूंटी जिले के तोरपा क्षेत्र में पुलिस मुखबिर होने के आरोप में भुषण कुमार सिंह और राम गोबिंद की उनके घर के सामने बने चबूतरे पर अंधाधुंध गोलीबारी कर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के संबंध में कर्रा थाना में कांड संख्या 27/2013 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में पूर्व विधायक पौलूस सुरीन, नक्सली जेठा कच्छप, कृष्णा महतो, पीएफएलआई सुप्रीमो दिनेश गोप सहित अन्य आरोपितों के विरुद्ध आरोपपत्र दाखिल किया था। मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष ने अपने आरोपों के समर्थन में 12 गवाहों के बयान दर्ज कराए, जबकि बचाव पक्ष की ओर से एक गवाह पेश किया गया। झारखंड उच्च न्यायालय के इस फैसले के बाद इस बहुचर्चित दोहरे हत्याकांड में पौलूस सुरीन और जेठा कच्छप को राहत मिल गई है। हालांकि मामले में अन्य आरोपितों के विरुद्ध न्यायिक प्रक्रिया पूर्व निर्धारित कानूनी प्रावधानों के अनुसार जारी रहेगी।

# बोकारो स्टेशन पर आधी रात को आरपीएफ का बड़ा एक्शन, पटना-रांची ट्रेन से 11 मासूमों का रेस्क्यू, बाल तस्करी की बड़ी साजिश नाकाम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो :** झारखंड और बिहार के बीच सक्रिय बाल तस्करों के एक बड़े अंतरराज्यीय नेटवर्क को ध्वस्त करते हुए बोकारो रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मंगलवार की देर रात रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और चाइल्डलाइन की संयुक्त टीम ने पटना-रांची एक्सप्रेस ट्रेन में अचानक छापेमारी कर 11 मासूम बच्चों को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया। इस कार्रवाई से स्टेशन परिसर और ट्रेन के भीतर अफरा-तफरी मच गई। रेस्क्यू किए गए सभी बच्चों को तत्काल बाल कल्याण समिति, बोकारो के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

पूछताछ में सामने आया कि रेस्क्यू किए गए सभी बच्चे बिहार के अररिया जिले के सुदूर ग्रामीण इलाकों के रहने वाले हैं, जिनकी उम्र 12 से 17 वर्ष के बीच है। डरे-सहमे बच्चों ने बताया कि उनके ही गांव के दो युवक उन्हें रांची में रेलवे में नौकरी दिलाने का झांसा देकर साथ ले जा रहे थे। इस मामले का सबसे संवेदनशील पहलू यह है कि इन 11 बच्चों में से अधिकांश को अपना नाम तक लिखना नहीं आता है। तस्करों ने बच्चों की इसी शैक्षणिक और सामाजिक लाचारी का फायदा उठाकर उन्हें अपने जाल में फंसाया था।

बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष श्रीमती लीलावती देवी ने मामले पर कड़ा रुख अपनाते हुए दो-टूक चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि बच्चों को बिहार से रांची ले जाने के पीछे के असली मकसद की गहन विधिक जांच की जा रही है। यदि इसमें किसी अंतरराज्यीय संगठित गिरोह की संलिप्तता पाई गई, तो दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई कर उन्हें सीधे जेल भेजा जाएगा। समिति ने बच्चों के सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रखते हुए उन्हें अस्थायी देखभाल के लिए बाल देखभाल संस्थान भेज दिया है। इन पीड़ित बच्चों के पुनर्वास के लिए जिला प्रशासन इन्हें यूनिसेफ के पासपोर्ट टू अर्निंग (पी2ई) विशेष कार्यक्रम से जोड़ने जा रहा है। इस आधुनिक कार्यक्रम के तहत बच्चों को जीवन-कौशल, डिजिटल और वित्तीय साक्षरता की ट्रेनिंग दी जाएगी, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। सीडब्ल्यूसी ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी बच्चे को संदिग्ध स्थिति में देखने पर तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर सूचना दें। इस सफल ऑपरेशन में आरपीएफ, चाइल्ड लाइन और जिला बाल संरक्षण इकाई की भूमिका सराहनीय रही।

## कुजू के दारोगा से सुरक्षा को लेकर डीजीपी को दिया आवेदन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**कुजू।** क्षेत्र के दिगवार निवासी तरुण गिरी ने राज्य के डीजीपी को आवेदन देकर अपनी व्यथा व्यक्त किया है। साथ ही किसी भी अनहोनी को लेकर जानकारी दिया है। उन्होंने डीजीपी को दिए गए आवेदन में कहा है कि कुजू ओपी में कांड संख्या 122/2026 पॉस्को एक्ट जैसे गंभीर धारा में एक प्राथमिकी अभियुक्त बासुदेव गिरी को पकड़कर छोड़े जाने की जानकारी दी। साथ ही इसके सबूत के तौर पर बोंगावार फोरलेन सड़क किनारे स्थित इंडियन होटल के पास के सीसीटीवी फुटेज केस के प्राथमिकी भी उपलब्ध कराया। इसके बाद अज्ञात कारणों से केस के अनुसंधानकर्ता कुजू ओपी के दारोगा अरविंद कुमार सिंह मुझे टारगेट करते हुए व्यक्तिगत दुश्मनी निकालने के लिए झूठे मुकदमे में फंसाकर बर्बाद करने की खुलेआम धमकी दिया है। तरुण गिरी ने कहा है कि कुजू ओपी पुलिस कभी भी मेरी जिन्दगी बर्बाद करने पर तुले हैं। उन्होंने अपनी सुरक्षा व संबंधित केस में अभियुक्त को छोड़े जाने के मामले की जांच कराने का आग्रह किया है।

# तांतरी में स्नान घाट और नाली निर्माण शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**तुपकाडीह (बोकारो) :** जरीडीह प्रखंड तांतरी उत्तर पंचायत के धोवाटांड गांव के जोरिया में स्नान घाट बनाने का काम जोरों पर हो रहा है। बुधवार को मुखिया गिरिन्द्र मिश्रा ने कार्यस्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि इसके साथ साथ मंडल टोला में पीसीसी नाली निर्माण का काम चल रहा है। सभी काम 15 वें वित्त आयोग की राशि से हो रहा है। पंचायत के पूर्वी क्षेत्र में ग्रामीण खेल का मैदान बनाने की मांग कर रहे हैं। मैदान बनाने के लिए विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह ने डीएमएफटी मद से बनाने का आश्वासन दिया है। मौके पर महानंद मल्लाह, दयाशंकर ठाकुर, संजय महतो, उमेश ठाकुर आदि मौजूद रहे।

# आईसीएआई के 78 वें स्थापना दिवस पर रांची शाखा में रक्तदान शिविर और पौधारोपण कार्यक्रम

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

दि इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के 78 वें स्थापना दिवस के अवसर पर आईसीएआई की रांची शाखा ने बुधवार को शाखा परिसर में आईसीएआई का ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर राष्ट्र निर्माण, सामाजिक सेवा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए शाखा पौधारोपण अभियान का शुभारंभ, रक्तदान शिविर, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। ध्वजारोहण के बाद रांची शाखा के अध्यक्ष सीए अनीश जैन ने कहा कि आईसीएआई केवल एक पेशेवर संस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की सशक्त भागीदार है। उन्होंने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट्स वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और सुशासन के माध्यम से देश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने सभी सदस्यों और सीए विद्यार्थियों से समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए सेवा, पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याण के कार्यों में निरंतर सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि रांची शाखा भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और अधिक सशक्त बनाएगी। स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर और निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन सैमफोर्ड हॉस्पिटल के सहयोग से किया गया। रक्तदान शिविर में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और सीए के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्त का संग्रह कराया। वहीं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में बड़ी संख्या में सदस्यों और उनके परिजनों ने स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ उठाया। पौधारोपण अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर रांची शाखा के पूर्व अध्यक्ष में सीए बिनोद बांका, सीए मनीषा बियानी, सीए महेन्दर जैन, सीए मनीष जैन, सीए उदय जायसवाल, सीए अभिषेक केडिया, सीए प्रवीण शर्मा, सीए पंकज मक्कड़ और सीए संदीप जालान सहित बड़ी संख्या में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं सीए विद्यार्थियों ने उपस्थित होकर विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय योगदान दिया।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159



## संक्षिप्त समाचार

### 112 डायल पुलिस से मारपीट मामले के दो आरोपित गिरफ्तार, एक वारंटी भी भेजा गया जेल

**राजापाकर (हाजीपुर):** राजापाकर थाना पुलिस ने संध्या गश्ती के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए थाना कांड संख्या 315/25 के दो प्राथमिक अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। अपर थाना अध्यक्ष संदीप मंडल के नेतृत्व में पुलिस ने बखरी बराई पंचायत के कल्याणपुर निवासी दिल मोहम्मद (पिता- रजाक शाह) एवं मोहम्मद वजीर शाह (पिता- लालू शाह) को गिरफ्तार कर थाना लाया। पुलिस ने दोनों आरोपितों की कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद स्वास्थ्य जांच के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, राजापाकर भेजा। इसके बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने के लिए गुरुवार को हाजीपुर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। बताया जाता है कि पिछले वर्ष हजरत मोहम्मद साहब की जयंती के अवसर पर आइसक्रीम खरीदने को लेकर हुए विवाद के दौरान 112 डायल पुलिस मौके पर पहुंची थी। आरोप है कि कुछ असामाजिक तत्वों ने पुलिस टीम के साथ मारपीट की थी। घटना की सूचना पर तत्कालीन पुलिस अधीक्षक वैशाली एवं महुआ के डीएसपी भी मौके पर पहुंचे थे। बाद में पुलिस की पहल पर क्षेत्र में शांति व्यवस्था बहाल कराई गई थी। इधर, पुलिस ने एक अन्य वारंटी मुद्रिका रजक (पिता- जंगली रजक), निवासी ग्राम पंचई महेश, को भी बीती रात गिरफ्तार किया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद बुधवार सुबह उसे हाजीपुर न्यायालय भेज दिया गया।

### वैशाली में चार पुलिसकर्मी सेवानिवृत्त, 3 को मिली प्रोन्नति

**हाजीपुर।** वैशाली में चार पुलिसकर्मी सेवानिवृत्त हुए, जबकि तीन पुलिस पदाधिकारियों को प्रोन्नति मिली। वैशाली के पुलिस अधीक्षक शुभांक मिश्रा ने अपने कार्यालय में बुलाकर इन सभी को सम्मानित किया। सेवानिवृत्त हुए पुलिसकर्मियों को एसपी ने रामचरितमानस भेंट कर विदाई दी। इस अवसर पर उन्हें उनके आगे के जीवन के लिए शुभकामनाएं भी दी गईं। वहीं, सार्जेंट से सार्जेंट मेजर के पद पर पदोन्नत हुए तीन पुलिस अधिकारियों को एसपी ने मिठाई खिलाकर बधाई दी। पदोन्नत होने वालों में सार्जेंट नीलेश कुमार सिंह, सार्जेंट संतोष कुमार और सार्जेंट शिल्पा कुमारी शामिल हैं। यह पाइपिंग सेरेमनी पुलिस अधीक्षक कार्यालय हाजीपुर में आयोजित की गई थी। इस दौरान पुलिस कप्तान ने पदोन्नत अधिकारियों के कंधों पर एक सितारा लगाकर उन्हें अलंकृत किया। एसपी ने उन्हें पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पुलिस अधीक्षक शुभांक मिश्रा ने सेवानिवृत्त होने वाले चारों पुलिसकर्मियों को भी आगे के सफर के लिए शुभकामनाएं दीं।

### रोड एक्सीडेंट, 7 लोग घायल, स्कॉर्पियो-बोलेरो की टक्कर, 2 रेफर, शादी में जा रहे थे

**हाजीपुर।** वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र में मायाराम हाट के पास एक सड़क दुर्घटना में 6 से 7 लोग घायल हो गए। यहां स्कॉर्पियो और बोलेरो के बीच जोरदार टक्कर हुई। यह घटना बिदुपुर थाना परिसर से महज 50 मीटर की दूरी पर हुई। जानकारी के अनुसार, बोलेरो में सवार लोग एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही स्कॉर्पियो से उनकी गाड़ी की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। दुर्घटना में 6 से 7 लोग घायल हुए हैं। स्थानीय लोगों की सहायता से सभी घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। गंभीर रूप से घायल दो लोगों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही बिदुपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो और बोलेरो को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

### सदर अस्पताल में कचरे से मिली सरकारी दवाएं-इंजेक्शन विभागीय जांच के बाद एक्सपायर होने की होगी पुष्टि

**हाजीपुर।** हाजीपुर सदर अस्पताल परिसर के पास कचरे के ढेर में बड़ी मात्रा में सरकारी दवाइयां और इंजेक्शन पाए गए हैं। मौके पर मिली कुछ दवाइयों के पैकेट और शीशियों पर अंकित जानकारी के अनुसार, वे प्रथम दृष्टया एक्सपायर नहीं लग रही थीं। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि विभागीय जांच के बाद ही हो पाएगी। स्थानीय निवासियों ने बताया कि काफी समय से अस्पताल के पास मेडिकल सामग्री फेंकी जा रही थी। सूचना मिलने पर जब मौके का मुआयना किया गया, तो कचरे के बीच बड़ी संख्या में दवाइयां और इंजेक्शन बिखरे हुए पाए गए। इस घटना ने अस्पताल की कार्यप्रणाली और मेडिकल कचरा प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह सवाल उठ रहा है कि यदि ये दवाइयां उपयोग योग्य थीं, तो इन्हें मरीजों को उपलब्ध कराने के बजाय कचरे में क्यों फेंका गया? वहीं, यदि इन्हें नष्ट किया जाना था, तो क्या इसके लिए निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं का पालन किया गया था? यह उल्लेखनीय है कि सरकारी अस्पतालों में अक्सर मरीजों को दवाइयां उपलब्ध न होने की शिकायतें मिलती रहती हैं। ऐसे में, कचरे के ढेर में बड़ी मात्रा में सरकारी दवाइयों का मिलना स्वास्थ्य व्यवस्था की पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। अब सभी की निगाहें स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि इस मामले की गहन जांच कराई जाती है या नहीं। यदि किसी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता सामने आती है, तो जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाती है, यह देखना महत्वपूर्ण होगा।

### पिता बोले- 2 लाख के लिए मर्डर, बोरी में मिली बॉडी, गलाने के लिए यूरिया डाला

**मुजफ्फरपुर।** शादी के बाद जिस गाड़ी से बेटी की विदाई हुई थी, उसी कार से ससुराल वालों ने लाश को ठिकाने लगाया है। वे लोग बेटी की हत्या कर फरार है। इनलोगों ने पहले बाइक मांगी थी। मेरी हैसियत स्पलेंडर देने की थी, पर दादाद के जिद पर कर्ज लेकर अपाची बाइक पिछले साल धनतेरस पर दी थी, अब 2 लाख नगद भी मांग रहे थे। कहां से देता। ये बातें मृतका के पिता विनोद राम ने कही है। जिनकी बेटी खुशबू कुमारी की लाश मुजफ्फरपुर में ससुराल से 2 किमी दूर 6 दिन पहले मिली थी। शव बोरी में बंद था। जिसे गलाने के लिए यूरिया का भी इस्तेमाल किया गया था। मामसा गायघाट का है। विनोद राम ने बताया कि खुशबू की शादी 26 फरवरी 2025 को बिट्टू राम के साथ शर्फुद्दीनपुर स्थित राधा-कृष्ण ठाकुर मंदिर में की थी। अगले ही दिन दोनों ने कोर्ट में शादी के लिए रजिस्ट्रेशन भी कराया। परिवार को उम्मीद थी कि बेटी सुखी रहेगी, लेकिन शादी के कुछ ही दिनों बाद उसका जीवन प्रताड़ना में बदल गया। 24 जून को बेटी से संपर्क टूट गया। उसी दिन शादी कराने वाले व्यक्ति ने सूचना दी कि बेटी ससुराल से लापता है। जब हमलोग ससुराल पहुंचे तो घर में ताला लगा था और सभी लोग फरार थे। रिश्तेदारों और आसपास काफी खोजबीन के बाद भी जब खुशबू का पता नहीं चला तो 25 जून को पीयर थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई। इसके बाद पुलिस 5 दिनों तक उसकी तलाश करती रही, लेकिन सोमवार दोपहर करीब 2 बजे सूचना मिली एक लाश मिली है, हमलोग वहां गए तो देखा हमारी बेटी है। विनोद राम ने कहा, मेरी बेटी सात महीने की गर्भवती थी। उसकी हत्या के साथ अजन्मे बच्चे की भी हुई। यह एक नहीं, दो-दो हत्याएं हैं। जिसने अभी दुनिया भी नहीं देखी, उसे भी मार डाला गया। दामाद दिल्ली में राजमिस्त्री का काम करता है और हत्या करने के बाद वापस दिल्ली भाग गया। पिता का कहना है कि आरोपियों का आपराधिक प्रभाव है और डर है कि कहीं मेरी भी हत्या न कर दी जाए। उन्होंने प्रशासन से आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की है।

### श्रावणी मेले में सीसीटीवी से होगी निगरानी

**मुजफ्फरपुर।** मुजफ्फरपुर के बाबा गरीबनाथ धाम में इस बार श्रावणी मेले के दौरान कांवरियों की सुरक्षा व्यवस्था हाईटेक होगी। 30 जुलाई से शुरू होने वाले मेले में पहली बार पहलेजा घाट से लेकर बाबा गरीबनाथ धाम तक सीसीटीवी कैमरों का नेटवर्क तैयार किया जाएगा। इन कैमरों के जरिए पूरे कांवरिया पथ पर 24 घंटे निगरानी रखी जाएगी, जिससे छिनतई, मारपीट या अन्य अप्रिय घटनाओं पर तत्काल कार्रवाई हो सके। जिला प्रशासन ने इसकी तैयारियां तेज कर दी हैं। पहले शहर में प्रवेश के बाद सीमित कैमरे लगते थे, लेकिन इस बार कांवरियों के पहलेजा घाट से जल भरने के साथ ही उनकी पूरी यात्रा कैमरों की निगरानी में रहेगी। नेशनल हाईवे के सुनसान इलाकों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जहां पहले छिनतई जैसी घटनाएं हुई थीं। जिला प्रशासन के अनुसार, सभी प्रमुख कैमरों को स्मार्ट सिटी के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जोड़ा जाएगा। अनुमंडल कार्यालय और जिला कंट्रोल रूम से भी इनकी निगरानी होगी।

# पटना में शराबियों को लेकर लौट रही टीम पर फायरिंग

एजेंसी, पटना

- पालीगंज में मध निषेध विभाग ने की छापेमारी, अज्ञात हमलावर फरार, सभी जवान सुरक्षित

पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल में मंगलवार देर रात मध निषेध विभाग की टीम पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। अख्तियारपुर पुल के पास विभाग के वाहन पर अज्ञात हमलावरों ने फायरिंग कर दी। घटना के समय वाहन में मौजूद जवान और अन्य कर्मी बाल-बाल बच गए।

**शराबियों को लेकर लौटते समय हुई फायरिंग:** पालीगंज अनुमंडल के आबकारी विभाग के अधिकारी बैद्यनाथ यादव ने बताया, 'विभाग की टीम क्षेत्र के विभिन्न मुसहरी इलाकों में शराबबंदी कानून के तहत छापेमारी कर रही थी। महाराजगंज मुसहरी से कुछ शराबियों को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार लोगों को लेकर टीम वापस लौट रही थी। इसी दौरान अख्तियारपुर पुल के पास वाहन पर अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। गोली वाहन को निशाना बनाकर चलाई गई, लेकिन किसी भी कर्मी को चोट नहीं आई। वाहन में मौजूद होमगार्ड जवान प्रिंस कुमार ने बताया, जब हम सभी लोग शराबी को पकड़ कर थाना ला रहे थे, तभी अचानक से गाड़ी पर फायरिंग हुई। घटना में सभी लोग सुरक्षित बच गए।

**सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस:** घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक सभी हमलावर फरार हो चुके थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पालीगंज थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया, 'देर रात अख्तियारपुर पुल के पास घटना हुई थी। सूचना मिलने पर पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। हालांकि, तब तक सभी अपराधी फरार हो चुके थे। गाड़ी के ऊपर एक फायरिंग हुई है। विभाग के तरफ से लिखित शिकायत मिलने के बाद आगे कार्रवाई की जाएगी।' फिलहाल, पुलिस घटनास्थल के आसपास की जानकारी जुटाने और हमलावरों की पहचान के प्रयास में लगी हुई है।

## भूतपूर्व सैनिक देवनाथ प्रसाद चौहान की 10वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि, मेधावी छात्र-छात्राएं सम्मानित

राजापाकर (हाजीपुर)

राजापाकर प्रखंड के भुवनेश्वर चौक स्थित न्यूटन क्लासेस परिसर में मंगलवार को भूतपूर्व सैनिक एवं समाजसेवी स्वर्गीय देवनाथ प्रसाद चौहान की 10वीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर समाजसेवियों, बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों तथा स्थानीय लोगों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने स्वर्गीय चौहान के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे मृदुभाषी, हंसमुख एवं मिलनसार स्वभाव के व्यक्ति थे। भारतीय सेना में वर्ष 1974 से 1994 तक सेवा देने के बाद उन्होंने अपना जीवन सामाजिक कार्यों के लिए समर्पित कर दिया था। वक्ताओं ने कहा कि 30 जून 2016 को एक सड़क दुर्घटना में उनका असामयिक निधन हो गया, लेकिन समाज के प्रति उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। इस अवसर पर स्वर्गीय चौहान के बड़े पुत्र एवं न्यूटन क्लासेस के निदेशक अमरनाथ चौहान ने वर्ष 2025 की मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मैट्रिक परीक्षा में प्रथम श्रेणी से सफल 37 तथा इंटरमीडिएट परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण 30 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अंचलाधिकारी गौरव कुमार, युवा समाजसेवी अनिल कुमार, मुखिया संघ के जिलाध्यक्ष मंजे लाल राय, पंचायत समिति सदस्य तपसी प्रसाद राय, वरिष्ठ पत्रकार संतोष वर्मा, कमलनाथ चौहान, बजरंग प्रसाद सिंह, गुड्डू सिंह, माधो सिंह, सुनील कुमार, पशुपतिनाथ सिंह, राम प्रवेश राय, अशोक राय सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## पटना समेत 8 जिलों में बारिश, पूरे बिहार में अलर्ट

एजेंसी, पटना

बिहार में मानसून पूरी तरह से एक्टिव है। पटना, बेगूसराय, सीवान, मधेपुरा, सुपौल में सुबह-सुबह बारिश हुई है। दोपहर में गयाजी, बगहा और पूर्णिया में झमाझम बारिश हुई है। आसमान में बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने आज पूरे बिहार में बारिश की संभावना जताई है। पटना समेत 13 जिलों में तेज बारिश का ऑरेज अलर्ट है। जबकि 25 जिलों में यलो अलर्ट है। इन जिलों में हल्की बारिश के आसार हैं। विभाग के मुताबिक, अगले 5 दिनों तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में बादल छाए रह सकते हैं। कई जिलों में बारिश की भी संभावना है। 50 से 60Kmph की रफ्तार से हवा भी चल सकती है। तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट हो सकती है। पिछले 24 घंटों के दौरान खगड़िया, समस्तीपुर, सासाराम और जमुई में झमाझम बारिश हुई। वहीं, औरंगाबाद में बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। वहीं, राजधानी पटना में दिनभर बादल छाए रहे। मंगलवार को कैमूर 38.7 डिग्री सेल्सियस के साथ राज्य का सबसे गर्म जिला रहा। वहीं, सासाराम का अधिकतम तापमान 37.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि, जिन इलाकों में बारिश हुई, वहां तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। पटना का अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रहा। राजधानी में हल्की उमस जरूर रही, लेकिन ठंडी हवा चलने से लोगों को काफी राहत मिली।

## गठिया से बेहाल कानपुर के बुजुर्गों के लिए बरदान बना कोरी रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम से सत्या में इलाज

सुनील बाजपेई

**कानपुर।** आज विश्व में तेजी बढ़ती हुई बीमारी गठिया के खिलाफ सर्वाधिक सफलता का पूर्ण श्रेय उस अत्याधुनिक कोरी रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम को जाता है ,जिसमें रोबोटिक टोटल नी यानी घुटना रिसरफ्रेसिंग के प्रयोग के फलस्वरूप केल छोटा चीरा ही लगता है। रक्तस्राव भी कम होता है। मांस पेशियों को भी कोई नुकसान नहीं होता। उनका पूरी तरह से बचाव होता है। साथ ही फ़िज़ीओथेरपी भी नहीं करानी पड़ती। उससे भी बचाव होता है। यह तकनीक मरीज को न केवल तुरंत चलने फिरने में बल्कि कम पर वापस जाने में भी सफलता प्रदान करती है। जहां तक तकनीक के अंतिम परिणाम का सवाल है। मरीज का घुटना वैसा ही नॉर्मल होता है, जैसा कि कभी जवानी में हुआ करता था। यह दावा यहां एक पत्रकार वार्ता में गठिया के खिलाफ सामाजिक चेतना के इरादे से जानी मानी स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मनीषा अग्रवाल की मौजूदगी में लगभग 25 हजार से ज्यादा सर्जरी करके एक बड़ा कीर्तिमान स्थापित करने वाले बर्रा 6 स्थित सत्य हॉस्पिटल के डायरेक्टर और जाने माने प्रत्यारोपण और चर्चित रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट विशेषज्ञ डॉ. अमित कुमार अग्रवाल ने किया।

अत्याधुनिक कोरी रोबोटिक तकनीक से रियल टाइम टोटल नी (घुटना) रिसरफ्रेसिंग की सुविधा विश्व स्तरीय आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण सत्या हॉस्पिटल में भी उपलब्ध होने की जानकारी देते हुए रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट विशेषज्ञ डॉ.अमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि यह आधुनिक तकनीक प्रत्येक मरीज की शारीरिक संरचना के अनुसार व्यक्तिगत सर्जिकल योजना बनाने में सहायता करती है तथा ऑपरेशन के दौरान वास्तविक समय (रियल टाइम) में सटीक जानकारी भी उपलब्ध कराती है।

एक सवाल के जवाब में गठिया, नी रिप्लेशमेंट, हिप रिप्लेशमेंट, आर्थोस्कोपिक सर्जरी जैसे जटिल ऑपरेशन कर मरीजों को शत प्रतिशत लाभ पहुंचाने वाले डॉक्टर ए के अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि रोबोट स्वयं ऑपरेशन नहीं करता, बल्कि सर्जन के नियंत्रण में कार्य करते हुए सर्जरी की सटीकता बढ़ाने में सहायता करता है। बूढ़े व वृद्ध लोगों के गठिया जैसी बीमारी का सफल घुटना प्रत्यारोपण या अन्य ऑपरेशन से उन्हें न केवल अपनी सामान्य जिदंगी प्रदान करने बल्कि उन्हें नौजवान भी महसूस कराने वाले विश्व प्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉक्टर एके अग्रवाल ने बताया कि इस नई तकनीक के प्रयोग से छोटा चीरा, कम रक्तस्राव, मांस पेशियों को बचाव, फ़िज़ीओथेरपी से बचाव, तुरंत चलना व काम पर वापस जाना तथा जवानी के दिनों जैसा पूरी तरह नोर्मल घुटना प्राप्त करने जैसे अनेक लाभ होते हैं। उन्होंने बताया कि सत्या हॉस्पिटल में कोरी सिस्टम द्वारा प्रथम रोबोटिक घुटना रिसरफ्रेसिंग लंबे समय से गंभीर घुटना गठिया से पीड़ित चलने फिरने में असमर्थ 75 वर्षीय सुश्री सतीश सचदेवा का सफलतापूर्वक किया गया। उनकी पुनर्वास प्रक्रिया चिकित्सकीय निगरानी में प्रारम्भकी जाएगी। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि रोबोटिक तकनीक आधुनिक जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी में सटीकता और व्यक्तिगत उपचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में मीडिया प्रतिनिधियों को भी सी ओ आर आई रोबोट का लाइव प्रदर्शन एवं इसकी कार्यप्रणाली भी दिखाई गई।

# हाईवे पर तैनात होंगी 100 नई एंबुलेंस स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार का ऐलान

एजेंसी, पटना

- कहा– अस्पतालों में सीसीटीवी लगाएंगे, मैं स्वयं नजर रखूंगा

बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कई बड़े ऐलान किए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही नेशनल हाईवे और स्टेट हाईवे पर 100 नई एंबुलेंस तैनात करेगी, ताकि कहीं भी सड़क हादसा हो तो राहत और उपचार की सुविधा तेजी से उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने बताया कि सड़क हादसों में बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राज्य में ट्रॉमा केयर व्यवस्था को भी मजबूत किया जा रहा है। इसके तहत 11 लेवल-3 ट्रॉमा सेंटर और 5 लेवल-3 अस्पताल विकसित करने की योजना पर काम चल रहा है।

**सरकारी अस्पतालों में लगेंगे CCTV कैमरे, स्वयं करेंगे निरीक्षण:** स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में चरणबद्ध तरीके से सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वह स्वयं भी अस्पतालों का निरीक्षण करेंगे और कंट्रोल रूम से व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे। यदि कहीं कोई अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

**504 दवाओं का लक्ष्य, अभी 350 उपलब्ध:** दवाओं की उपलब्धता को लेकर स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि विभाग ने सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में 504 प्रकार की दवाएं उपलब्ध कराने का लक्ष्य तय किया है। फिलहाल करीब 350 दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अस्पतालों और मेडिकल दुकानों से दवाओं के नमूने लेकर उनकी गुणवत्ता की नियमित जांच कराई जाए।

**मशीन खराब या दवा नहीं मिले तो दें सूचना:** स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यदि किसी अस्पताल में दवाएं उपलब्ध नहीं हैं या कोई मशीन खराब है, तो इसकी सूचना तत्काल स्वास्थ्य विभाग को दी जाए, ताकि बिना देरी के आवश्यक कार्रवाई की जा सके। सरकार का दावा है कि इन कदमों से आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं और सरकारी अस्पतालों की कार्यप्रणाली में सुधार लाया जाएगा।

## पवन सिंह ने एमएलसी पद की शपथ ली

एजेंसी, पटना

बिहार विधान परिषद की 10 सीटों पिछले दिनों पर MLC निर्वाचित हुए। इन नवनिर्वाचित MLC को लेकर बिहार विधान परिषद के एनेक्सी में शहथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। सबसे पहले भोजपुरी एक्टर पवन सिंह ने MLC पद की शपथ ली। इसके बाद स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार, संजय मयूख, सुनिल कुमार सिंह समेत 10 MLC ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। सभापति अवधेश नारायण सिंह ने नवनिर्वाचित MLC को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में सीएम सम्राट चौधरी, सभापति अवधेश नारायण सिंह, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव मौजूद रहे। मंच पर डिप्टी सीएम विजय चौधरी के बगल में तेजस्वी यादव बैठे दिखे।

बता दें कि 20 दिन पहले बीजेपी से 4, जेडीयू से 4, एलजेपी (आर) और राजद से 1-1 कैंडिडेट्स ने निर्विरोध जीत हासिल की थी। हालांकि, मंत्री दीपक प्रकाश को NDA ने MLC नहीं बनाया। उनके मंत्री पद को लेकर कई कयास भी लगाए गए। दरअसल, 10 सीटों के लिए कुल 10 उम्मीदवारों ने ही नामांकन दाखिल किया था। सभी 10 निर्विरोध चुने गए थे।

ललन प्रसाद जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ और जमीनी स्तर के नेता हैं। इस चुनाव में उन्हें सबसे हाई-प्रोफाइल सीट दी गई थी। वे बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार द्वारा खाली की गई सीट पर निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

## दानापुर में नमकीन दुकान से लाखों की चोरी, दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे

एजेंसी, पटना

- लाखों के गहने-80 हजार कैश ले उड़े, एक संदिग्ध हिरासत में

पटना के दानापुर थाना क्षेत्र के तकियापर निचली रोड स्थित कृष्णा नमकीन कॉर्नर में मंगलवार देर रात चोरी की घटना हुई। चोरों ने दुकान का दरवाजा तोड़कर गल्ले से करीब 80 हजार रुपये नकद और लाखों रुपये मूल्य के सोने के जेवरात चुरा लिए। यह घटना पुलिस चौकी से लगभग एक हजार गज की दूरी पर हुई है।

**80 हजार कैश, लाखों के गहने ले उड़े चोर:** दुकान की संचालिका अर्चना कुमारी ने बताया, 'मंगलवार रात करीब 11 बजे दुकान बंद कर वह अपने घर के ऊपरी हिस्से में सोने चली गई थीं। बुधवार सुबह करीब 6 बजे दुकान पहुंचने पर उन्होंने देखा कि दुकान के दरवाजे का एक पल्ला उखड़ा हुआ था। अंदर देखने पर गल्ले से लगभग 80 हजार रुपये नकद और एक शीशे की बोतल में रखे सिक्के गायब मिले। जांच करने पर पता चला कि ग्राहकों द्वारा सुरक्षित रखने के लिए दिए गए करीब 5 से 6 लाख रुपये मूल्य के सोने के जेवरात भी चोर अपने साथ ले गए थे। घटनास्थल से कुछ दूरी पर लगे सीसीटीवी कैमरे में तीन संदिग्ध चोरों की तस्वीरें कैद हुई हैं। फुटेज के आधार पर स्थानीय लोगों ने एक संदिग्ध युवक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई की। सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और युवक को भीड़ से छुड़ाकर थाने ले गई।

## बीएमडी महाविद्यालय में 'कबीर की साहित्य साधना' विषय पर व्याख्यान आयोजित

हाजीपुर

बीएमडी महाविद्यालय, दयालपुर के हिंदी विभाग के तत्वावधान में बुधवार को 'कबीर की साहित्य साधना' विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.तारकेश्वर पंडित ने की। अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. तारकेश्वर पंडित ने कहा कि संसार नश्वर है और जो इस संसार में आया है, उसे एक दिन जाना ही है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व प्राध्यापक एवं हिंदी विभागाध्यक्ष, आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय, शाहपुर पटोरी तथा पूर्व निदेशक, वयस्क शिक्षा, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के डॉ. बिंदेश्वर दास ने कबीर के पदों के माध्यम से गुरु के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कबीर के साहित्य की जितनी आलोचना और विवेचना हुई, उतनी शायद ही किसी अन्य साहित्यकार की हुई हो। कबीर ने स्वयं अपने नाम से कोई ग्रंथ तैयार नहीं किया। बाद में उनके अनुयायियों ने कबीर पंथ की स्थापना की। डॉ. दास ने कहा कि कबीर ने केवल साहित्य साधना नहीं, बल्कि समाज साधना की और सामाजिक चेतना को अपने विचारों का केंद्र बनाया। उन्होंने कहा कि ज्ञान प्राप्त करने के लिए शिष्य को अहंकार त्यागकर गुरु के पास जाना चाहिए, तभी वह सच्चे ज्ञान को ग्रहण कर सकता है। इस अवसर पर डॉ. महर्षि अखिलेश ने भी अपने संबोधन में कबीर के जीवन-वृत्त एवं साहित्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुभाष कुमार ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. पूजा कुमारी ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159



## संक्षिप्त समाचार

### फ्रांस ने ईरान विरोधी रैली पर रोक लगाई

**पेरिस।** फ्रांस ने राजधानी पेरिस में प्रस्तावित ईरान विरोधी रैली पर सुरक्षा कारणों से रोक लगा दी है। यह कार्यक्रम ईरान विरोधी संगठन नेशनल काउंसिल ऑफ रेजिस्टेंस' (एनसीआरआई) की राजनीतिक शाखा द्वारा आयोजित किया जा रहा था लेकिन इसे शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही रद्द कर दिया गया। ईरान की सरकारी समाचार मीडिया संगठन प्रेस टीवी के अनुसार फ्रांसीसी पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी थी कि देश-विदेश में बढ़ते तनाव के बीच इस कार्यक्रम से सुरक्षा जोखिम और हिंसा भड़कने का अंदेशा है। अधिकारियों ने कहा कि हालात "अस्थिर और संवेदनशील" हैं इसलिए रैली की अनुमति नहीं दी जा सकती। एनसीआरआई को ईरान समर्थित संगठन पीपल्स मुजाहिदीन ऑर्गनाइजेशन ऑफ़ ईरान (पीएमओआई/एमकेओ) की राजनीतिक शाखा माना जाता है। ईरान सरकार ने इस संगठन को लंबे समय से आतंकवादी संगठन के रूप में नामित किया हुआ है। सुरक्षा रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि ईरान के अपदस्थ शाह के बेटे रेजा पहलवी के राजशाही समर्थक समूह और पीएमओआई समर्थकों के बीच तनाव बढ़ रहा था। खुफिया एजेंसियों ने आशंका जताई कि यह टकराव हिंसक झड़पों में बदल सकता है। रिपोर्टों के अनुसार, कुछ सोशल मीडिया गतिविधियों और वीडियो में हथियारों के प्रदर्शन और धमकियों का भी उल्लेख था, जिसमें प्रदर्शन को रोकने या निशाना बनाने जैसी बातें सामने आईं। इसी के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने हस्तक्षेप करते हुए कार्यक्रम पर रोक लगाने का फैसला लिया। अधिकारियों ने बताया कि हिंसा, बम धमाके की धमकी और सार्वजनिक सुरक्षा पर खतरे को देखते हुए पुलिस ने स्थल के आसपास सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी है। सुरक्षा समीक्षा में यह भी कहा गया कि विभिन्न ईरान-विरोधी गुटों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा और कट्टर बयानबाजी ने स्थिति को और संवेदनशील बना दिया है।इस घटना के बाद फ्रांस में राजनीतिक प्रदर्शन और विदेशी समूहों की गतिविधियों को लेकर सुरक्षा और निगरानी को और सख्त किए जाने की संभावना जताई जा रही है।

### बलोचिस्तान में गैस कंपनी के छह कर्मचारी अगवा

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत में कुछ हथियारबंद लोगों ने मारी गैस कंपनी के छह कर्मचारियों का अपहरण कर लिया। पुलिस ने घटना की पुष्टि की है और कहा कि एजेंसियों ने सुरक्षित रहाई के प्रयास शुरू कर दिए हैं। यह वारदात बलोचिस्तान के जरगुन घर पर्वतीय क्षेत्र में स्थित खनन क्षेत्र शबान दलवानी में हुई है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार अगवा किए गए गैस कंपनी के कर्मचारियों में जलात खान, मोहम्मद हाशिम, कमाल खान, जहांगीर खान, मोहम्मद अजीम और रोज खान शामिल हैं। अधिकारियों का दावा है कि सभी को जल्द मुक्त करा लिया जाएगा। बलोचिस्तान का यह पर्वतीय क्षेत्र हाल ही में सुरक्षा अभियानों और खनिकों के अपहरण की घटनाओं के साथ आतंकवाद विरोधी अभियानों के कारण चर्चा में रहा है। यह इलाका प्रांत की राजधानी क्वेटा के पूर्व में स्थित एक ऊबड़-खाबड़ और पहाड़ी क्षेत्र है। हाल ही में यहां एक निजी खनन कंपनी के कई कर्मचारियों का अपहरण हो चुका है। मारी पाकिस्तान की दूसरी सबसे बड़ी गैस उत्पादक कंपनी है। इसका पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज पर कारोबार होता है। कंपनी का मुख्यालय इस्लामाबाद और स्वामित्व फौजी फाउंडेशन (40 प्रतिशत) के पास है। इसमें संघीय सरकार और ऑयल एंड गैस डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (ओजीडीसीएल) की भी हिस्सेदारी है। मारी गैस कंपनी सिंध प्रांत के घोटकी जिले में स्थित मारी गैस फील्ड का संचालन करती है। कंपनी देश के कुल यूरिया उत्पादन का लगभग 80 प्रतिशत गैस उपलब्ध कराती है।

### आईसीएआर पीजी और जेआरएफ/एसआरएफ (पीएचडी) परीक्षा के एडमिट कार्ड जारी

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा (एआईईईए)-पीजी तथा अखिल भारतीय प्रतियोगी परीक्षा (एआईसीई)-जेआरएफ/एसआरएफ (पीएचडी)-2026 के लिए प्रवेश पत्र (एडमिट कार्ड) जारी कर दिए हैं। दोनों परीक्षाएं 4 जुलाई को कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) मोड में आयोजित की जाएंगी। एनटीए की ओर से बुधवार को जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार एआईईईए (पीजी) परीक्षा 4 जुलाई को प्रथम पाली में सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक आयोजित होगी, जबकि एआईसीई-जेआरएफ/एसआरएफ (पीएचडी) परीक्षा उसी दिन द्वितीय पाली में दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। एजेंसी ने बताया कि पात्र अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा शहर की अग्रिम सूचना (एग्जाम सिटी इंटिमेशन स्लिप) 25 जून को पहले ही जारी की जा चुकी है। अब उम्मीदवार अपने लॉगिन क्रेडेंशियल का उपयोग कर आईसीएआर परीक्षा पोर्टल से एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। एनटीए ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे प्रवेश पत्र में दिए गए सभी निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उनका पालन करें। एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि एडमिट कार्ड अस्थायी (प्रोविजनल) रूप से जारी किए गए हैं और यह पात्रता की अंतिम स्वीकृति नहीं मानी जाएगी। पात्रता का सत्यापन प्रवेश प्रक्रिया के आगामी चरणों में किया जाएगा। एनटीए ने यह भी कहा कि प्रवेश पत्र डाक के माध्यम से नहीं भेजे जाएंगे। उम्मीदवारों को एडमिट कार्ड में किसी भी प्रकार का परिवर्तन या छेड़छाड़ नहीं करनी चाहिए तथा भविष्य के संदर्भ के लिए इसकी एक प्रति सुरक्षित रखनी चाहिए। एडमिट कार्ड डाउनलोड करने में किसी भी प्रकार की समस्या आने पर अभ्यर्थी एनटीए हेल्पडेस्क 011-40759000 या 011-69227700 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा icar@nta.ac.in पर ई-मेल भेज सकते हैं। एजेंसी ने उम्मीदवारों से परीक्षा से संबंधित नवीनतम जानकारी के लिए नियमित रूप से एनटीए और आईसीएआर परीक्षा पोर्टल पर नजर बनाए रखने की अपील की है।

### तृणमूल के नाम और चुनाव चिन्ह विवाद पर गुरुवार को आयोग में सुनवाई

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल की सियासत में तृणमूल कांग्रेस को लेकर नया विवाद सामने आया है। खुद को असली तृणमूल बताने वाले ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा गुट ने पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह पर दावा करते हुए केंद्रीय निर्वाचन आयोग का दरवाजा खटखटाया है। इसी मामले में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने गुरुवार को इस गुट को चर्चा के लिए बुलाया है। जानकारी के अनुसार, ऋतब्रत गुट का दावा है कि तृणमूल कांग्रेस के अधिकतर विधायक और नेता उनके साथ हैं। इसी आधार पर उन्होंने हाल ही में दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात कर पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह पर अधिकार की मांग की थी। उस समय आयोग ने मामले की समीक्षा करने की बात कही थी। सूत्रों के मुताबिक, समीक्षा के बाद अब चुनाव आयोग ने गुरुवार दोपहर 12 बजे ऋतब्रत गुट को फिर से बुलाया है। इस दौरान आयोग की फुल बेंच के साथ बैठक होगी। राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि तृणमूल कांग्रेस पर नियंत्रण को लेकर स्थिति जल्द साफ हो सकती है। कुछ दिन पहले कोलकाता के एक पांच सितारा होटल में ऋतब्रत गुट की बैठक हुई थी। इस बैठक में तृणमूल के 64 बागी विधायक और कुछ पूर्व पार्षद शामिल हुए थे। इसी बैठक में पार्टी की नई समिति का गठन किया गया था। इसमें ममता बनर्जी को हटाकर अरूप रॉय को पार्टी का चेयरपर्सन बनाया गया। वहीं, अभिषेक बनर्जी को पार्टी से निलंबित करने का भी फैसला लिया गया। इसके बाद ऋतब्रत गुट ने खुद को असली तृणमूल बताते हुए चुनाव आयोग को नई समिति की सूची सौंपी थी। अब इसी आवेदन के आधार पर आयोग ने दोबारा बैठक के लिए बुलाया है। चुनाव आयोग से बुलावा मिलने के बाद बुधवार को ही बागी विधायक दिल्ली के लिए रवाना हो गए। इस मामले में ऋतब्रत बनर्जी ने कहा कि चुनाव आयोग ने गुरुवार को बैठक के लिए बुलाया है। आयोग की फुल बेंच के साथ चर्चा होगी और उनकी ओर से 10 प्रतिनिधि इसमें शामिल होंगे।

# गरीबों और राज्यों के लिए बोझ साबित होगा वीबी जी राम जी अधिनियमः कांग्रेस

**एजेंसी, नई दिल्ली**

कांग्रेस ने विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी जी राम जी अधिनियम लागू होने पर आरोप लगाया कि इस योजना में केंद्र और राज्य का खर्च का अनुपात 60-40 होने की वजह से यह गरीबों और राज्यों दोनों के लिए बोझ साबित होगी। कांग्रेस सांसद एवं ग्रामीण विकास व पंचायती राज से जुड़ी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष सप्तगिरि उलका ने यहां पार्टी मुख्यालय में बुधवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) मांग आधारित रोजगार देने वाली अधिकार आधारित योजना थी, जबकि नई योजना में राज्यों पर अतिरिक्त वित्तीय दबाव डाल दिया गया है।

उलका ने कहा कि मनरेगा में केंद्र सरकार मजदूरी लागत का लगभग पूरा बजट देती थी और सामग्री लागत में 60-40 का अनुपात होता था। इससे राज्यों पर कम बोझ पड़ता था, लेकिन वीबी जी राम जी में मजदूरी और सामग्री दोनों की लागत 60-40 अनुपात में रख दी गई है। हरियाणा को 984 करोड़ रुपये के आवंटन में 40 प्रतिशत यानी 393 करोड़ रुपये खुद देने होंगे। इतने खर्च के बाद भी केवल 13.78 दिन का रोजगार मिल रहा है। यदि इसे 125 दिन करना हो तो राज्य को लगभग 5,786 करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च करने पड़ेंगे।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार 125 दिन रोजगार देने का दावा करती है, लेकिन फंडिंग गैप यह साबित करता है कि यह दावा केवल जुमला है। नई योजना में ग्राम सभा की भूमिका समाप्त कर दी गई है और अधिकार अधिकारियों को दे दिए गए हैं। मनरेगा में ग्राम सभा तय करती थी कि काम कहां होना चाहिए। साथ ही, मनरेगा में यदि रोजगार की मांग के बाद 15 दिन में काम नहीं मिलता था तो बेरोजगारी भत्ता देने का प्रावधान था, लेकिन वीबी जी राम जी में यह अधिकार भी खत्म कर दिया गया है।

कांग्रेस महासचिव संचार जयराम रमेश ने कहा कि मोदी सरकार ने वीबी जी राम जी योजना और मजदूरी दरों को अधिसूचित कर दिया है। मजदूरों को मिलने वाली दैनिक मजदूरी अन्यायपूर्ण रूप से कम है, जो अधिकतर राज्यों में 300 रुपये प्रतिदिन है। जबकि कांग्रेस ने अपने श्रमिक न्याय अभियान में 400 रुपये राष्ट्रीय न्यूनतम दैनिक मजदूरी का वादा किया था। मोदी सरकार की ओर से गठित डॉ. अनुप सतपथी समिति ने 2019 में ही 375 रुपये प्रतिदिन न्यूनतम मजदूरी की सिफारिश की थी।

जयराम रमेश ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में न्यूनतम मजदूरी को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और ग्रामीण मजदूरी की ठहराव को आर्थिक विकास की बड़ी बाधा माना जा रहा है। ऐसे समय में मजदूरी दरों को कम रखना न केवल मजदूरों के साथ अन्याय है बल्कि यह गलत आर्थिक नीति भी है। उन्होंने कहा कि वे मनरेगा की वापसी के लिए सड़क से संसद तक संघर्ष करेंगे। मनरेगा का मूल स्वरूप अधिकार आधारित और मांग आधारित था, जिसमें हर हाथ को काम और काम का सही दाम देने का वादा किया गया था।

## भ्रष्टाचार और आतंकवाद पर सख्त कानून बने, दोषियों को मिले मृत्युदंड या आजीवन कारावास

**एजेंसी, शिमला**

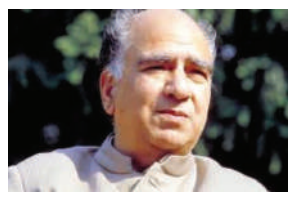

पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने देश में बढ़ते भ्रष्टाचार और आतंकवाद पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इन दोनों गंभीर अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अलग से कड़ा कानून बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में दोषियों के लिए मृत्युदंड अथवा आजीवन कारावास का प्रावधान किया जाए।

बुधवार को जारी एक बयान में शांता कुमार ने कहा कि देश एक ओर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है, वहीं दूसरी ओर भ्रष्टाचार और आतंकवाद जैसी चुनौतियां राष्ट्रीय व्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा रही हैं। उनका आरोप था कि आतंकवादी गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं और हाल में लाल किले के निकट कार बम विस्फोट की कथित साजिश इसका उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं से लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उनके अनुसार, इससे युवाओं का व्यवस्था पर विश्वास कमजोर पड़ रहा है और कई मामलों में मानसिक तनाव जैसी गंभीर परिस्थितियां भी सामने आ रही हैं। शांता कुमार ने हाल की विभिन्न घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि लखनऊ में बच्चों की मौत, तिरुपति के प्रसाद में कथित मिलावट तथा राम मंदिर में कथित अनियमितताओं से जुड़ी खबरों ने लोगों की भावनाओं को आहत किया है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाए बिना विकास की गति का अपेक्षित लाभ देश को नहीं मिल सकेगा।

उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि आतंकवाद और बड़े स्तर के भ्रष्टाचार के मामलों के लिए विशेष कानून बनाया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि आजीवन कारावास की सजा पाने वाले दोषियों के लिए उच्च सुरक्षा वाली अलग जेल स्थापित की जाए, जहां उन्हें जीवनभर रखा जाए। शांता कुमार ने कहा कि देश को भ्रष्टाचार और आतंकवाद जैसी चुनौतियों से बचाने के लिए कठोर कानूनी और प्रशासनिक कदम उठाना समय की आवश्यकता है।

## आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत घूसखोरी मामले में गिरफ्तार

**एजेंसी, नई दिल्ली**

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वतखोरी के एक मामले में आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत को बुधवार को गिरफ्तार किया है। गहलावत वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस), दिल्ली में तैनात हैं। सीबीआई ने बुधवार को बताया कि इस मामले में 8 जून को दिल्ली पुलिस के एक इंस्पेक्टर और दो निजी व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत ने निजी व्यक्तियों से रिश्वत की मांग की थी। उन्होंने दावा किया था कि वह अपने व्यक्तिगत प्रभाव का इस्तेमाल कर पुडुचेरी में नकली दवाओं की बिक्री से जुड़े उन मामलों में राहत दिला सकते हैं, जिनकी जांच सीबीआई कर रही है।

जांच के दौरान सीबीआई ने पहले दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह सहित छह अन्य निजी व्यक्तियों को गिरफ्तार किया था। इस कार्रवाई के दौरान लगभग 25 लाख रुपये की ट्रैप राशि बरामद की गई थी। इसके अलावा करीब 90 लाख रुपये नकद तथा कई आपत्तिजनक दस्तावेज भी जब्त किए गए थे।

सीबीआई के अनुसार, दीपक गहलावत से जुड़े कई ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। तलाशी के दौरान अनेक डिजिटल उपकरण, हार्ड डिस्क, दस्तावेज और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किए गए हैं। एजेंसी ने बताया कि मामले की जांच अभी जारी है और रिश्वतखोरी तथा प्रभाव के दुरुपयोग से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। गिरफ्तार आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत हरियाणा कैडर के 2012 बैच के अधिकारी हैं। इस मामले में पहले गिरफ्तार किए गए प्रदीप सिंह दिल्ली पुलिस में इंस्पेक्टर के पद पर तैनात थे।

# मध्य प्रदेश ने की 24 घंटे नवकरणीय ऊर्जा उपलब्ध कराने की शुरुआत : मोहन यादव

**एजेंसी, भोपाल**

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई दिल्ली में आयोजित प्री-बिड मीटिंग को वर्चुअली किया संबोधित

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्य प्रदेश सरकार ने 24 घंटे नवकरणीय ऊर्जा उपलब्ध कराने की महत्वाकांक्षी परियोजना की शुरुआत कर दी है। मध्य प्रदेश, स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहा है। उन्होंने बताया कि दावोस में की गई घोषणा के अनुरूप प्रदेश, 24 घंटे हरित ऊर्जा देने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 24 घंटे नवकरणीय ऊर्जा परियोजना के लिए मध्य प्रदेश भवन नई दिल्ली में बुधवार को आयोजित प्री-बिड मीटिंग को राजधानी भोपाल स्थित समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) से वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। नई दिल्ली में हुई बैठक में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव तथा विभिन्न कपंनियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

**मध्य प्रदेश का ट्रैक रिकॉर्ड सबसे बेहतरः** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर परियोजना ने देश में सबसे कम सौर टैरिफ स्थापित कर भारत को वैश्विक पहचान दिलाई। शाजापुर-नीमच सोलर पार्कों ने 2.14 रुपये प्रति यूनिट का प्रदेश में सबसे कम टैरिफ अर्जित किया। हाल ही में मुरैना की 4 घंटे की स्टोरेज प्लस परियोजना के लिए 2.70 रुपये प्रति यूनिट पर पीपीए हुआ, यह देश की सबसे प्रतिस्पर्धी ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं में से एक है।

**मध्य प्रदेश है देश का सबसे निवेश मित्र राज्यः** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को पारदर्शी नीतियाँ, त्वरित निर्णय और उत्कृष्ट अधोसंरचना उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने देश-विदेश के निवेशकों से मध्यप्रदेश की ऊर्जा क्रांति के सहभागी बनने का अनुरोध किया।

**ऊर्जा में आत्मनिर्भरता है हमारा लक्ष्यः** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केवल परियोजनाएं स्थापित करना नहीं बल्कि हरित ऊर्जा, ऊर्जा सुरक्षा और सतत विकास के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाना राज्य सरकार का उद्देश्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वास जताया कि रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर परियोजना और सभी हितधारकों के संयुक्त प्रयास से 24 घंटे नवकरणीय ऊर्जा परियोजना भारत की ऊर्जा सुरक्षा और हरित विकास की दिशा में ऐतिहासिक सिद्ध होगी। नई दिल्ली की प्री-बिड मीटिंग में टाटा पॉवर, रिलायंस एनर्जी, टोरेंट पॉवर, जिंदल रिन्युएबल, एन.टी.पी.सी., अडानी ग्रीन्स, हिन्दुस्तान पॉवर, महिंद्रा सिस्टम आदि के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

## 292 बेड की अत्याधुनिक कैंसर यूनिट होगी जल्द शुरू

**एजेंसी, नई दिल्ली**

- पूर्वोत्तर को जल्द मिलेगा बोन मैरो ट्रांसप्लांट व अत्याधुनिक कैंसर उपचार

असम के गुवाहटी में देश के पूर्वोत्तर राज्यों का सबसे बड़ा अस्पताल डॉ. भुवनेश्वर बोरूआ कैंसर संस्थान (बीबीसीआई) में जल्द ही शुरू होने वाली 292 बेड वाली अत्याधुनिक बाल एवं वयस्क हीमेटोलिम्फॉयड कैंसर यूनिट पूर्वोत्तर के हजारों परिवारों के लिए जीवन बदलने वाली है। अब दिल्ली, मुंबई या वेल्लोर जाने की मजबूरी लगभग खत्म हो जाएगी। बोन मैरो ट्रांसप्लांट, उन्नत कीमोथेरेपी, विशेष बच्चों के कैंसर उपचार और आधुनिक आईसीयू जैसी विश्वस्तरीय सुविधाएं अब घर के करीब उपलब्ध होंगी। पूर्वोत्तर में सबसे ज्यादा बोझ वाले ब्लड कैंसर, ल्यूकेमिया और लिम्फोमा से जूझ रहे मरीजों के लिए यह यूनिट एक नई उम्मीद और राहत का प्रतीक बनकर उभर रही है। प्रधानमंत्री डिवेलपमेंट इनिशिएटिव फॉर नॉर्थ ईस्ट (पीएम-डिवाइन) योजना के तहत पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के सहयोग से विकसित हो रही इस परियोजना का काम अब अंतिम चरण में है। निर्माण कार्य की भौतिक प्रगति 78.90 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है और फिनिशिंग का कार्य जारी है। परियोजना के लिए कार्यादेश 31 मई 2023 को जारी किया गया था। जून तक 33.91 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी थी। संस्थान प्रबंधन का लक्ष्य है कि यह सुविधा तय समयसीमा के भीतर मरीजों के लिए उपलब्ध करा दी जाए।

बीबीसीआई के प्रोफेसर सर्जिकल ऑन्कोलॉजी और निदेशक (प्रशासन) डॉ. बिभूति भूषण बोरठाकुर ने हिन्दुस्थान समाचार के साथ बातचीत म कहा कि यह परियोजना पूर्वोत्तर में कैंसर उपचार की दिशा में बड़ा बदलाव लेकर आएगी। नई यूनिट में बच्चों और वयस्कों दोनों के ब्लड कैंसर के इलाज की समर्पित सुविधाएं उपलब्ध होंगी। बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा शुरू होने के बाद पूर्वोत्तर के मरीजों को उपचार के लिए दूसरे राज्यों में जाने की आवश्यकता काफी कम हो जाएगी। रोबोटिक सर्जरी, मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स और अन्य आधुनिक तकनीकों को भी चरणबद्ध तरीके से संस्थान में शामिल किया जा रहा है। यह केंद्र पूरे पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के लिए एक महत्वपूर्ण रेफरल सेंटर के रूप में विकसित होगा। इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता बोन मैरो ट्रांसप्लांट सुविधा है। वर्तमान में ब्लड कैंसर और कुछ गंभीर रक्त संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीजों को इस तरह के उपचार के लिए देश के चुनिंदा केंद्रों में जाना पड़ता है। पूर्वोत्तर में इस सुविधा के उपलब्ध होने से मरीजों को समय पर उपचार मिलेगा और इलाज की सफलता दर में भी सुधार होगा।

## अयोध्या प्रकरण में एसआईटी जांच की समय-सीमा बढ़ाई गई

**एजेंसी, लखनऊ**

- एसआईटी को 15 जुलाई तक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या तीर्थ क्षेत्र में दान प्रकरण की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) की समय-सीमा 15 जुलाई तक बढ़ा दी है। मामले के विभिन्न पहलुओं की गहन छानबीन के लिए एसआईटी ने मुख्यमंत्री से अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया था, जिसे स्वीकार करते हुए उन्होंने एसआईटी को आगामी 15 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। यह जानकारी मुख्यमंत्री कार्यालय से दी गयी है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर एसआईटी का गठन करने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि एसआईटी इस प्रकरण में हर पहलू की सघनता और निष्पक्षता से जांच करते हुए दूध का दूध और पानी का पानी करेगी। दोषियों को किसी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। गत 23 जून को एसआईटी के प्रमुख सदस्य लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने अपना प्रारंभिक प्रतिवेदन गृह विभाग को सौंपा था, जिसमें कठोर संस्तुतियां की गई थीं। इन संस्तुतियों के आधार पर गत 25 जून को ट्रस्ट के सदस्य कृष्णमोहन की लिखित शिकायत पर श्रीराम जन्मभूमि थाने में पहली एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसमें आठ नामजद व अन्य अज्ञात व्यक्तियों को अभियुक्त बनाया गया था। सभी नामजद अभियुक्त गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

# कानपुर-कबरई एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड राजमार्ग को मंजूरी

**एजेंसी, नई दिल्ली**

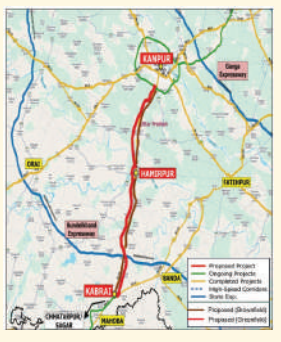


केंद्र सरकार ने भोपाल-कानपुर आर्थिक गलियारे के एक महत्वपूर्ण खंड के रूप में 117.7 किलोमीटर लंबे कानपुर-कबरई एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड राजमार्ग के निर्माण को मंजूरी दे दी है। चार लेन का एक्सेस-कंट्रोल्ड गलियारे की अनुमानित लागत 7145.14 करोड़ रुपये है। इसे भविष्य में छह लेन तक विस्तारित करने की व्यवस्था भी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने बुधवार को इस परियोजना को मंजूरी दी। इस परियोजना को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा बीओटी (टोल) मोड पर कार्यान्वित किया जाएगा। साथ ही एनएच-34 के मौजूदा कानपुर-कबरई खंड का संचालन और रखरखाव भी किया जाएगा।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में पत्रकार वार्ता में इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसे 80-100 किमी प्रति घंटे की परिचालन गति के लिए डिज़ाइन किया जाएगा। कॉरिडोर कानपुर और कबरई के बीच यात्रा समय को 3.5 घंटे से घटाकर 1.5 घंटे (58 प्रतिशत) कर देगा। साथ ही सड़क सुरक्षा में सुधार करेगा, वाहन परिचालन लागत को कम करेगा और यात्री एवं माल यातायात की कुशल आवाजाही को सुगम बनाएगा। परियोजना कानपुर और कबरई के बीच निर्बाध, उच्च गति की कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। साथ ही सागर, भोपाल और मध्य प्रदेश के अन्य हिस्सों तक आगे की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी। इससे उत्तर प्रदेश के औद्योगिक और वाणिज्यिक केंद्रों को मध्य प्रदेश के खनिज-समृद्ध, विनिर्माण और कृषि क्षेत्रों से जोड़ने वाला एक आधुनिक पहुंच नियंत्रित आर्थिक गलियारा बनेगा और इस प्रकार इसमें सुधार होगा।

यह परियोजना एनएच-34, एनएच-35, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, कानपुर रिंग रोड और राज्य राजमार्ग एसएच-46, एसएच-91, एसएच-10बी और एसएच-42 के साथ रणनीतिक संपर्क भी प्रदान करेगी, जिससे क्षेत्रीय राजमार्ग नेटवर्क के साथ एकीकरण मजबूत होगा। यह कॉरिडोर कबरई खनन क्षेत्र से संपर्क को और मजबूत करेगा, खनिजों, औद्योगिक वस्तुओं, निर्माण सामग्री और कृषि उत्पादों की आवाजाही में सुधार करेगा, जिससे रसद दक्षता, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप, यह परियोजना 16 आर्थिक नोड से कनेक्टिविटी में सुधार करेगी, जिनमें उन्नाव, बंथर, पंखी, रनिया, जैनपुर, रूमा, चकेरी, सुमेरपुर और भूरागढ़ औद्योगिक क्षेत्र, ट्रांस गंगा इंटीग्रेटेड टाउनशिप, ग्रोथ सेंटर जयपुर, कानपुर नगर नोड और बंगाल केमिकल्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड शामिल हैं। यह 9 सोशल नोड, अर्थात् फतेहपुर, महोबा, कानपुर जूलॉजिकल पार्क, बुद्ध पार्क, जेके मंदिर और जेके मंदिर से कनेक्टिविटी को भी मजबूत करेगी। गार्डन, राधा कृष्ण मंदिर, सिद्धेश्वर महादेव मंदिर, गोपेश्वर मंदिर और महोबा पर्यटक स्थल, और 10 लॉजिस्टिक नोड, जिनमें कानपुर, घाटमपुर, हमीरपुर, महोबा, कबरई, भरवा सुमेरपुर और बांदा रेलवे स्टेशन, साथ में कानपुर, चकेरी और खजुराहो हवाई अड्डे शामिल हैं।

कुल मिलाकर, पीएम गतिशक्ति के उद्देश्यों को आगे बढ़ाते हुए बुंदेलखंड और उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश के आसपास के क्षेत्रों में रसद प्रतिस्पर्धात्मकता, औद्योगिक विकास और आर्थिक विकास में सुधार करना इसका लक्ष्य है। इस परियोजना से निर्माण के दौरान प्रति लेन प्रति किलोमीटर लगभग 11,188 प्रत्यक्ष और 13,985 अप्रत्यक्ष मानव-दिवस रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2028 तक इसकी वार्षिक औसत दैनिक यातायात (एएडीटी) लगभग 18,069 यात्री कार इकाइयों (पीसीयू) तक पहुंचने का अनुमान है, जो इसके दीर्घकालिक आर्थिक, रसद और परिवहन महत्व को दर्शाता है। इस प्रकार प्रस्तावित परियोजना से लगभग 1.2 करोड़ मानव-दिवस प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होगा।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159



# बेल्जियम दौरे में शीर्ष यूरोपीय टीमों से खेलेगी भारतीय जूनियर हॉकी टीम

▪ डिफेंडर अनमोल करेंगे कप्तानी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय जूनियर पुरुष अंडर-21 हॉकी टीम 5 से 18 जुलाई तक बेल्जियम दौरे पर रहेगी। इसमें डिफेंडर अनमोल इक्का की कप्तानी में 22 सदस्यीय टीम को बेल्जियम, ऑस्ट्रिया, जर्मनी और नीदरलैंड जैसी शीर्ष यूरोपीय टीमों से खेलना है। टीम के नए मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज के मार्गदर्शन में ये भारतीय टीम का पहला दौरा है। इस दौरे से टीम को इस साल के अंत में होने वाले जूनियर एशिया कप की तैयारियों में भी सहायता मिलेगी।

यूरोपीय टीमों के खिलाफ होने वाले इस दौरे में भारतीय टीमके युवा खिलाड़ियों का अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव मिलेगा। यह टीम को अपने संयोजन, रणनीति और खेल के विभिन्न पहलुओं को आंकने का भी

अवसर देगा। इससे युवा खिलाड़ियों को उच्च दबाव वाले मैचों में प्रदर्शन करने की अपनी क्षमता को विकसित करने में मदद मिलेगी, जो भविष्य के बड़े टूर्नामेंटों के लिए अहम है।

इस दौरे पर भारतीय टीम कुल छह चुनौतीपूर्ण मुकाबले खेलेगी। टीम ऑस्ट्रिया और मेजबान बेल्जियम के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी, जबकि जर्मनी और नीदरलैंड जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ एक-एक मुकाबला होगा। भारतीय टीम 7 और 8 जुलाई को– ऑस्ट्रिया, 10 जुलाई को बेल्जियम, 13 जुलाई को जर्मनी, 14 जुलाई को बेल्जियम, 17 जुलाई को नीदरलैंड से खेलेगी।

## वेस्टइंडीज दौरे के लिए टीम में बदलाव कर सकता है पाकिस्तान

एजेंसी, लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चयन समिति ने आगामी वेस्टइंडीज दौरे के लिए टीम में बदलाव के संकेत दिये हैं। इसी के तहत ही टीम से अनुभवी तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह को बाहर किया जा सकता है। इनकी जगह घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे खिलाड़ियों को शामिल किया जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, चयन समिति सीनियर गेंदबाजों को टीम में शामिल करने के पक्ष में नहीं हैं। शाहीन के अलावा हसन अली और नोमान अली को भी टीम से बाहर किया जा सकता है। वहीं 27 साल के युवा खुर्रम शहजाद और अनकैप्ड खिलाड़ी उबैद शाह को टेस्ट सीरीज में अवसर मिल सकता है।

## इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए नितीश का फिट होना संदिग्ध

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी का इंग्लैंड के खिलाफ 14 जुलाई से शुरु हो रही एकदिवसीय सीरीज में खेलना संदिग्ध नजर आ रहा है। इसका कारण ये है कि नितीश कुमार अभी तक अपनी चोट से उबर नहीं पाये हैं। इसी कारण वह अभी तक अपना रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम भी शुरू नहीं कर पाये हैं जबकि सीरीज शुरु होने में अभी केवल 15 दिन ही शेष हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम ने इस ऑलराउंडर को अभी आराम करने को कहा है जिससे वह फिटनेस हासिल कर सकें। गौरतलब है कि इस खिलाड़ी को अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के दौरान बाएं पैर की मांसपेशी में खिंचाव आ गया था। इस चोट

के कारण ही वह दूसरे एकदिवसीय से बाहर रहे थे। तीसरे और अंतिम मुकाबले में उन्होंने दर्द के बावजूद वापसी की थी जिससे उनकी चोट ओर बढ़ गयी। ऐस में दर्द बढ़ने के कारण उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से भी बाहर रहना पड़ा था। नितीश अगर फिट नहीं होते तो भारतीय टीम की मुश्किलें और बढ़ जाएंगी। उन्हें अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के फिट नहीं होने के कारण अवसर दिया गया था पर अब वह स्वयं चोटिल हो गये हैं। अगर वह तय समय तक फिट नहीं होते हैं तो युवा ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे को टीम में अवसर मिल सकता है। सूर्यांश ने हाल ही में श्रीलंका में खेली गई एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ अपने अंतरराष्ट्रीय टी20 डेब्यू में भी मौका पाया था, जहां उन्होंने दो ओवर में 25 रन देकर एक विकेट लिया था। लिस्ट-ए क्रिकेट में, शेडगे ने 15 मुकाबलों की 13 पारियों में 21.50 की औसत और 101.97 के स्ट्राइक रेट से 258 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में, उनके नाम 11 विकेट दर्ज हैं, जिसमें एक शानदार चार विकेट हॉल भी शामिल है।वहीं एक दूसरा विकल्प शिवम दुबे हो सकते हैं, जिन्होंने अपनी हालिया आयरलैंड टी20 सीरीज में गेंदबाजी में भी प्रभाव छोड़ा था, जहां उन्होंने तीन विकेट लिए थे।

## वैभव के लिए भी हमने रणनीति बनायी : हैरी ब्रूक

एजेंसी, लंदन

इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा है कि भारतीय टीम के खिलाफ पहले टी20 मैच में अगर वैभव सूर्यवंशी उतरते हैं तो उनसे मुकाबले के लिए हमारी टीम तैयार हैं। ब्रूक के अनुसार उन लोगों ने वैभव से निपटने की रणनीति बना ली है। अभी ये तय नहीं है कि भारतीय टीम वैभव को पहले टेस्ट में उतारती है या नहीं। वहीं मेजबान टीम के कप्तान ने साफ कर दिया है कि इंग्लैंड दोनों ही हालातों के लिए तैयार है। ब्रूक ने कहा, हमन पर प्रकार से तैयारी की है। जिससे इस बल्लेबाज पर अंकुश लगाया जा

सके। दूसरी ओर अपने डेब्यू का इंतजार कर रहे वैभव ने पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन किया है जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। इससे पहले कोलंबो में भारत ए और श्रीलंका ए के बीच हुई एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में इस बल्लेबाज ने केवल 29 गेंदों में ही 94 रन बना दिये थे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में भी उनका प्रदर्शन बेहतरीन रहा। वह लीग में सबसे ज्यादा रन बनने में सफल रहे। अब देखना होगा कि पहले टी20 में उन्हें अवसर मिलता है या नहीं। वहीं अगर वह मैदान पर उतरते हैं, तो इंग्लैंड की टीम एक तय रणनीति के साथ उन्हें शुरुआत में ही आउट करने के प्रयास करेगी। वहीं वैभव को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी बल्लेबाजी का आंकलन करने का अवसर मिलेगा।

## बांग्लादेशी गेंदबाज ताइजुल ने 19वीं बार पांच विकेट लेकर बनाया रिकार्ड

एजेंसी, हरारे। यहां खेले गये एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में भले ही बांग्लादेश को जिम्बाब्वे से हार का सामना करना पड़ा हो पर इस मुकाबले में बांग्लादेशी स्पिनर ताइजुल इस्लाम ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किय है। ताइजुल अब टेस्ट क्रिकेट में एक मामले में ऑस्ट्रेलिया तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क से भी आगे निकल गए हैं। ताइजुल ने जिम्बाब्वे की पहली पारी में 40.2 ओवरों में केवल 138 रन देकर 7 विकेट लिए। इस प्रकार ताइजुल ने अपने टेस्ट करियर में 19वीं बार पांच विकेट लिए हैं। इस शानदार प्रदर्शन के साथ ही ताइजुल ने कई रिकार्ड तोड़े हैं। वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा बार 5 विकेट लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाजों में शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। इस प्रकार उन्होंने बांग्लादेश के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के 19 बार पांच विकेट लेने के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है। इसके अलावा उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम टेस्ट में 18 बार पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज है। ताइजुल का यह मुकाम हासिल करना इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने यह उपलब्धि सिर्फ 107 टेस्ट पारियों में हासिल की है।

## अब ऑस्ट्रेलिया की जगह पुर्तगाल से खेलेंगे हेनरिक्स

एजेंसी, सिडनी

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर मोइसेस हेनरिक्स ने कहा है कि अब वह अपनी ऑस्ट्रेलिया छोड़कर अपने जन्मस्थान पुर्तगाल की ओर से खेलेंगे। हेनरिक्स का कहना है कि उनका लक्ष्य 2028 टी20 विश्वकप में पुर्तगाल को क्वालिफाई कराना है। हेनरिक्स के इस कदम से एसोसिएट टीम पुर्तगाल को काफी लाभ होगा। इससे उसके लिए वैश्विक मंच पर पहचान बनाना आसान होगा। गौरतलब है कि हेनरिक्स का जन्म पुर्तगाल के मदीरा द्वीप पर हुआ था पर वह

क्रिकेट करियर के लिए ऑस्ट्रेलिया आ गये थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम के टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 तीनों प्रारूपों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला है। अगस्त 2021 में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। आईसीसी के नियमों के अनुसार, किसी पूर्वकालिक सदस्य देश से एसोसिएट राष्ट्र के लिए खेलने से पहले खिलाड़ी को तीन साल का अनिवार्य अंतराल पूरा करना होता है। यह अवधि अब पूरी हो चुकी है, जिसके बाद हेनरिक्स पुर्तगाल के लिए खेलने के योग्य हो गए हैं। अब हेनरिक्स फिनलैंड में होने वाले यूरोप सब-रीजनल क्वालिफायर में पुर्तगाल की ओर से मैदान पर उतरेंगे। यह क्वालिफायर 2028 के टीम 20 विश्व कप के यूरोपीय क्वालिफिकेशन चरण में जगह बनाने के लिए जरुरी है।

## राम गोपाल कोठारी ईस्टर आइलैंड वोल्केनो मैराथन पूरी करने वाले पहले भारतीय बने

एजेंसी, कोलकाता

कोलकाता के उद्यमी, खोजी यात्री और एंड्योरेंस रनर राम गोपाल कोठारी ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है। भौगोलिक उत्तरी ध्रुव पर पूर्ण मैराथन पूरी करने वाले पहले भारतीय बनने के बाद अब उन्होंने चिली के ईस्टर आइलैंड (रापा नुई) में आयोजित प्रतिष्ठित वोल्केनो मैराथन पूरी कर इतिहास रच दिया है। वह इस मैराथन को पूरा करने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। 42.195 किलोमीटर लंबी इस मैराथन का आयोजन अंतरराष्ट्रीय संस्था रनबुक ने किया, जो दुनिया के सबसे कठिन और दुर्गम स्थानों पर मैराथन आयोजित करने के लिए जानी जाती है। इस उपलब्धि के साथ कोठारी रनबुक की दोनों प्रतिष्ठित मैराथन—नॉर्थ पोल मैराथन और वोल्केनो मैराथन—पूरी करने वाले पहले भारतीय भी बन गए हैं। कोठारी ने कोलकाता से मुंबई, इस्तांबुल और सैंटियागो होते हुए करीब 24,000 किलोमीटर की यात्रा कर दुनिया के सबसे अलग-थलग बसे द्वीपों में से एक ईस्टर आइलैंड तक पहुंच बनाई। यह उनके जीवन का 80वां देश भी रहा। आधिकारिक

परिणामों के अनुसार फुल मैराथन के लिए 21 धावकों ने पंजीकरण कराया था, जबकि 20 धावकों ने दौड़ पूरी की। एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण अमेरिका और ओशिनिया के प्रतिभागियों के बीच कोठारी ने 5 घंटे 5 मिनट 8 सेकंड में मैराथन पूरी करते हुए सातवां स्थान हासिल किया। मैराथन का शुरुआती 21 किलोमीटर लगातार चढ़ाई और उतराई वाले पक्के रास्तों पर था, जहां खुले में घूमते घोड़े और मवेशी भी चुनौती बने। इसके बाद का हिस्सा ज्वालामुखीय चट्टानों और कठिन ट्रेल्स से होकर गुजरा, जहां कई जगह इतनी तीखी चढ़ाई थी कि चलना भी मुश्किल हो गया।

## विंबलडन : करीब चार साल बाद सिंगल्स में लौटीं सेरेना विलियम्स पहले ही दौर में हारीं

एजेंसी, लंदन

दिग्गज अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स का लगभग चार साल बाद सिंगल्स कोर्ट पर किया गया बहुप्रतीक्षित वापसी मुकाबला हार के साथ समाप्त हुआ। सात बार की विंबलडन चैंपियन सेरेना को ऑस्ट्रेलिया की 20 वर्षीय माया जॉइंट ने मंगलवार को पहले दौर में 6-3, 6-7 (6), 6-3 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

44 वर्षीय सेरेना ने 2022 यूएस ओपन के बाद पहली बार कोई सिंगल्स मुकाबला खेला। लंबे समय तक कोर्ट से दूर रहने के कारण उनकी कोई मौजूदा सिंगल्स रैंकिंग नहीं थी और उन्हें विंबलडन में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला था। हालांकि सेरेना ने अपने पुराने अंदाज में तेज सर्विस और दमदार ग्राउंडस्ट्रोक्स का प्रदर्शन किया, लेकिन दुनिया की 87वें नंबर की खिलाड़ी माया जॉइंट ने निर्णायक मौकों पर बेहतर खेल दिखाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच के बाद जारी बयान में सेरेना ने कहा,"विंबलडन में फिर से लौटना मेरे लिए बेहद खास रहा। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं दोबारा यहां खेलूंगी। सेंटर कोर्ट पर उतरना और दर्शकों का समर्थन पाना

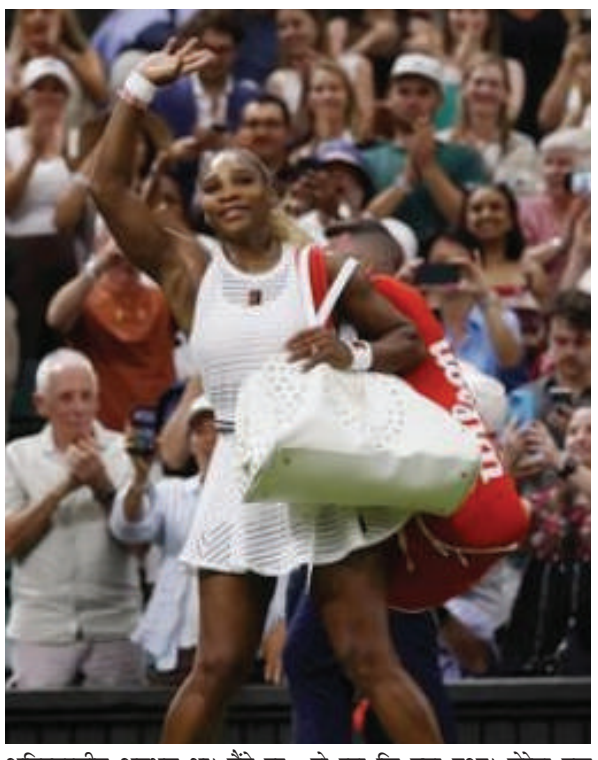

अविस्मरणीय अनुभव था। मैंने हर पल का आनंद लिया।"

वहीं जीत के बाद माया जॉइंट ने कहा कि वह इस मुकाबले से पहले पूरी रात सो नहीं सकीं। उन्होंने कहा, "मुझे अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि क्या हुआ। सेरेना एक दिग्गज हैं। इस कोर्ट पर खेलने का सपना मैंने बचपन से देखा था और उनके खिलाफ जीतना मेरे लिए अविश्वसनीय है।" मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने 37-37 अनफोर्स्ड एरर किए, लेकिन जॉइंट ने 40 विनर्स लगाए, जबकि सेरेना केवल 26 विनर्स ही लगा सकीं। यह ऑल इंग्लैंड क्लब में माया जॉइंट की दूसरी उपस्थिति थी और उन्होंने विंबलडन में अपने करियर की पहली जीत दर्ज की। दूसरी ओर, सेरेना के नाम विंबलडन में सिंगल्स के 98 मुकाबले जीतने का रिकॉर्ड दर्ज है। सेरेना अब अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ महिला युगल मुकाबले में हिस्सा लेंगी, जो सप्ताह के अंत में खेला जाएगा।

### अन्य प्रमुख परिणाम

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अलेक्जेंडर ब्लॉक्स को 6-4, 6-7 (8), 7-6 (5), 7-6 (0) से हराया।

इगा स्वियातेक ने टेलर टाउनसेंड को 6-1, 2-6, 6-3 से मात दी।

एलेना राइबाकिना ने लोइस बोइसन को 6-4, 1-6, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

चौथी वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन फिनलैंड के क्वालीफायर ओटो विर्तानेन से पांच सेटों में हारकर बाहर हो गए।

मैटियो बेरेटिनी ने स्टेन वावरिंका को हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। यह वावरिंका के करियर का अंतिम विंबलडन मुकाबला रहा।

## डूरंड कप का कार्यक्रम घोषित, पांच शहरों में भिड़ेंगी 24 टीमें, 23 अगस्त को कोलकाता में फाइनल

एजेंसी, कोलकाता

डूरंड कप के 135वें संस्करण के पांच मेजबान शहरों, भाग लेने वाली सभी 24 टीमों और मैच कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा बुधवार को कर दी गई है। एशिया के सबसे पुराने और दुनिया के प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंटों में शामिल डूरंड कप का आयोजन इस वर्ष 25 जुलाई से 23 अगस्त तक किया जाएगा। इस बार प्रतियोगिता कोलकाता, रांची, इम्फाल, शिलांग और गुवाहाटी में आयोजित होगी, जबकि फाइनल मुकाबला 23 अगस्त को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेला जाएगा। इस संस्करण में सात नई टीमें पहली बार डूरंड कप में भाग लेंगी। इनमें श्रीलंका सशस्त्र बलों की डिफेंडर्स एफसी, मेघालय प्रीमियर लीग चैंपियन नोंगकेसेह स्पोर्ट्स, सोशल एंड कल्चरल क्लब, बागपत एफसी, समलेश्वरी स्पोर्टिंग, एफसी रेंगदाई, मुंबई एफसी और एफसी1 शामिल हैं। 2019 से स्थायी मेज़बान बने कोलकाता में इस बार भी टूर्नामेंट का सबसे बड़ा हिस्सा आयोजित होगा। यहां दो ग्रुप चरण, उद्घाटन मुकाबला, दो क्वार्टर फाइनल, एक सेमीफाइनल

और फाइनल खेला जाएगा। मैच विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन और किशोर भारती क्रीड़ांगन में होंगे। कोलकाता चरण में रिकॉर्ड 17 बार की चैंपियन मोहुन बागान सुपर जायंट और 16 बार की विजेता ईस्ट बंगाल एफसी सबसे बड़े आकर्षण होंगे। इनके अलावा मोहम्मडन एससी, भारतीय सेना, सीआईएसएफ, साउथ यूनाइटेड एफसी, बागपत एफसी और समलेश्वरी स्पोर्टिंग भी हिस्सा लेंगी। रांची पहली बार डूरंड कप की मेज़बानी करेगा। बिरसा मुंडा स्टेडियम में 26 जुलाई से 16 अगस्त तक लीग चरण के मुकाबले और एक क्वार्टर फाइनल खेला जाएगा।

## फीफा विश्व कप 2026 : मेक्सिको ने इक्वाडोर को 2-0 से हराया, रचा इतिहास

एजेंसी, मेक्सिको सिटी

मेक्सिको ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-32 मुकाबले में बुधवार को इक्वाडोर को 2-0 से हराकर 40 वर्षों का इंतजार खत्म किया और अंतिम-16 में जगह बना ली। मेक्सिको की ओर से जूलियन क्विनोनेस और राउल जिमेनेज ने पहले हाफ में नौ मिनट के भीतर गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। क्विनोनेस ने 22वें मिनट में गोल कर मेक्सिको को बढ़त दिलाई, जबकि जिमेनेज ने 31वें मिनट में दूसरा गोल दागकर टीम की स्थिति मजबूत कर दी।

यह मेक्सिको की विश्व कप नॉकआउट चरण में 1986 के बाद पहली जीत है। उस वर्ष मेक्सिको ने

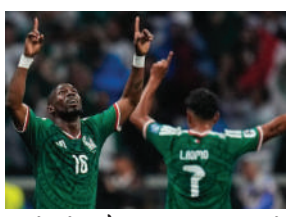

अपने घरेलू मैदान पर बुल्गारिया को हराकर अंतिम-16 पार किया था। इसके बाद टीम 1994, 1998, 2002, 2006, 2010, 2014 और 2018 विश्व कप में लगातार अंतिम-16 में हारकर बाहर हुई थी। वहीं 2022 कतर विश्व कप में टीम ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई थी। टूर्नामेंट में क्विनोनेस का यह तीसरा गोल था। वह अब मेक्सिको के लिए विश्व कप इतिहास में संयुक्त रूप से दूसरे सबसे सफल गोल स्कोरर बन गए हैं। उनसे आगे केवल लुइस "माटाडोर" हर्नांडेज़ और जेवियर "चिचारितो" हर्नांडेज़ हैं, जिन्होंने चार-चार गोल किए थे। वहीं राउल जिमेनेज ने राष्ट्रीय टीम के लिए अपना 47वां अंतरराष्ट्रीय गोल दागते हुए जारेड बोर्गेट्टी को पीछे छोड़ दिया। अब वह चिचारितो के सर्वाधिक 52 गोल के रिकॉर्ड से केवल पांच गोल दूर हैं। प्रतिष्ठित एज़्टेका स्टेडियम में मेक्सिको का विश्व कप रिकॉर्ड शानदार रहा है। यहां टीम ने अब तक खेले 10 विश्व कप मुकाबलों में कोई हार नहीं झेली है। आधिकारिक तौर पर मेक्सिको को इस मैदान पर केवल दो हार मिली हैं, जिनमें आखिरी हार 2013 में विश्व कप क्वालीफायर में होंडुरास के खिलाफ थी।

## मेसी और गोल करेंगे, लेकिन मेरा लक्ष्य विश्व कप ट्रॉफी जीतना है : किलियन एमबाप्पे

एजेंसी, ईस्ट रदरफोर्ड (न्यू जर्सी) । फीफा विश्व कप 2026 में शानदार फॉर्म में चल रहे फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे ने बुधवार को कहा है कि वह गोल्डन बूट या गोलों के रिकॉर्ड से ज्यादा विश्व कप ट्रॉफी जीतने पर ध्यान दे रहे हैं। उनका मानना है कि लियोनेल मेसी अभी और गोल करेंगे, लेकिन उनकी पूरी एकाग्रता 19 जुलाई को विश्व कप का खिताब जीतने पर है। स्वीडन के खिलाफ राउंड ऑफ-32 मुकाबले में दो गोल दागकर फ्रांस को 3-0 की जीत दिलाने वाले एमबाप्पे ने विश्व कप में अपने कुल गोलों की संख्या 18 पहुंचा दी है। वह अब मेसी के 19 विश्व कप गोलों के रिकॉर्ड से सिर्फ एक गोल पीछे हैं। मौजूदा टूर्नामेंट में भी दोनों खिलाड़ी छह-छह गोल के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्कोरर हैं। मैच के बाद एमबाप्पे ने पत्रकारों से कहा,"हमारा लक्ष्य जितना संभव हो उतना आगे बढ़ना है और 19 जुलाई को यहीं लौटकर विश्व कप ट्रॉफी जीतना है। हम एक-एक कदम आगे बढ़ रहे हैं।" उन्होंने कहा कि अधिक गोल करने से रिकॉर्ड बनते हैं, लेकिन उनका ध्यान व्यक्तिगत उपलब्धियों पर नहीं है। उन्होंने कहा, "मुझे पूरा भरोसा है कि लियो (मेसी) अभी और गोल करेंगे। इसलिए मैं इस दौड़ पर ज्यादा ध्यान नहीं देता। मेरा फोकस सिर्फ उन टीमों पर है जिनका हमें सामना करना है और अपने अंतिम लक्ष्य यानी विश्व कप फाइनल तक पहुंचना है।"

## वेस्टइंडीज वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम घोषित, मैट फिशर को पहली बार मौका, जैकब डफी की वापसी

एजेंसी, वेलिंगटन

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की वनडे सीरीज के लिए बुधवार को 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। तेज गेंदबाज मैट फिशर को पहली बार वनडे टीम में शामिल किया गया है, जबकि हालिया इंग्लैंड टेस्ट दौरे से बाहर रहे जैकब डफी की टीम में वापसी हुई है। वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज का आगाज 11 जुलाई से गुयाना में होगा। पहले तीन मुकाबले 11, 13 और 16 जुलाई को खेले जाएंगे, जबकि अंतिम दो मैच 19 और 21 जुलाई को बारबाडोस में होंगे। 26 वर्षीय मैट फिशर ने अगस्त 2025 में जिम्बाब्वे के खिलाफ

टेस्ट और इस वर्ष बांग्लादेश के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। उन्होंने 25 लिस्ट-ए मुकाबलों में 26 की औसत से 43 विकेट लिए हैं। दूसरी ओर, जैकब डफी मार्च में खेले गए टी20 विश्व कप फाइनल के बाद पहली बार न्यूजीलैंड टीम में लौटे हैं। विश्व कप के बाद उन्होंने आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेला था, लेकिन पहले बच्चे के जन्म के कारण इंग्लैंड टेस्ट सीरीज से बाहर रहे थे। मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, "मैट और जैकब दोनों के टीम में आने से हमें मजबूती मिलेगी। मैट को पहली बार वनडे टीम में मौका मिलना उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। वह तेज गति से गेंदबाजी करते हैं और मैच के अलग-अलग चरणों में प्रभावी गेंदबाजी करने के लिए अपनी विविधताओं पर लगातार काम कर रहे हैं।" उन्होंने डफी की तारीफ करते हुए कहा कि पिछले दो वर्षों में उन्होंने सभी प्रारूपों में शानदार प्रदर्शन किया है और उनका अनुभव टीम के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। टीम की कप्तानी मिचेल सेंटनर संभालेंगे। स्पिन विभाग में उनके अलावा माइकल ब्रेसवेल, जेडन लेनॉक्स और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को जगह मिली है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159



# एक्सपर्ट से जानें कैसे चुनें अपने लिए सही करियर

**करियर के बारे में सोचकर आप भी परेशान हो जाते होंगे? क्या करें और क्या नहीं, कुछ समझ नहीं आता होगा? एक्सपर्ट कहते हैं पहले खुद को जानना है ज्यादा जरूरी उसके बाद ही चुन पाएंगे खुद के लिए बेहतर करियर।**

जब मैं छोटी थी और कोई पूछता था कि मुझे क्या बनना है, तो मैं कहती थी डॉक्टर। फिर बड़ी हुई, लिखने की ओर रुचि बढ़ने लगी तो सोचा इसी फील्ड में कुछ किया जाए। बस, थोड़ा इधर-उधर होने के बाद मैंने अपने लिए एक राह चुन ली। हममें से अधिकांश युवा कभी-कभी तय नहीं कर पाते कि आखिर हम करना क्या चाहते हैं। कुछ जो अपने लिए करियर चुन लेते हैं, उन्हें भी यह दुविधा रहती है कि क्या वे सही दिशा में हैं। किसी भी करियर को चुनने से पहले आपका नजरिया कुछ चीजों के लेकर एकदम साफ होना चाहिए।

## अपने बारे में जानें

हम लोग कई बार अपनी यूनीकनेस, कमजोरियों और प्रतिभाओं से अनजान रहते हैं। अपने सही करियर को चुनने के लिए जरूरी है खुद के बारे में जानना। अपना आत्म-मूल्यांकन कीजिए और अपनी स्ट्रेंथ को पहचानें, जहां आप की कमी रह जाती है, उस एरिया को पहचानें। आत्म खोज की यह यात्रा इंटरनल और पर्सनल होती है। एक लाइफ कोच आपको आपके कौशल को तलाशने में मदद कर सकता है। इसलिए किसी लाइफ कोच की भी मदद ली जा सकती है। जब आपको पता चल जाएगा कि आपकी स्ट्रेंथ क्या है। आपका फोर्टे क्या है, तो आपके लिए करियर चुनना भी मुश्किल नहीं होगा।

## जो भी हो, सब लिखें

अपने करियर को प्लान करें और उसे उसी तरह आगे बढाएं। उस प्लान को ही अपनी सफलता की सड़क समझकर उस पर चल पड़ें। अपने छोटे और बड़े दोनों गोल्स को लिखें और जानने कि कोशिश करें कि आपके लिए क्या बेहतर है। खुद से सवाल करें कि कैसे आप एक गोल से दूसरे गोल तक पहुंचेंगी। क्या आपके लक्ष्यों से आपको खुशी मिलेगी। ऐसे कुछ सावलों को लिखें और उनका मूल्यांकन करें।

## मेहनत करें और आगे बढ़ें

इससे मतलब नहीं है कि आपने कोई छोटी कंपनी स्टार्ट की है या कुछ नया काम शुरू किया है। आपको कड़ी मेहनत और लगन से काम करना होगा, तभी आपको सफलता मिलेगी। उत्साह के साथ ही दृढ़-संकल्प भी बहुत जरूरी है और यही आपको आगे के लिए मानसिक और भावनात्मक रूप से तैयार करेंगे। अगर कल आप कोई करियर चेंज भी करें तो आपका जुनून ही आपके दृष्टिकोण को अधिक सकारात्मक और व्यावहारिक बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। आप अपने काम को जितने प्यार से करेंगी उतना ही सफलता के करीब पहुंचेंगी।

## डू नॉट गिव अप

बस यही फ्रेज आपको हमेशा याद रखना है। चाहे कुछ भी हो जाए, आपको चीजें सीखनी है और आगे बढ़ना है। ध्यान रखें कि सारी ताकत आपके अंदर ही होती है। अगर यह आपने समझ लिया तो आप हर कठिनाई को पार कर सकती हैं। इस बात को समझें कि आप जीवन में जो भी हासिल करना चाहें, उसके बीच परेशानियां आएंगी हीं, मगर आपको हार नहीं माननी है। ऐसी स्थिति में कमर कस लें, मजबूत बने रहें और आगे लड़ें। प्रत्येक दिन को वैसे ही लें जैसे वह आता है। सर्वाइवल स्किल्स और अनुभवों से सीखें और इसे अपना अंतिम लक्ष्य बना लें।

## सकारात्मक रहें

हमें कभी भी सकारात्मक ऊर्जा को कम नहीं आंकना चाहिए। यदि आपको लगता है कि आप किसी लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल नहीं हो सकते हैं, तो आप उसी तरह से सोचेंगी और वह आपके मन में बैठ जाएगा, जिससे यह अधिक संभावना होगी कि आप वो काम नहीं कर सकें। आपके इरादे आपकी वास्तविकता का निर्माण करते हैं, इसलिए अपने आप से ईमानदार होकर शुरुआत करें और यह पता लगाएं कि वह क्या है जो आपको सच्ची खुशी देता है। यह समझे कि अपने सपने को हकीकत में बदलना रातोंरात नहीं होगा, बल्कि इसके लिए इच्छाशक्ति, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता होगी।

# नई कंपनी में अपनी नौकरी पक्की करने के लिए अपनाएं ये मजेदार तरीके

**नई कंपनी में शुरुआत में नौकरी पक्की करने के लिए आप चाहे तो कुछ तरीके को अपना सकती हैं। इससे आपका लोगों के साथ बांडिग स्ट्रांग हो जाएगा।**

नई कंपनी में नौकरी शुरू करना इतना आसान नहीं होता है। शुरुआत में आप किसी को नहीं जानते हैं तो आपको काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई बार आपकी दोस्ती भी नहीं हो पाती है। हर कोई चाहता है कि उसकी नई नौकरी में उन्हें शुरुआत में किसी भी दिक्कत का सामना ना करना पड़े। शुरुआती कुछ हफ्ते या महीने ही यह तय करते हैं कि आप कंपनी के लिए सही च्वाइस है या नहीं। ऐसे में शुरुआत के 6 महीने में ही आपका मेनेजर यह जान जाता है कि आपको आगे रखना है या नहीं। चलिए जानते हैं नौकरी पक्की करना का आसान तरीका।

## पहले इंप्रेशन को बनाएं मजबूत

आपने यह तो सुना ही होगा कि पहला इंप्रेशन ही आखिरी इंप्रेशन होता है। ऐसे में आपको शुरुआत में अपने काम पर काफी ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। अगर आपका काम शुरुआत में अच्छा होगा तो आपको आगे जाकर ज्यादा दिक्कत नहीं होगी।

## सहकर्मियों से दोस्ती करें

नई नौकरी में आपको तुरंत अपने सहकर्मियों के साथ दोस्ती कर लेनी चाहिए। अगर आप सहकर्मियों के साथ अच्छा बांड शेयर करेंगे तो आपको ज्यादा दिक्कत नहीं होगी। आपको कुछ समय नहीं आ रहा है तो आपको अपने सहकर्मियों की मदद लेनी चाहिए। ध्यान रखें कि शुरुआत में आपको किसी के साथ बदतमीजी नहीं करनी है।

## फीडबैक को समझें

शुरुआत में आपके काम को लेकर आपको फीडबैक दिया जाता है। इससे आपको गंभीरता से लेना है और अपने काम को सुधारने की कोशिश करना चाहिए। ऐसे में आपको मिले हुए फीडबैक को समझना चाहिए और उसी के अनुसार आगे का काम करना चाहिए।

# किसी भी संगठन की इमेज को दर्शाती है फ्रंट ऑफिस मैनेजर की भूमिका

**फ्रंट ऑफिस मैनेजर का काम कमरों, मीटिंग रूम आदि की बुकिंग करने से लेकर रिकॉर्ड रखना और रिपोर्ट तैयार करना इनका काम होता है।**

फ्रंट ऑफिस मैनेजर एक ऐसी भूमिका है, जो किसी भी संगठन के पहले इमेज को दर्शाती है। यह एक ऐसा व्यक्ति होता है, जो ग्राहकों का स्वागत करता है, उनकी पूछताछ का जवाब देता है और उनकी समस्याओं का समाधान करता है। अगर आप इस क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो यह गाइड आपके लिए बहुत काम की होगी।

## फ्रंट ऑफिस मैनेजर क्या करते हैं?

फ्रंट ऑफिस मैनेजर ग्राहकों का स्वागत करता है, उनकी पूछताछ का जवाब देता है और उनकी समस्याओं का समाधान करता है। रिसेप्शन पर कॉल का जवाब देता है, अपॉइंटमेंट लेना और मैसेजेस लेने का काम करता है। होटल या Hospitality में आने वाले मेहमानों को सर्विस देता है। रिसेप्शन एरिया का मैनेजमेंट करता है और कर्मचारियों की देखरेख भी करता है। कमरों, मीटिंग रूम आदि की बुकिंग करने से लेकर रिकॉर्ड रखना और रिपोर्ट तैयार करना इनका काम होता है।

## फ्रंट ऑफिस मैनेजर की जिम्मेदारियां

- फ्रंट डेस्क के ऑपरेशन को मैनेज करना
- फ्रंट डेस्क के कर्मचारियों को ट्रेन करना और उनकी मदद करना
- मेहमानों का चेक-इन और चेक-आउट मैनेज करना
- मेहमानों की पूछताछ और शिकायतों का समाधान करना
- हाउसकीपिंग और रखरखाव टीमों के साथ समन्वय करना
- आरक्षण और कमरे के आवंटन की देखरेख करना
- बिलिंग और रिकॉर्ड-कीपिंग सुनिश्चित करना
- फ्रंट डेस्क की आपूर्ति और सूची बनाए रखना
- मेहमानों के लिए स्वागतयोग्य माहौल बनाना
- होटल की नीतियों और मानकों का पालन सुनिश्चित करना
- शिफ्ट शेड्यूल बनाना
- कॉल सेंटर एजेंट, सुरक्षा गार्ड, और रिसेप्शनिस्ट समेत फ्रंट-ऑफिस कर्मचारियों की देखरेख करना
- शिकायतों और खास ग्राहक अनुरोधों को संभालना

## फ्रंट ऑफिस मैनेजर बनने के लिए योग्यता

- किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 12वीं या समकक्ष कक्षा पास होना
- Hospitality में डिग्री या डिप्लोमा
- होटल प्रबंधन प्रशिक्षण
- होटल में फ्रंट डेस्क या रिसेप्शन पर पिछला अनुभव
- वैलिड और प्रासंगिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रशिक्षण

## फ्रंट ऑफिस मैनेजर बनने के लिए आपको इन कौशलों का भी विकास करना होगा

- मजबूत पारस्परिक और संचार कौशल
- नेतृत्व और टीम प्रबंधन क्षमताएं
- बेहतरीन समस्या-समाधान और फैसला लेने का कौशल
- विस्तार पर ध्यान और संगठनात्मक कौशल
- फ्रंट ऑफिस सॉफ्टवेयर और माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस सूट का इस्तेमाल करने में दक्षता
- तनावपूर्ण स्थितियों को संभालने और समय का असरदार तरीके से प्रबंधन करने की क्षमता
- एमएस ऑफिस, खासकर एक्सेल और वर्ड का अच्छा व्यावहारिक ज्ञान
- अंग्रेजी में माहिर होना (मौखिक और लिखित)

अगर आप किसी होटल में फ्रंट ऑफिस एजेंट, रिसेप्शनिस्ट, या बेलहॉप जैसे निचले पद पर काम करते हैं, तो इससे आपको फ्रंट ऑफिस मैनेजर बनने के लिए लंबे समय में अनुभव हासिल करने में मदद मिल सकती है। एक बार जब आप अनुभवी फ्रंट ऑफिस मैनेजर बन जाते हैं, तो आप अपना करियर आगे बढ़ाकर डिप्टी मैनेजर या जनरल मैनेजर बन सकते हैं।

## फ्रंट ऑफिस मैनेजर की सैलरी?

फ्रंट ऑफिस मैनेजर की सैलरी कई बातों पर निर्भर करती है। इनमें शामिल हैं

- प्रतिष्ठान का प्रकार (जैसे, लक्जरी होटल या बजट होटल)
- स्थान (महानगरीय क्षेत्रों में अक्सर ज्यादा सैलरी मिलती है)
- मैनेजर का अनुभव और योग्यता
- आम तौर पर, फ्रंट ऑफिस मैनेजर की औसत सालाना सैलरी 5 लाख रुपये से 12 लाख रुपये के बीच होती है। ग्लासडोर के मुताबिक, साल 2024 में भारत में फ्रंट ऑफिस मैनेजर की मासिक सैलरी 43,492 रुपये है। वहीं, टाइम्सप्रो के मुताबिक, होटल में फ्रंट ऑफिस मैनेजर की सालाना औसत सैलरी करीब 4 लाख रुपये होती है, यानी हर महीने 29,531 से 30,852 रुपये।

# अगर आप भी बनना चाहते हैं एस्ट्रोनॉट?

**एस्ट्रोनॉट बनने के लिए आपके पास इंजीनियरिंग, बायोलॉजिकल साइंस, फिजिकल साइंस, कंप्यूटर साइंस या फिर मैथ्स में बैचलर डिग्री होनी जरूरी है. इन कोर्स में एडमिशन लेने के लिए जेईई मेन्स, जेईई एडवांस्ड, गेट, आईआईटी जैम जैसे एंट्रेंस एग्जाम दे सकते हैं. आप चाहें पीजी के बाद पीएचडी की डिग्री भी कर सकते हैं.**

भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स एक मशहूर एस्ट्रनॉट हैं। अगर आप भी उनकी तरह बनना चाहते हैं, तो हम आपको बताते हैं कि नासा और इसरो जैसे संस्थानों से जुड़ने के लिए कौन से कोर्स करने जरूरी होते हैं। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को कौन नहीं जानता है। सुनीता ने इस साल जून में अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी हैं। इसी के साथ साथ उन्होंने तीसरी बार अपनी बुलंदी का झंडा अंतरिक्ष में गाड़ कर इतिहास रच दिया है। ऐसे में भला कौन नहीं उनके जैसा बनना चाहेगा। लगभग हर कोई एस्ट्रोनॉट सुनीता से प्रेरणा लेकर स्पेस में जाने का सपना देखता है, लेकिन इसके लिए पढ़ाई और कुछ कोर्स करना जरूरी होता है, जिसके बिना आप इसरो या नासा में शामिल नहीं हो सकते हैं। अगर आप सुनीता विलियम्स की तरह ही अंतरिक्ष की यात्रा करना चाहते हैं, तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि इसके लिए आपको कौन से कोर्स करने होंगे और कब से इसकी पढ़ाई शुरू कर देनी चाहिए।

## सुनीता विलियम्स कहां तक है पढ़ी-लिखी?

सुनीता विलियम्स ने साल 1983 में नीधम हाई स्कूल और साल 1987 में यूएस नेवल एकेडमी से फिजिकल साइंस में बीएससी की डिग्री हासिल की है। उन्होंने साल 1995 में फ्लोरिडा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इंजीनियरिंग मैनेजमेंट में मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री ली है। मई 1987 में, भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स अमेरिकी नौसेना में भर्ती हुई। 6 महीने के बाद उन्हें बेसिक डाइविंग ऑफिसर का पद मिला। साल 1989 में वे नेवल एविएटर बनीं और इसी के साथ सुनीता लगातार अपनी कामयाबी की सीढ़ी चढ़ रही हैं।

## एस्ट्रोनॉट बनने के लिए करें ये कोर्स

सुनीता विलियम्स की तरह अगर आप भी स्पेस में जाने और तरह-तरह की चीजों को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो आपको से 12वीं के बाद से ही इसके लिए तैयार कर देनी होगी। इसके लिए आप 12वीं क्लास पास करने के बाद एरोनॉटिक्स, एविएशन, एयरोस्पेस, एस्ट्रोफिजिक्स आदि स्ट्रीम से ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स कर सकते हैं। जानकारी के लिए आपको बता दें कि इन कोर्स में पीएचडी भी उपलब्ध है। आप चाहें तो एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में बीटेक भी कर सकते हैं। इन कोर्स को पूरा करने के बाद आपको नासा या इसरो जैसे संस्थानों में काम करने मौका मिल सकता है। साथ ही, इसमें सैलरी भी अच्छी मिलती है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

## ग्राम चिकित्सालय के दूसरे सीजन से जुड़कर काफी खुश हैं निरहुआ

**निरहुआ सीरीज ग्राम चिकित्सालय के दूसरे सीजन से जुड़कर वह काफी खुश हैं। हाल ही में बातचीत में निरहुआ ने सीरीज, अपने किरदार और ओटीटी के दौर में बदलती इंडस्ट्री पर बात की।**

निरहुआ ने बताया कि ग्राम चिकित्सालय उन्हें शुरू से पसंद था और पहले सीजन में शामिल न हो पाना उन्हें कहीं न कहीं खटका भी था। उन्होंने कहा, 'जब मुझे ये सीरीज ऑफर हुई तो बहुत खुश हुआ। क्योंकि मैं इसका पहला सीजन ही करना चाहता था। जब पहला सीजन आया तो मैंने परिवार के साथ बैठकर देखा और मुझे बहुत आनंद आया। मैं घर में यही बात कर रहा था कि यार मैं भी करने वाला था लेकिन कुछ कारणों से नहीं कर पाया। फिर जैसे ही पता चला कि इसका दूसरा सीजन भी आ रहा है तो बहुत खुश हुआ। मैंने इसमें काम किया क्योंकि यह मेरा फेवरेट शो है।'

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए निरहुआ कहते हैं, 'मेरा किरदार ऐसा है जैसा आदमी लगभग हर गांव में मिल ही जाएगा। एक ऐसा दबंग टाइप का आदमी जिसको सब पता है कि कौन क्या करके आया है? सिस्टम कैसे चलता है? वो सब जानता है। हर जगह ऐसे लोग मिलते हैं और हमारा पाला भी बहुत पड़ता है। लोगों को देखने को मिलेगा कि गांव में दबंग आदमी असल में होता कैसा है।'

अपने किरदार की तैयारी पर निरहुआ ने कहा, 'एक्टर्स के लिए सीखने की प्रक्रिया कभी रुकती नहीं है। हां कुछ किरदारों के लिए ज्यादा वर्कशॉप नहीं करनी पड़ती क्योंकि रियल लाइफ में ऐसे लोग मिलते रहते हैं। हम अभिनेताओं की पढ़ाई 24 घंटा चलती रहती है।

# 22 साल बाद अक्षय के साथ काम करने पर बोलीं रवीना टंडन

रवीना टंडन और अक्षय कुमार ने कई फिल्मों में साथ काम किया है। हालांकि, लंबे वक्त से दोनों ने साथ में कोई फिल्म नहीं की थी। दो दशक बाद इन्हें बड़े परदे पर देखा गया है।अभिनेत्री ने खिलाड़ी के साथ रीयूनियन को लेकर बात की और उन्होंने एक्टर के मेहनती रवैये की दिल खोलकर तारीफ की। रवीना टंडन ने समाचार एजेंसी को दिए एक इंटरव्यू में अक्षय कुमार की जमकर तारीफ की। रवीना ने अक्षय को सेट पर सबसे मेहनती और समर्पित कलाकारों में से एक बताया। अपने पुराने साथ काम करने के अनुभवों को याद करते हुए रवीना ने कहा कि इतने वर्षों के बाद भी अक्षय का काम के प्रति समर्पण और काम करने का तरीका बिल्कुल वैसा ही है।

### वे सफलता के हकदार हैं



रवीना टंडन ने कहा, 'मुझे लगता है कि इतने वर्षों बाद उनके साथ काम करना बहुत अच्छा रहा। उनमें कोई बदलाव नहीं आया है। वे आज भी उतने ही मेहनती हैं। वही डेडिकेशन है। काम में इतने डूबे रहते हैं कि उनकी मेहनत साफ दिखती है। उन्हें जो भी सफलता मिलती है, वह उसके हकदार हैं, क्योंकि वह सच में उसके लिए मेहनत करते हैं। उन्हें यह आसानी से नहीं मिलती'।

### अक्षय और रवीना की फिल्में

रवीना और अक्षय ने कई फिल्मों में साथ काम किया है, जिनमें 'मोहरा', 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी', 'दावा', 'कीमत- दे आर बैक' और 'बारूद' आदि शामिल हैं। इस जोड़ी की 'मोहरा' और 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रहीं। 'मोहरा' 1994 में रिलीज हुई थी। इसे राजीव राय ने डायरेक्ट किया था और इसमें नसीरुद्दीन शाह और सुनील शेट्टी भी मुख्य भूमिकाओं में थे। दूसरी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' 1996 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रेखा भी मुख्य भूमिका में थीं। इन दोनों ने आखिरी बार 2004 में 'पुलिस फोर्स - एन इनसाइड स्टोरी' और 'आन' फिल्मों के लिए साथ काम किया था।

# नेपोटिज्म पर बोलीं कृति सेनन

कृति सेनन इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म को दर्शकों द्वारा पसंद किया जा रहा है और कृति के किरदार व एक्टिंग की भी काफी तारीफ हो रही है। मौजूदा वक्त में कृति इंडस्ट्री की टॉप लीडिंग एक्ट्रेस में से एक हैं। लेकिन एक आउटसाइडर होने के नाते कृति के लिए यहां तक का सफर आसान नहीं रहा। कृति ने अपने सफर को याद करते हुए कहा कि यह सफर आसान नहीं था। ऐसे पल भी आए जब मुझे खुद पर शक हुआ और मनचाहे मौके न मिलने पर निराशा हुई। यह सफर सीधे कामयाबी तक पहुंचने वाला नहीं था; यह धीरे-धीरे आगे बढ़ा। मैंने उतार-चढ़ाव देखे हैं। लेकिन मुझमें हार न मानने और दोबारा कोशिश करने का जज्बा भी रहा है। मेरा पहला फोटोशूट बहुत बुरा रहा था। मेरा पहला रैंप शो भी अच्छा नहीं हुआ था। दोनों बार मैं रोते हुए घर लौटी थी। लेकिन इसके बावजूद मैंने दूसरे शो, दूसरे फोटोशूट और दूसरे ऑडिशन के लिए कोशिश की और इसी वजह से मैं आज यहां तक पहुंच पाई हूं। सीखने की चाहत और हार न मानने का जज्बा ही मुझे यहां तक ले आया है।

### टैलेंटेड हैं रणबीर और आलिया

इस दौरान कृति ने नेपोटिज्म के बारे में भी बात की। उनका मानना है कि भले ही स्टार किड्स को भी रणबीर कपूर और आलिया भट्ट जैसे एक्टर्स की तरह खुद को साबित करना पड़ता है, लेकिन वे इस बात से सहमत हैं कि उन्हें अक्सर बाहरी लोगों की तुलना में बहुत आसानी से मौके मिल जाते हैं। उन्होंने कहा कि कई बार आपको पता चलता है कि किसी फिल्म के लिए आप पर विचार किया जा रहा है, लेकिन वह रोल किसी और को मिल जाता है। साथ ही सवाल सिर्फ नेपोटिज्म का नहीं है। फिल्मी बैकग्राउंड से आने वाले कई एक्टर्स सच में टैलेंटेड होते हैं। चाहे रणबीर कपूर हों या आलिया भट्ट, उन्होंने खुद को साबित किया है। हो सकता है कि उन्हें दूसरों के मुकाबले आसानी से मौके मिले हों, लेकिन उन्होंने कड़ी मेहनत की है और वे बहुत टैलेंटेड हैं। असल बात तब होती है, जब कोई बिना एक्टर के तौर पर खुद को साबित किए आठ या नौ साल तक मौके पाता रहता है। मुझे बस यही बात गलत लगती है। जब आप फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते हैं, तो अगर आप शुरुआती कुछ साल में खुद को साबित नहीं कर पाते, तो आप बाहर हो जाते हैं। आपको नजरअंदाज कर दिया जाता है।

## अकेलेपन और रिश्तों की सच्चाई को लेकर शुभांगी अत्रे अपने अनुभव साझा किए

**टीवी इंडस्ट्री में लंबे समय से काम कर रहीं शुभांगी अत्रे ने बातचीत में अकेलेपन और रिश्तों की सच्चाई को लेकर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह अकेलापन सिर्फ भीड़ या लोगों की कमी से नहीं होता, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव और बातचीत की कमी से होता है।**

शुभांगी अत्रे ने कहा, ''मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं, क्योंकि मेरी जिंदगी में कुछ ऐसे लोग हैं, जो सच में मुझसे पूछते हैं, 'आप कैसी हैं?' और जवाब का इंतजार भी करते हैं। किसी इंसान के लिए सबसे बड़ा सुकून यही होता है कि कोई उसे बिना टोके, बिना जज किए ध्यान से सुने। कई बार सलाह से ज्यादा राहत सिर्फ सुन लिए जाने से मिलती है।'' उन्होंने आगे कहा, 'अकेलापन अक्सर इस वजह से महसूस होता है क्योंकि लोगों के बीच बातचीत तो होती है, लेकिन वह गहराई नहीं होती, जो दिल को छू सके। आजकल लोग एक-दूसरे से जुड़े तो रहते हैं, लेकिन बातचीत अक्सर सतही रह जाती है। ऐसे में इंसान भीड़ में रहते हुए भी खुद को अकेला महसूस कर सकता है। मेरा मानना है कि एक खुली बातचीत, जिसमें व्यक्ति अपने असली विचार और भावनाएं बिना डर के रख सके, वह कई रिश्तों से ज्यादा कीमती होती है।''

सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर बात करते हुए उन्होंने कहा, ''आज के समय में लोग एक-दूसरे की जिंदगी से तो वाकिफ रहते हैं, लेकिन उनकी भावनाओं से नहीं। हम यह तो देख लेते हैं कि सामने वाला क्या कर रहा है, कहां घूम रहा है या क्या पोस्ट कर रहा है, लेकिन यह नहीं जान पाते कि वह अंदर से क्या महसूस कर रहा है। सोशल मीडिया ने लोगों को ज्यादा विजिबल बना दिया है, लेकिन महसूस करने और समझने वाली गहराई कम हो गई है। असली बातचीत अभी भी स्क्रीन से दूर ही होती है।'' रिश्तों को लेकर उन्होंने कहा, ''आज के समय में सच्चे और भरोसेमंद रिश्ते बनाना आसान नहीं है। भरोसा, समझ और अपनापन धीरे-धीरे बनता है और इसके लिए समय और धैर्य दोनों की जरूरत होती है। जीवन में वही लोग सबसे अहम होते हैं जो अच्छे और बुरे दोनों समय में साथ खड़े रहते हैं। ऐसे रिश्ते ही इंसान को मानसिक रूप से मजबूत बनाते हैं और अकेलेपन को दूर करते हैं।'' उन्होंने निजी जिंदगी के बारे में बात करते हुए कहा, ''मेरी बेटी आशी मेरे जीवन का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है। वह 19 साल की हैं और काफी समझदार हैं। वह हमेशा मेरा हालचाल लेती रहती हैं और मेरा ख्याल रखती हैं। मेरे कुछ करीबी लोग भी हैं जिनके कारण मुझे अकेलापन महसूस नहीं होता।''



# ...अब नए किरदारों के जरिए दर्शकों का दिल जीतना चाहता हूं

**'कोई... मिल गया', 'जोड़ी नंबर 1', 'इंडियन', 'रक्त' और 'पार्टनर' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके अभिनेता रजत बेदी ने अपना 54वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया। इस खास अवसर पर उन्होंने बात की और अपनी जिंदगी, करियर, फिटनेस और बदलते मनोरंजन जगत को लेकर विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि आने वाला समय उनके लिए काफी खास रहने वाला है और दर्शकों को जल्द ही उनका एक नया रूप देखने को मिलेगा।**

जब उनसे पूछा कि क्या उनकी जिंदगी में कोई ऐसा अनुभव रहा है, जिसने सब कुछ बदल दिया हो, तो रजत बेदी ने कहा, ''मुझे इस साल ऐसा महसूस हो रहा है कि मेरी जिंदगी में बहुत कुछ बदलने वाला है। अब तक मैंने जिन किरदारों को निभाया है, आने वाले समय में उनसे बिल्कुल अलग भूमिकाएं करने वाला हूं। कुछ ऐसे सपने थे जिन्हें मैं पहले पूरा नहीं कर पाया था, लेकिन अब उन्हें साकार करने का मौका मिल रहा है। मेरा वादा है कि आने वाली फिल्मों में दर्शकों को एक बिल्कुल अलग रजत बेदी देखने को मिलेगा।''

अभिनेता ने कहा, ''इस समय मेरा कॉन्फिडेंस लेवल बहुत ऊंचा है और मेरे भीतर काम को लेकर एक नई ऊर्जा है। पहले मैंने इंडस्ट्री में कुछ मौके खोए थे, लेकिन अब नए किरदारों के जरिए दर्शकों का दिल जीतना चाहता हूं।''

इंडस्ट्री में करियर बनाने आ रहे नए कलाकारों को सलाह देते हुए रजत बेदी ने कहा, ''किसी को भी लोगों की बातों में नहीं आना चाहिए। इंसान को हमेशा अपने दिल की सुननी चाहिए। एक समय ऐसा था, जब मैं दूसरों की बातों में आकर खुद को मायूस करने लगता था। अब मैंने सीख लिया है कि जीवन में सबसे जरूरी अपनी सोच और अपने दिल की आवाज पर भरोसा करना है। मैं भविष्य में वही करूंगा, जो मेरा दिल कहेगा और दूसरों की राय को खुद पर हावी नहीं होने दूंगा।''

रजत बेदी ने युवाओं को स्वास्थ्य को सबसे ज्यादा महत्व देने की सलाह दी। उन्होंने कहा, ''अच्छी सेहत जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है, इसलिए रोजाना व्यायाम करें और अपने खानपान पर खास ध्यान दें। भोजन में पौष्टिक और स्वस्थ चीजों को शामिल करना बेहद जरूरी है। अगर शरीर स्वस्थ रहेगा तो व्यक्ति अपने जीवन और करियर में बेहतर ध्यान दे पाएगा।'

### बेहद साफ दिल के इंसान हैं संजय दत्त

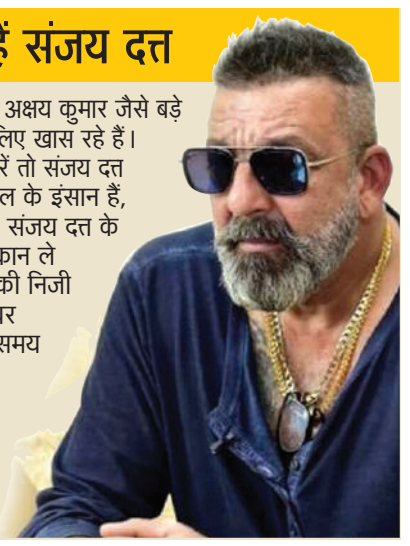

रजत कहा 'मैंने सलमान खान, सुनील शेट्टी और अक्षय कुमार जैसे बड़े सितारों के साथ काम किया है, और ये सभी मेरे लिए खास रहे हैं। लेकिन अगर सबसे पसंदीदा कलाकार की बात करें तो संजय दत्त का नाम सबसे ऊपर आता है। वह बेहद साफ दिल के इंसान हैं, और यही बात मुझे सबसे ज्यादा पसंद आती है। संजय दत्त के साथ बिताए गए पल आज भी मेरे चेहरे पर मुस्कान ले आते हैं।' सोशल मीडिया के दौर में कलाकारों की निजी जिंदगी पर लगातार नजर रखे जाने के सवाल पर रजत बेदी ने कहा, ''मैं मानता हूं कि आज के समय में सितारों की निजी जिंदगी पहले के मुकाबले काफी कम रह गई है। अब लगभग हर व्यक्ति सोशल मीडिया से जुड़ा हुआ है। ऐसे में कोई भी छोटी या बड़ी बात बहुत जल्दी इंटरनेट पर पहुंच जाती है और लोगों के बीच फैल जाती है।